पारा आपडेट
मैक्सिमम 26.00 | मिनीमम 10.00
सूर्यास्त (आज) 17.04
सूर्योदय (कल) 06.21
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 85,267.66 ● निफ्टी 26,046.95 ● डॉलर 90.42 ₹ ● सोना 1,29,260 ₹ ● चांदी 2,15,000 ₹

पेज 06 स्वास्थ्य के अधिकार की लड़ाई
पेज 08 जिला योजना कार्यकारिणी समिति...

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
पौष माह कृष्ण पक्ष नवमी संवत 2082

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शनिवार 13 दिसंबर 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 08 अंक : 160 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 या 7979814155 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।
प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

झारखंड में मडुआ क्रांति शुरू, 32,911 किसानों के खातों में पहुंची 15.63 करोड़

संवाददाता

रांची। झारखंड में मोटे अनाज को प्रोत्साहन के लिए झारखंड मिलेट मिशन का नया नाम झारखंड मडुआ क्रांति रखने की घोषणा कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची स्थित पशुपालन निदेशालय के सभागार में आयोजित लाभुक प्रोत्साहन राशि हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान की।

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में मडुआ के प्रति बढ़ती रुचि और किसानों की स्वीकार्यता को देखते हुए यह बदलाव किसान हित में किया गया है। कार्यक्रम में मंत्री ने राज्य के 32,911 किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 15 करोड़ 63 लाख 24 हजार 900 रुपये की प्रोत्साहन राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की।

विभागीय आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में 18 हजार किसानों को मोटे अनाज की खेती पर प्रोत्साहन राशि का लाभ मिला था।
मंत्री ने कहा कि अब लक्ष्य 60 हजार किसानों तक इस लाभ को पहुंचाने का लक्ष्य है। पहले जहां 20 हजार हेक्टेयर में मडुआ की खेती होती थी, वहीं आज यह बढ़कर एक लाख हेक्टेयर को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि मडुआ की खेती में दूसरे फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक है।

मंत्री ने बताया कि धान अधिप्राप्ति केंद्र की तर्ज पर अब मडुआ अधिप्राप्ति केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं। पहले चरण में गुमला, सिमडेगा और खूंटी जिलों को चिन्हित किया गया है। इन जिलों के 17 लैंप्स-पैक्स केंद्रों के माध्यम से किसानों से मडुआ की खरीद की जाएगी। आगामी एक सप्ताह में इस सुविधा के शुरू होने की उम्मीद जताई गई।

बाजार मूल्य के आधार पर तय किया जाएगा मडुआ का दर

मंत्री ने बताया कि मडुआ का दर बाजार मूल्य के आधार पर तय किया जाएगा। विभाग मडुआ की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर तैयार उत्पादों को अस्पताल, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाने की योजना पर भी काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गलत आंकड़ा देने की शिकायतें मिली हैं। इसकी जांच कराई जा रही है और पुष्टि होने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, समि?ति के निदेशक विकास कुमार, उद्यान विभाग संयुक्त निदेशक शशि भूषण अग्रवाल, विभागीय अधिकारी तथा दुमका, रांची, खूंटी सहित अन्य जिलों के किसान मौजूद थे।

केंद्रीय कैबिनेट : जनगणना के लिए 11,718.24 करोड़ रुपये के बजट को दी मंजूरी

दो फेज में होगी देश की जनगणना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 11,718.24 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के साथ जनगणना 2027 कराएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इसके मुताबिक पहली बार जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल होगी। इसे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना का कार्य दो चरणों में किया जाएगा- पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में संपन्न होगा। पहली बार जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल होगी। इसे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से किया जाएगा। मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा इकट्ठा किया जाएगा और केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी। जनगणना को विभिन्न मंत्रालयों को विविध उद्देश्यों के लिए स्पष्ट, मशीन रीडेबल और एक्शनेबल फॉर्मेट में उपलब्ध भी कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 का पहला चरण- हाउसलिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच चलाया जाएगा। दूसरा चरण, यानी जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगा। हालांकि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के दुर्गम क्षेत्रों और हिमाचल एवं उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों में यह चरण सितंबर 2026 में संचालित किया जाएगा। पूरे देश में इस विशाल अभियान को पूरा करने के लिए लगभग 30 लाख फील्ड कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी, जिनमें शिक्षक, पर्यवेक्षक और विभिन्न स्तरों के अधिकारी शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि यह पहली जनगणना होगी जिसमें मोबाइल ऐप, डिजिटल प्रश्नावली और केंद्रीय मॉनिटरिंग पोर्टल (सीएमएमएस) का उपयोग किया जाएगा। इससे न केवल डाटा संग्रह की गुणवत्ता बेहतर होगी, बल्कि रीयल-टाइम निगरानी भी आसान होगी। जनता को स्वयं अपनी जानकारी भरने का विकल्प भी मिलेगा। सुरक्षा के लिए विशेष डिजिटल प्रावधान किए गए हैं। जनगणना 2027 के लिए विकसित 'एचएलबी क्रिएटर' वेब मैप एप्लिकेशन अधिकारियों को ब्लॉक मैपिंग में मदद करेगा।

वैष्णव ने एक सवाल पर बताया कि जनगणना की प्रश्नावली और इसकी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से एक अधिसूचना जारी की जाएगी। वहीं मंत्रिमंडल के इस साल 30 अप्रैल को लिए गए निर्णय के तहत इस बार जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे।

18,600 तकनीकी कर्मचारियों की अस्थायी नियुक्ति की जाएगी

जनगणना 2027 से जुड़े कामों के लिए लगभग 18,600 तकनीकी कर्मचारियों की अस्थायी नियुक्ति की जाएगी, जिससे करीब 1.02 करोड़ मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा। डिजिटल डेटा प्रबंधन और विश्लेषण से जुड़े कार्यों में लगी यह टीम भविष्य में भी बेहतर रोजगार अवसरों के लिए सक्षम होगी।

देश की 16वीं व स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी

यह देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी। यह गांव, वार्ड और शहर स्तर तक विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगी। इसमें आवास, सुविधाएं, धर्म, भाषा, शिक्षा, आर्थिक गतिविधि, प्रवासन और प्रजनन जैसे कई महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक पहलुओं का विस्तृत डाटा एकत्र किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जनगणना 2027 के परिणामों को पहले की तुलना में काफी कम समय में जारी किया जाए और इसे 'क्लिक पर उपलब्ध सेवा' के रूप में राज्यों और मंत्रालयों तक पहुंचाया जाए।

सरकार ने दी कोयले का निर्यात करने की मंजूरी

सरकार ने कोयला क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ते हुए आज इसके निर्यात को मंजूरी दे दी। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने कोयले के निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग हेतु नीलामी नीति (कोल सेतु) को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 'कोल सेतु विंडो' नामक एक नयी विंडो बनाई गई है, जिससे कोयले का उपयोग किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए किया जा सकेगा। यह नयी नीति सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ती है। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए दीर्घकालिक आधार पर नीलामी हेतु कोयला लिंकेज का आवंटन किया जाएगा। इसके लिए 2016 की गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी नीति में कोल सेतु नामक एक अलग विंडो जोड़ी गई है जिसमें कोयले की आवश्यकता वाले कोई भी घरेलू खरीदार लिंकेज नीलामी में भाग ले सकते हैं।

धनबाद में अवैध कोयला कारोबार पर ईडी का शिकंजा

मनोज अग्रवाल, सुधीर चौटाला और इंद्रराज भदौरिया के ठिकानों पर छापा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध कोयला कारोबार से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले में धनबाद के तीन प्रमुख कोयला कारोबारियों के ठिकानों पर शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। जिन कारोबारियों के यहां छापेमारी की जा रही है, उनमें डेको आउटसोर्सिंग कंपनी के संचालक और ट्रांसपोर्टर मनोज अग्रवाल, सुधीर चौटाला और इंद्रराज भदौरिया शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमें सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं। मनोज अग्रवाल डेको कंपनी के संचालक होने के साथ कोयला परिवहन का भी बड़ा नेटवर्क चलाते हैं। जांच एजेंसी को संदेह है कि ये सभी आरोपी अवैध कोयला कारोबार से होने वाली कमाई को हवाला और अन्य माध्यमों से खपाने में शामिल रहे हैं। इससे पहले 21 नवंबर को भी ईडी ने कोयला कारोबारी दीपक पोद्दार समेत कई अन्य कारोबारियों के आवास और कार्यालयों पर छापेमारी की थी। उस अभियान में कोलकाता की टीम भी शामिल थी, जिसने पश्चिम बंगाल में कई ठिकानों पर तलाशी ली थी। उस दौरान कई करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति और महत्वपूर्ण दस्तावेज सामने आए थे। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि इंद्रराज भदौरिया, सुधीर चौटाला और मनोज अग्रवाल भी अवैध कोयला कारोबार की श्रृंखला में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। इसी आधार पर ईडी ने अब इन तीनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

गोवा अग्निकांड के आरोपित लूथरा भाइयों को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली। गोवा अग्निकांड में आरोपित नाइट क्लब मालिकों सौरभ और गौरव लूथरा फिलहाल थाई प्रशासन की हिरासत में हैं और उन्हें भारत वापस लाने की तैयारी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक बैंकॉक में भारतीय दूतावास सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा से जुड़े मामले में थाई अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है।दूतावास की दखल के बाद फुकेट में थाई अधिकारियों ने दोनों को हिरासत में ले लिया है। थाई अधिकारी अभी स्थानीय कानूनों के अनुसार कार्रवाई कर रहे हैं, जिसमें दोनों को भारत वापस भेजना भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। दोनों आरोपित नाइट क्लब के मालिक हैं और घटना के बाद थाइलैंड भाग गए थे। वहां से उन्होंने अग्रिम जमानत की याचिका भी दाखिल की है।

राहुल गांधी मानहानि मामले में सुनवाई टली, अगली सुनवाई 23 दिसम्बर को

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में देश के गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ बयान बाजी के मामले मे शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला द्वारा मौका लेने के कारण सुनवाई स्थगित हुई। कोर्ट ने अब अगली सुनवाई के लिए 23 दिसम्बर की तिथि तय की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार को गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह होनी थी। उनके द्वारा मौका लिए जाने के कारण सुनवाई टाल दी गई। अब 23 दिसम्बर को राहुल गांधी के अधिवक्ता गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह करेंगे। इस मामले में पिछले पांच साल से अदालती कार्यवाही चल रही है। दिसम्बर 2023 में राहुल गांधी के पेश न होने पर तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था।

खंडन

हजारीबाग में एनआईए की आईएसआईएस मॉड्यूल कनेक्शन की तलाश में की गयी छापेमारी में संदिग्ध शाहनवाज आलम के घर पर छापेमारी की जगह न्यूज एजेंसी की गलती से डॉ. जमील का नाम छप गया है। इसके लिए खेद है। -संपादक

कफ सीरप मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, तीन राज्यों के 25 ठिकानों पर छापा

रांची के शैली ट्रेडर्स पर भी की गयी कार्रवाई

संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जानलेवा कफ सीरप की खरीद-बिक्री से जुड़े 1000 करोड़ रुपये के अवैध कारोबार की जांच के तहत झारखंड, उत्तर प्रदेश और गुजरात के 25 ठिकानों पर छापेमारी की है। रांची के तुपुदाना स्थित शैली ट्रेडर्स में भी सुबह से ही ईडी की कार्रवाई जारी थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लखनऊ, बनारस, जौनपुर, सहारनपुर, अहमदाबाद और रांची सहित कई शहरों में एक साथ छापेमारी की जा रही है। जांच के दायरे में कफ सीरप के अवैध व्यापार से जुड़े कारोबारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं।

झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के संचालक भोला प्रसाद के प्रतिष्ठान और उनके फ्लैट में भी ईडी की टीम तलाशी ले रही है। भोला प्रसाद बनारस पुलिस में दर्ज एक प्राथमिकी में आरोपित हैं और अवैध कफ सीरप मामले के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के रिश्तेदार बताए जाते हैं।

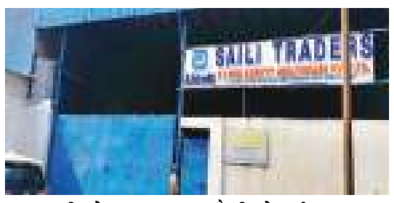

जानकारी के अनुसार, शैली ट्रेडर्स का यह प्रतिष्ठान भोला प्रसाद ने भिलाई केमिकल के संचालक जगन्नाथ साहू से किराये पर लिया था। कुछ दिनों पहले बनारस पुलिस ने यहां छापेमारी की थी, लेकिन कफ सीरप की बरामदगी किसी अन्य स्थान से हुई थी।

तुपुदाना ओपी में इस मामले में एक दिन पहले औषधि नियंत्रक शैल अंबष्ट के बयान पर भोला प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। वहीं, भोला प्रसाद ने भी ऑनलाइन शिकायत देकर औषधि विभाग के अधिकारियों पर 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। ईडी की यह कार्रवाई पीएमएलए के तहत चल रही व्यापक जांच का हिस्सा है।

33 लाख के 10 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज के समक्ष शुक्रवार को 33 लाख के इनामी 10 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। समर्पण करने वालों में 6 महिला माओवादी भी शामिल हैं और उन पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इस अवसर पर डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह कलेक्टर देवेश ध्रुव, एसपी किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक सुकमा, सर्व आदिवासी पदाधिकारी सहित समाज-प्रमुखों, पुलिस अधिकारियों और बड़ी संख्या में जवान उपस्थित थे।

नहीं रहे शिवराज पाटिल, 90 वर्ष की उम्र में महाराष्ट्र के लातूर में ली अंतिम सांस

एजेंसी

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को महाराष्ट्र के लातूर में निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री पाटिल ने आज सुबह लगभग 6:30 बजे लातूर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार थे और लातूर में ही उनका इलाज चल रहा था। श्री पाटिल ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में केंद्रीय गृहमंत्री और रक्षा मंत्री सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह लोकसभा अध्यक्ष भी रहे। बारह अक्टूबर 1935 को जन्मे श्री पाटिल महाराष्ट्र के लातूर

से सात बार सांसद रहे। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में उन्हें गृह मंत्री, रक्षा मंत्री का कार्यभार सौंपा गया था। उन्होंने 1991 से 1996 तक देश के 10वें लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर काम किया। उन्होंने 2010 से 2015 तक पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के तौर काम किया।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने जताया शोक

शिवराज पाटिल के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पाटिल एक प्रमुख सार्वजनिक हस्ती थे, जिन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीयमंत्री, राज्यपाल और सांसद जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने उनके परिवार, शुभचिंतकों और अनुयायियों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पाटिल ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में समाज और राष्ट्र सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शिवराज पाटिल का जाना राजनीति और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

आत्मनिर्भरता | नौसेना के समुद्री बेड़े में 16 दिसंबर को शामिल होगा स्वदेशी गोताखोर जहाज 'डीएससी ए20'

गोताखोरी और जल के भीतर सहायता क्षमताओं में आएगी तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में 16 दिसंबर को गोताखोरी में सहायक स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित जहाज 'डीएससी ए20' को शामिल किया जाएगा। दक्षिणी कमान का हिस्सा बनने वाले इस जहाज का कमीशनिंग समारोह कोच्चि में होगा, जो नौसेना के लिए बड़ी उपलब्धि है। इसके माध्यम से भारतीय नौसेना की गोताखोरी और जल के भीतर सहायता क्षमताओं में तेजी आएगी।
दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना की उपस्थिति में आयोजित होने वाला

यह औपचारिक समारोह नौसेना की परिचालन क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रतीक होगा। डीएससी ए20 का निर्माण कोलकाता के टिटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) में किया गया है। गोताखोरी में सहायक पांच डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट श्रृंखला का यह पहला पोत है। इसको तटीय जलक्षेत्र में विभिन्न प्रकार के गोताखोरी और जलीय अभियानों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यह पोत उन्नत एवं अत्याधुनिक गोताखोरी प्रणालियों से सुसज्जित है, जो सुरक्षा, विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरता है।
नौसेना के मुताबिक कैटामारन आधारित पतवार विन्यास वाले इस पोत में उत्कृष्ट स्थिरता, विस्तारित डेक क्षेत्र और बेहतर समुद्री योग्यता है। लगभग 390 टन के विस्थापन वाले इस जहाज को इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के नौसेना नियमों और विनियमों के अनुरूप डिजाइन तथा निर्मित किया गया है। डीएससी ए20 का विशाखापत्तनम स्थित नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) में व्यापक हाइड्रोडायनामिक विश्लेषण और मॉडल परीक्षण किया गया, जिससे इसके इष्टतम प्रदर्शन, स्थिरता तथा दीर्घकालिक विश्वसनीयता को सुनिश्चित किया गया।

आत्मनिर्भरता के मार्ग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा

डीएससी ए20 का शामिल होना भारत की आत्मनिर्भरता के मार्ग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा और समुद्री क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' पहल की उल्लेखनीय सफलता का सशक्त उदाहरण है। यह उन्नत मंच भारतीय नौसेना, स्वदेशी जहाज-निर्माण उद्योग और राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के बीच परिणामोन्मुख सहयोग का प्रतीक बन गया है। इस पोत के शामिल होने से भारतीय नौसेना की गोताखोरी सहायता, जल के भीतर निरीक्षण, बचाव अभियानों और तटीय क्षेत्रों में परिचालन तैनाती की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। डीएससी ए20 को कोच्चि में तैनात किया जाएगा, जहां यह दक्षिणी नौसेना कमान के अधीन अपनी परिचालन भूमिकाएं निभाएगा।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा

बस घाटी में गिरी, नौ यात्रियों की मौत, 10 की हालत गंभीर

एजेंसी

अल्लूरी (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला में शुक्रवार सुबह मारेडुमिली घाट रोड पर बस हादसे में बड़ी जनहानि होने का अंदेशा है। घटनास्थल पर नौ लोगों की मृत्यु और अन्य दस के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बताया गया है कि हादसाग्रस्त चित्तूर जिले के विग्नेश्वरा ट्रैवल्स की बस (एपी 39 यूएम 6543) में 37 यात्री और दो चालक थे। यह बस भद्राचलम से अराकू जा रही थी। मारेडुमिली घाटु रोड पर राजू गारी मेट्टू मोड़ के पास यह बस बेकाबू होकर घाटी में गिर गई। सूचना मिलते ही आसपास के लोग पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को बेहतर इलाज के लिए भद्राचलम एरिया हॉस्पिटल ले जाया गया।

लोगों का कहना है कि यह बस छह दिसंबर की रात नौ बजे तीर्थयात्रा के लिए निकली थी। तीर्थयात्रा का आयोजन चित्तूर शहर के राममूर्ति नाम के एक एजेंट ने किया था। भद्राचलम के दर्शन पूर्ण करने के बाद बस अन्नावरम जा रही थी। यात्रियों की पहचान चित्तूर जिले के निवासियों के तौर पर हुई है।

लिकर बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस रद्द

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक स्थित लिकर बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एसएसपी की रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

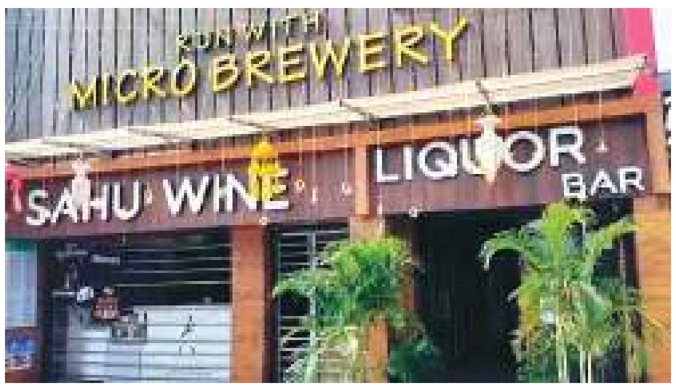

मारपीट की वारदात के बाद कार्रवाई

कई तरह के विवादों में नाम आने के बाद रांची के अरगोड़ा चौक स्थित लिकर बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस रांची डीसी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आदेश पत्र में बताया गया है कि यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर उत्पाद अधिनियम की धारा 42 के तहत की गई है।

क्या है एसएसपी की जांच रिपोर्ट में

एसएसपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अरगोड़ा चौक का रास्ता बेहद व्यस्त है और वीवीआईपी आवागमन का प्रमुख मार्ग है। ऐसे में बार के कारण अक्सर होने वाले झगड़े से कानून-व्यवस्था पर गंभीर खतरा बना रहता है। रिपोर्ट के अनुसार बार संचालक की ओर से ट्रांसजेंडर (टीजे) बुलाकर डांस एवं डांस क्लब का आयोजन बार ?बार किया जाता था। इस दौरान ग्राहकों के बीच कई बार मारपीट और हंगामा हो चुका है।

अप्रिय घटना होने की थी आशंका

प्रशासन ने माना है कि बार में लगातार हो रहे झगड़े और सड़क पर उत्पन्न विवाद से किसी भी समय बड़ी अप्रिय घटना हो सकती है। इसलिए सार्वजनिक सुरक्षा को देखते हुए लाइसेंस निलंबित करने का निर्णय लिया गया। आदेश में एसएसपी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि ऐसे आयोजनों से ट्रैफिक बाधित होता है और कानून-व्यवस्था संभालने में पुलिस बल पर अतिरिक्त दबाव बनता है। लाइसेंस निलंबन के बाद अब विभागीय जांच पूरी होने तक लिकर बार एंड रेस्टोरेंट में शराब की बिक्री और संचालन कानूनी रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

क्या है पूरा मामला : गौरतलब है कि 26 नवंबर की रात किन्नरों और लिकर बार में आए ग्राहकों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। विवाद की जानकारी मिलने के बाद उत्पाद विभाग की टीम 27 नवंबर की शाम लिकर बार पहुंची थी। टीम ने बार परिसर का मुआयना किया था और बार परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज को खंगाला था। जांच में यह बात सामने आई कि बार संचालक बीरेन साहू के द्वारा ग्राहकों के मनोरंजन के लिए किन्नरों से डांस कराया जाता था। यहां तक किन्नरों से ग्राहकों को शराब भी सर्व करायी जाती थी। 26 नवंबर की रात भी किन्नर बार में डांस प्रस्तुत कर रही थीं। नाचने के दौरान ही किन्नरों और ग्राहक आपस में भिड़ गए थे और मारपीट की घटना हुई थी. ऐसे में उस दौरान बार को सील कर दिया गया था।

रांची में हुई 50 लाख के गहने की छिनतई का हुआ खुलासा, पुलिस ने बरामद किए सभी गहने

वरीय संवाददाता

रांची। रांची जिले के सदर थाना क्षेत्र में हुए 50 लाख रुपये के गहने की छिनतई मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने खुलासा किया है कि इस वारदात को कुख्यात कोढ़ा गैंग ने अंजाम दिया था। पुलिस ने छापेमारी कर छिने गए सभी गहने बरामद कर लिए हैं। हालांकि अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

रांची पुलिस ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि बरामद किए गए सामान में सोने के 2 पीस बिस्कुट (लगभग 200 ग्राम), सोने के 7 पीस सिक्के (लगभग 50 ग्राम), सोने की 15 पीस अंगूठी (लगभग 40 ग्राम), 16 जोड़ी सोने की बालियां (लगभग 30 ग्राम), 9 सोने की चेन (लगभग 60 ग्राम), 2 सोने के हार (लगभग 20 ग्राम), एक सोने की गिन्नी समेत अन्य दूसरी चीजें (लगभग 25 ग्राम) शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि बरामद सामान में 9 जोड़ी चांदी की पायल (लगभग 350 ग्राम), एक चांदी की चेन और लॉकेट (लगभग 25 ग्राम), 3 चांदी के सिक्के (लगभग 25 ग्राम) और एक जोड़ी चांदी की चूड़ियां (लगभग 50 ग्राम) शामिल हैं। कुल बरामद गहने सोना 425 ग्राम व चांदी 450 ग्राम है, जिनकी कीमत 55 से 60 लाख रुपये बताई जा रही है।

रांची नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने बताया कि 8 दिसंबर को सदर थाना क्षेत्र के निवासी निलय प्रकाश अपनी पत्नी के साथ डीएवी बरियातु के पास स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा से लॉकर में रखे गहने निकालकर घर लौट रहे थे। घर पहुंचते ही उनकी पत्नी गेट खोलने लगी, तभी बाइक सवार दो अपराधियों ने उनके कंधे पर लटका बैग झपट लिया और फरार हो गए।

संक्षिप्त खबरें

एसीपी-एमएसीपी योजना का लाभ झारखंड के 224 पुलिस अधिकारियों को मिला

रांची। झारखंड पुलिस के 224 पुलिस पदाधिकारियों को एसीपी और एमएसीपी योजना का लाभ मिला है। ये लाभ उन पदाधिकारियों को दिया गया है, जिन्होंने अपनी सेवा के 12 से 30 साल की अवधि पूरी कर ली है। केंद्रीय चयन पर्षद सह-स्क्रीनिंग समिति की महत्वपूर्ण बैठक 16 और 21 मई 2025 को हुई थी, जिसमें इन 224 पुलिस पदाधिकारियों के नामों पर मुहर लगी थी। इस योजना के तहत वित्तीय उत्क्रमण के दौरान संबंधित पुलिस कर्मियों के वेतन का निर्धारण किया जाएगा। वेतन निर्धारण भारत सरकार के मौलिक नियमावली के नियम 22(1) (ए) (1) के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा, जिससे उन्हें उच्च वेतनमान का लाभ मिल सकेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर इस आदेश को निरस्त किया जा सकेगा। इसके अलावा वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यदि किसी पुलिस पदाधिकारी को पूर्व में स्वीकृत एसीपी और एमएसीपी में संशोधन या रद्द होने के कारण अधिक भुगतान हुआ है, तो इस अधिक भुगतान की वसूली उनके अगली स्वीकृत वित्तीय वर्ष के लाभ से प्राप्त अंतर राशि में समायोजित करके की जाएगी।

अनिल शर्मा की रिहाई की मांग को लेकर दायर याचिका खारिज

रांची। रांची के कुख्यात अपराधी अनिल शर्मा को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने अनिल शर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें समय पूर्व रिहाई का आग्रह किया गया था। अनिल शर्मा रांची जेल में कैदी भोमा सिंह की हत्या से जुड़े मामले में सजा काट रहे हैं। इस मामले में अनिल शर्मा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। वह 28 साल से जेल में हैं और उसने अपनी रिहाई के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। यह मामला 22 जनवरी 1999 का है, जब अनिल शर्मा ने रांची के बिरसा मुंडा जेल में बंद रहते हुए अन्य अपराधियों के साथ मिलकर कैदी भोमा सिंह की हत्या कर दी थी। अनिल शर्मा को दिल की बीमारी है और उन्होंने स्वास्थ कारणों से भी अपनी रिहाई की गुहार लगाई थी। लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई।

15 दिसंबर से शुरू होगी धान की खरीद, किसानों को मिलेंगे 2,450 रुपये प्रति क्विंटल

रांची। झारखंड की हेमंत सरकार ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत राज्य में धान अधिप्राप्ति कार्य 15 दिसंबर 2025 (सोमवार) से शुरू करने की घोषणा की है। राज्यभर में धान खरीद के लिए 783 अधिप्राप्ति केंद्र बनाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष किसानों को धान बिक्री पर बोनस सहित प्रति क्विंटल 2,450 रुपये एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। मंत्री इरफान अंसारी ने राज्य के सभी मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के चयनित धान अधिप्राप्ति केंद्रों (लैम्पस, पैक्स) आदि पर पहुंचकर धान अधिप्राप्ति कार्य का शुभारंभ करें। डॉ. अंसारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वे किसानों का मनोबल बढ़ाएं। सरकार किसानों के प्रति गंभीर है, क्योंकि किसान समाज की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से किसानों को भरोसा मिलेगा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। मंत्री इफान अंसारी ने यह भी कहा कि किसानों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी सोच के तहत लगातार साहसिक निर्णय लिए जा रहे हैं। धान अधिप्राप्ति योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार तभी संभव है, जब जनप्रतिनिधि इसमें शामिल होकर किसानों को प्रोत्साहित करें।

ई-कल्याण पोर्टल की तकनीकी गड़बड़ियों से छात्र परेशान, सर्वोपरी मंच ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में शुक्रवार को छात्रहित सर्वोपरी मंच के प्रतिनिधिमंडल ने

कल्याण सचिव एवं कल्याण आयुक्त से मुलाकात कर ई-कल्याण पोर्टल की तकनीकी समस्याओं से जुड़ा ज्ञापन सौंपा और छात्रों की परेशानियों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।प्रतिनिधिमंडल में शामिल छात्रों ने आयुक्त को बताया कि आवेदन भरते समय पोर्टल पर बार-बार त्रुटि संदेश दिखाई देते हैं। इन तकनीकी गड़बड़ियों के कारण हजारों छात्र आवेदन प्रक्रिया से वंचित रह गए हैं, जबकि कई छात्रों के आवेदन बिना किसी कारण स्वतः अस्वीकृत हो गए। सर्वोपरी मंच के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार राणा ने बताया कि मंच तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित छात्रों के डेटा की बहाली को लेकर लगातार प्रयासरत रहा है। उन्होंने कहा कि 18 और 19 अगस्त 2025 को पोर्टल की गंभीर तकनीकी त्रुटियों के कारण जिन छात्रों के आवेदन डिलीट हो गए थे, उनका डेटा विभाग द्वारा पुनः बहाल कर दिया गया है। राणा ने बताया कि आज फिर से आयुक्त से मुलाकात कर छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से रखा गया। विभाग ने इस पर तत्काल तकनीकी समीक्षा कर समाधान करने का आश्वासन दिया है।

नौ जिलों में एसआरई फंड से उपयोग हो रहे वाहनों की पुलिस मुख्यालय ने मांगी जानकारी

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने नौ जिले में एसआरई फंड से उपयोग किए जा रहे वाहनों जानकारी मांगी है। जिन नौ जिलों से जानकारी मांगी गई है, उनमें चाईबासा, लातेहार, बोकारो, चतरा, गढ़वा, गिरिडीह, खूंटी, लोहरदगा, और सरायकेला शामिल है। मुख्यालय ने इन जिलों के एसपी को तत्काल जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि एसआरई योजना के ट्रांसपोर्टेशन मद के तहत जिले में जो चार पहिया और दो पहिया वाहनों का उपयोग किया जा रहा है, उसकी जानकारी तत्काल उपलब्ध कराई जाए। सभी जिलों के एसपी को चार पहिया और दो पहिया वाहनों की संख्या, चार पहिया वाहन के उपयोग करने वाले नाम सहित अन्य जानकारी मांगी गई है।

नौ जिले पहले झारखंड में एसआरई में थे शामिल

अप्रैल 2025 तक झारखंड में कुल नौ एसआरई जिले थे, जिनमें वेस्ट सिंहभूम, बोकारो, चतरा, लातेहार, खूंटी, सरायकेला, गढ़वा, गिरिडीह और लोहरदगा शामिल थे। गृह मंत्रालय द्वारा अक्टूबर महीने में किए गए समीक्षा के बाद इनमें से 5 जिले खूंटी, सरायकेला, गढ़वा, गिरिडीह और लोहरदगा को सिक्योरिटी रिलेटेड एक्सपेंडिचर यानी एसआरई से बाहर कर दिया गया है। एसआरई (सिक्योरिटी रिलेटेड एक्सपेंडिचर) योजना भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नक्सलवाद, उग्रवाद या अन्य सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावित जिलों को सहायता प्रदान करने के लिए चलाई जाती है। यह योजना मुख्य रूप से नक्सल प्रभावित राज्यों जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा आदि को अपने साथ जोड़ती है। इसमें केंद्र सरकार एसआरई जिलों में होने वाले खर्च का 100% भुगतान करती है। यह फंड सुरक्षा बलों की ट्रेनिंग, ऑपरेशन, हिंसा प्रभावितों को मुआवजा, सरेंडर करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास और सामुदायिक पुलिसिंग में इस्तेमाल होता है।

वार्षिक माध्यमिक, इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 के परीक्षा केंद्रों एवं मूल्यांकन केंद्रों का चयन करने के लिए जिला चयन समिति की बैठक

परीक्षा केंद्रों का चयन पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी को लेकर दिए गए आवश्यक निर्देश

वरीय संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय के ब्लॉक-ए स्थित सभागार में जैक द्वारा आयोजित होने वाली वार्षिक माध्यमिक (मैट्रिक) एवं इंटरमीडिएट (10+2) परीक्षा-2026 के लिए जिला स्तर पर परीक्षा केन्द्रों तथा उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन केन्द्रों के चयन को लेकर जिला चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, सौरभ कुमार भुवनिया, पुलिस अधीक्षक (नगर), पारस राणा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, विनय कुमार, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने

निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों का चयन पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी किसी भी प्रकार की नकल या अनियमितता की कोई गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र ऐसे विद्यालयों में बनाए जाएं जहां पर्याप्त संख्या में कक्ष, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो। साथ ही, परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने के लिए सुगम यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में विभिन्न प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों की सूची पर विचार किया गया। परीक्षाथीर्यों कोई असुविधा ना हो इसके लिए कुछ परीक्षा के दो में बदलाव का निर्णय लिया गया है। उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

झारखंड में सर्दी का सितम

आने वाले दिनों में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड में मौसम फिलहाल शुष्क है, लेकिन न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ ठंड ने दस्तक दे दी है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में दिन का पारा सामान्य से ऊपर है, जबकि रात का तापमान कुछ इलाकों में चार डिग्री से ज्यादा नीचे चला गया है। मौसम केंद्र की ओर से 12 दिसंबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक रांची में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री के आसपास बना रहा। साथ ही आज से अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी की संभावना है।

चाईबासा में दिन का पारा 28.8 डिग्री तक पहुंच गया है, जो राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान रहा। वहीं गुमला ऑटोमेटेड स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री दर्ज हुआ, जो इस समय राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान है। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री के करीब रहा। यहां भी दिन का पारा सामान्य से थोड़ा ऊपर रहा। डाल्टनगंज में अधिकतम 27.4 डिग्री और न्यूनतम करीब 9 डिग्री दर्ज हुआ, जहां रात का तापमान सामान्य से लगभग पांच डिग्री नीचे चला गया है। सबसे अधिक ठंड की मार बोकारो-थर्मल क्षेत्र में दिखी, जहां न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री दर्ज किया गया जो नॉर्मल से 4.5 डिग्री कम रहा, जबकि अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री के आसपास रहा।

शहर की सरकार में महिलाएं निभाएंगी महत्वपूर्ण भूमिका

वार्ड पार्षद से लेकर अध्यक्ष तक के पदों पर मिलेगा 50 फीसदी आरक्षण

वरीय संवाददाता

रांची। शहर की सरकार में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। आने वाले समय में होने वाले शहरी निकाय चुनाव में अधिकतम 50% महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गई हैं.जाहिर तौर पर इस चुनाव में जीतकर आने वाली महिलाएं शहर की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। शहरी निकाय चुनाव की तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटा राज्य निर्वाचन आयोग ने जिलों को हर हाल में 19 दिसंबर तक वार्डों के आरक्षण तय करने की प्रक्रिया पूरी कर लेने का निर्देश दिए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा कि वार्ड का आरक्षण का कार्य अंतिम चरण में है और जिलों से रिपोर्ट आ रही है। अब तक करीब 12 जिलों से रिपोर्ट आ चुकी है। प्रावधान के तहत शहरी निकाय चुनाव में प्रत्येक कोटि में महिलाओं के लिए अधिकतम 50% सीटें आरक्षित की गई हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने आने वाले समय में होने वाले शहरी निकाय चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग के अगस्त 2024 में प्रकाशित वोटर लिस्ट के आधार पर ही मतदान कराने का निर्णय लिया है। जिला स्तर पर भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा प्रकाशित वोटर लिस्ट को आधार बनाकर प्रत्येक वार्ड के लिए मतदाता सूची तैयार की जा चुकी है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद के अनुसार वोटर लिस्ट विखंडन का कार्य पूर्ण हो चूका है। बहरहाल हाईकोर्ट के कड़े निर्देश के बाद चुनाव आयोग और राज्य सरकार नगर निकाय चुनाव कराने को तैयार है। संभावना यह है कि सबकुछ ठीकठाक रहा तो नये साल में इसकी घोषणा हो जायेगी और फरवरी में मतदान संपन्न करा लिया जायेगा।

नगर निगम के नाम और वार्डों की संख्या

रांची नगर निगम 53, आदित्यपुर नगर निगम 35,
मेदिनीनगर नगर निगम 35, हजारीबाग नगर निगम 36,

नगर परिषद के नाम और वार्डों की संख्या

गढ़वा 21, चतरा 22, गिरिडीह 32, मधुपुर 23,
साहिबगंज28, पाकुड़ 20, दुमका 21, मिहिजाम 20, फुसरो 28,
रामगढ़ 32, लोहरदगा23, गुमला22 , सिमडेगा 20,
चाईबासा 25, कपाली21

नगर पंचायत का नाम और वार्डों की संख्या

नगर उंटारी 17, हुसैनाबाद 16, छतरपुर 16, लातेहार 15, गोड्डा 23, बरहरवा 14, राजमहल 14, बासुकीनाथ 12, जामताड़ा 16, चिरकुंडा 22, खूंटी 19, बुंडू 13,
सरायकेला 11, चाकुलिया 12

सीयूजे में आईसीएसएसआर क्षमता-विकास कार्यक्रम का बारहवां दिन: भारतीय ज्ञान परंपरा व शोध-कौशल पर केंद्रित सार्थक विमर्श

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में शिक्षा विभाग तथा अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित दो-सप्ताहिक आईसीएसएसआर-प्रायोजित क्षमता-विकास कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान में मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध विधियां के बारहवें दिन का आरम्भ आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। प्रार्थना सर्वे सुखिनो भवन्तु और प्रेरक विचार-विमर्श के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

पहला सत्र : उद्धरण शैली, संदर्भ प्रबंधन और शैक्षणिक लेखन

सत्र का संचालन डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, सह-प्राध्यापक एवं डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस ने किया। उन्होंने शोध में उद्धरण पद्धतियों, विश्वसनीय स्रोतों की पहचान और संदर्भ प्रबंधन पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि शैक्षणिक ईमानदारी बनाए रखने के लिए उद्धरण शैलियों की स्पष्ट समझ आवश्यक है। शिक्षकों की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि अध्यापन के साथ-साथ शोध-लेखन भी शिक्षक की पहचान को सशक्त बनाता है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रतिवर्ष कम से कम एक गुणवत्तापूर्ण शोध-पत्र प्रकाशित करने की प्रेरणा दी।

दूसरा सत्र : भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

दूसरे सत्र में डॉ. तपन कुमार बसंतिया, प्रोफेसर एवं डीन, सीयूजे ने भारत की समृद्ध ज्ञान परंपराओं और उनकी आधुनिक शिक्षा में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य संवेदनशील, मूल्यनिष्ठ और समग्र दृष्टि वाले व्यक्तियों का निर्माण है। संस्कृत, जनजातीय एवं स्थानीय भाषाओं, भारतीय सांकेतिक भाषा, दार्शनिक परंपराओं तथा तक्षशिला-नालंदा जैसे प्राचीन शिक्षण केंद्रों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपराएं आज भी राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में उन्होंने इसे ऐतिहासिक बाधाओं का परिणाम बताया, न कि विदुषी महिलाओं की अनुपस्थिति का।

तीसरा सत्र : पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी उपयोग

तीसरे सत्र में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एस. के. पांडेय ने शिक्षण एवं शोध के लिए पुस्तकालय का उपयोग विषय पर व्यवहारिक सत्र आयोजित किया। उन्होंने शोधनगंगा, शोधशुद्धि, शोधचक्र सहित विभिन्न मुक्त शैक्षिक संसाधनों की जानकारी दी। प्रतिभागियों ने पुस्तकालय भ्रमण कर डिजिटल रिपॉज़िटरी, रिमोट एक्सेस व अन्य सुविधाओं का अनुभव प्राप्त किया, जिसकी सभी ने सराहना की।

समापन सत्र : प्रतिभागियों की प्रस्तुतियां और संवाद

अंतिम सत्र में प्रतिभागियों ने अपने शोध-विचारों और कार्यप्रणालीगत रूपरेखाओं को प्रस्तुत किया।

सत्र की अध्यक्षता डॉ. शशि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, ने की। उन्होंने प्रतिभागियों को सारगर्भित सुझाव प्रदान किए तथा शोध-प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने पर मार्गदर्शन दिया।

दिन का समापन एक प्रेरक सफलता-कथा और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

कोनार डैम तट पर होगा झारखंड +2 शिक्षक संघ का वार्षिक सम्मेलन

बोकारो। झारखंड +2 शिक्षक संघ, जिला इकाई बोकारो की एक महत्वपूर्ण बैठक आज सिटी पार्क बोकारो में जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह एवं जिला सचिव डॉ अवनीश कुमार झा के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मत निर्णय लिया गया कि संघ का वार्षिक सम्मेलन - सह - स्वागत समारोह एवं वन भोज का भव्य आयोजन कोनार डैम तट पर 17 जनवरी 2026 को किया जाएगा। यह आयोजन पारिवारिक होगा, जिसमें जिले के सभी स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक एवं प्रयोगशाला सहायक सपरिवार हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर 30 सितंबर 2024 के पश्चात बोकारो जिले में पदस्थापित, प्रतिनियुक्त एवं स्थानांतरित सभी शिक्षकों एवं प्रयोगशाला सहायकों का संघ की तरफ से औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से हो रहे स्थानांतरण के आलोक में सरकार से एक विशेष आग्रह किया गया। संघ ने अनुरोध किया कि स्थानांतरण के क्रम में किसी ऐसे शिक्षक/शिक्षिका का स्थानांतरण किसी अन्य जिले में न किया जाए, जो स्वयं स्थानांतरित होकर बोकारो जिले में आए हैं, या जो पति-पत्नी इसी जिले में कार्यरत हैं। संघ ने हर्ष ध्वनि के साथ दृष्टिबाधित महिला विश्व कप क्रिकेट फाइनल में भारतीय टीम की विजय पर बधाई दी। साथ ही, डॉ अविनाश कुमार, पीजीटी, हजारीबाग को बेहतर स्वास्थ्य हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले सभी शिक्षकों एवं प्रयोगशाला सहायकों के प्रति आभार भी प्रकट किया गया। बैठक में कुछ शिक्षकों की लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी, बोकारो से मिलने का निर्णय लिया गया। आयोजन मंडली में कृपा शंकर महतो और संतोष कुमार महतो सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य शामिल रहेंगे।

मिथिला महिला समिति ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

बोकारो। प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा सहित समिति की सदस्याओं डॉ मंजू झा, शीला मिश्रा, इंदिरा झा, सीमा झा, आशा झा, बीनू चौधरी, बीणा झा, रुबी ठाकुर, पूनम झा, प्रेरणा ओझा, बंदना झा, अपर्णा झा, बबीता झा, रितु मिश्रा, किरण झा, कुमकुम झा किरण झा, अलका झा, लीला झा आदि ने सेक्टर 4 साईं मंदिर, सेक्टर 4 सिटी सेंटर व जगन्नाथ मंदिर परिसर में घूम-घूमकर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा का तीखा प्रदर्शन

बोकारो। विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा द्वारा शुक्रवार को उपयुक्त बोकारो की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालने की कोशिश की गई, लेकिन प्रशासन ने इसे बोकारो हवाई अड्डा परिसर में ही रोक दिया। जैसे ही मोर्चा के अध्यक्ष अरुण महतो अपने साथियों के साथ शव यात्रा निकालने की तैयारी कर रहे थे, उसी समय चास सीईओ सेवा राम साहू तथा सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुदामा दास दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने किसी भी तरह के तनाव को रोकने के लिए तत्काल पुतले को अपने कब्जे में ले लिया और शव यात्रा को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण भी रहा, लेकिन मोर्चा के सदस्यों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज करवाया। मोर्चा के अध्यक्ष अरुण महतो ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डीपीएलआर कार्यालय तथा इसके अधीन विशेष भू-अर्जन कार्यालय में वर्षों से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उनके अनुसार आज तक इन मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अविलंब उच्चस्तरीय जांच नहीं कर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई तो संगठन एक बार फिर शव यात्रा, श्रद्धांजलि सभा और दलित नारायण भोज का आयोजन करेगा। महतो ने कहा कि संगठन सात सूत्री मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत है और कई बार डीपीएलआर निदेशक द्वारा लिखित तथा मौखिक आश्वासन देकर आंदोलन को टालने की कोशिश भी की गई, लेकिन आज तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। संगठन का आरोप है कि भू-माफियाओं और दलालों से मिलीभगत के कारण कर्मचारी जांच प्रक्रियाओं को बाधित करते हैं, जिसके कारण पुनर्वासित क्षेत्रों की जमीनों पर अवैध कब्जा, खरीदझफरोख्त और फर्जी री-पेमेंट जैसी अनियमितताएं अब भी जारी हैं। इस प्रदर्शन में आनंद महतो, धीरेन सोरेन, सोमर महतो, दिलीप महतो, सिंधु मिश्रा, बी.के. मिश्रा, उषा देवी, कोमल देवी, सुशीला देवी, अहिल्या देवी, कौशल्या देवी, पूजा देवी समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

रॉयल पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद समारोह शानदार तरीके से सम्पन्न, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बोकारो। सेक्टर 4 स्थित रॉयल पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को वार्षिक खेलकूद समारोह का रंगारंग आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में रॉयल पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रूपम गुप्ता और डॉ० राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह, पूर्व अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी कोच एंजेला सिंह, बोकारो जिला ओलंपिक संघ के सचिव गोपाल ठाकुर तथा अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सागर कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान छोटे बच्चों के लिए थ्री लेग रेस, व्हील बैरो रेस, क्रोकोडाइल रेस जैसे आकर्षक खेलों का आयोजन किया गया, जबकि वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने 100 मीटर, 200 मीटर और रिले रेस में अपनी प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि विपिन कुमार सिंह ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है और उन्हें खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना चाहिए। पूर्व कोच एंजेला सिंह ने बच्चों को मोबाइल फोन से दूरी बनाकर खेल में अधिक समय देने की सलाह दी, वहीं गोपाल ठाकुर ने कहा कि आज खेलों के माध्यम से भी रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं, इसलिए बच्चों को खेलकूद पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में प्रीतम साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राहुल कुमार द्वितीय और ज्योति आदित्य कर्मकार तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में पूजा कुमारी ने सबसे तेज धाविका बनकर प्रथम स्थान हासिल किया, तान्या कुमारी द्वितीय और सोनम कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं।

बोकारो आईएमसी परियोजना को लेकर मंत्री ने सेल को चेताया, कहा–

विकास का साक्षी बनें, बाधक नहीं

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो के लिए एक बड़ी औद्योगिक खुशखबरी सामने आई है। अमृतसरझकोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) के निर्माण को लेकर शुक्रवार को नेपाल हाउस, डोरंडा, रांची स्थित उद्योग मंत्री के कार्यालय कक्ष में एक उच्चस्तरीय और निर्णायक बैठक आयोजित की गई। झारखंड सरकार के उद्योग मंत्री संजय यादव ने बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक बोकारो की विधायक श्रीमती श्वेता सिंह द्वारा झारखंड विधानसभा में उठाए गए गैर सरकारी संकल्प पर मंत्री श्री यादव की पिछली प्रतिबद्धता का सीधा परिणाम है, जिसमें उन्होंने अगले ही दिन ठोस निर्णय लेने का आश्वासन दिया था। बैठक में विधायक श्रीमती श्वेता सिंह, निदेशक उद्योग, निदेशक भूमि अभिलेख, प्रबंध निदेशक जियाडा, उपायुक्त बोकारो और नगर प्रशासन के अधिकारियों के साथ बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक भी उपस्थित थे। मंत्री श्री यादव ने बैठक में सेल द्वारा भूमि मूल्यांकन में की गई अनियमितता और अव्यावहारिक दर निर्धारण पर कड़ी आपत्ति दर्ज की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा- स्टील सेक्रेटरी से बात कर इसका शीघ्र समाधान निकाला जाएगा। सेल विकास का साक्षी बने, विकास का बाधक नहीं। विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने मंत्री श्री यादव को तत्काल क्रियान्वयन के लिए हृदय से धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी त्वरित कार्यशैली झारखंड के औद्योगिक भविष्य के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि 2021 से भूमि संबंधी जटिलताओं के कारण यह महत्वपूर्ण परियोजना ठहराव में थी, लेकिन आज की बैठक में यह सुनिश्चित हुआ है कि अब किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। मंत्री जी ने भूमि मूल्यांकन को यथार्थपरक बनाने और शीघ्र निर्णय लेने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

विधायक ने बताया कि एक प्रमुख निर्णय यह भी रहा कि बहुत जल्द राज्य सरकार की पूरी टीम दिल्ली जाकर इस्पात मंत्री और इस्पात सचिव से मुलाकात करेगी, ताकि केंद्र स्तर पर भी परियोजना के निष्पादन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़े। उन्होंने जोर दिया कि आईएमसी परियोजना बोकारो में 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष और लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों के द्वार खोलेगी और अब सेल को भी अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। उद्योग मंत्री संजय यादव ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि विकास उनके लिए सर्वोपरि है। उन्होंने विधायक श्वेता सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सदन में इस परियोजना को जिस गंभीरता और तथ्यों के आधार पर उठाया, वह प्रशंसनीय है। मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से आश्वस्त किया कि यह ऐतिहासिक परियोजना जल्द शुरू होगी और तय समय में जमीन पर उतरेगी। उन्होंने कहा- आईएमसी परियोजना राज्य की प्राथमिकता है। केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर समन्वय बनाकर हम इसे धरातल पर उतारेंगे।

बोकारो स्टील प्लांट में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र ने सुरक्षा सर्वप्रथम की मूल भावना को कार्यस्थल की संस्कृति में प्रभावी रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से सुरक्षा जागरूकता अभियानों को और सुदृढ़ किया है। इसी क्रम में शुक्रवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से कुल 89 अधिकारी, कर्मचारी और संविदा कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। सत्र की शुरूआत में सुरक्षा विभाग के सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला और सभी को सुरक्षा शपथ दिलाई। इसके बाद ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक विनीत तिर्की ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्टील प्लांट में गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व को समझाया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी और अपील की कि वे इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाएं, ताकि कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग और ऊर्जा प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को ओएनजीसी का सुरक्षा कवच, यातायात पुलिस को सौंपे 31 अत्याधुनिक बैरिकेड

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। जिला प्रशासन बोकारो की पहल पर सड़क सुरक्षा और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओएनजीसी (सीबीएम परिसम्पत्ति, बोकारो) ने शुक्रवार को बोकारो यातायात पुलिस को 31 अत्याधुनिक बैरिकेड का हस्तांतरण किया। ओएनजीसी द्वारा किया गया यह योगदान सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। यह कार्यक्रम हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग द्वारा संचालित किया गया। इस अवसर पर बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने में ओएनजीसी के इस सक्रिय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में ओएनजीसी सीबीएम परिसम्पत्ति प्रबंधक टी आर उन्नीकृष्णन नायर, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज तथा यातायात डीएसपी विद्याशंकर शामिल थे। ओएनजीसी सीबीएम एसेट, बोकारो के एसेट मैनेजर टी.आर. उन्नीकृष्णन नायर ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि एक गंभीर मुद्दा है और इसे रोकना समाज में हर किसी की सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री नायर ने स्पष्ट किया कि ओएनजीसी एक ऊर्जा उत्पादक होने के साथ-साथ, अपने परिचालन क्षेत्र के समुदायों के प्रति पूरी तरह से समर्पित है और ये बैरिकेड्स बोकारो में यातायात व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उनका एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करने और सड़क दुर्घटनाओं की दर को न्यूनतम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का संचालन नरेश ठाकुर, सचिव, हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग ने किया। इस मौके पर संस्था के कोषाध्यक्ष संजय गोप, निशिकांत सिंह, सुरेन्द्र कुमार तथा यातायात पुलिस के कई पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारी भी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम के साक्षी बने, जिनमें परिसम्पत्ति राजभाषा पदाधिकारी शशि कुमार और रामबहाल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ शामिल थे।

स्वदेशी आंदोलन के अमर प्रतीक बाबू गेणू सैद का मनाया बलिदान दिवस

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में, जब भारत ब्रिटिश दमन से जूझ रहा था, तब स्वदेशी आंदोलन को अपनी वीरता और बलिदान से अमर करने वाले मजदूर बाबू गेणू सैद का बलिदान दिवस आज स्वदेशी जागरण मंच, बोकारो द्वारा नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पर मनाया गया।

मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबू गेनू का व्यक्तित्व भले ही चाटुकार इतिहासकारों के कारण इतिहास में विस्तृत रूप से दर्ज न हो, लेकिन उनका बलिदान उन्हें स्वदेशी आंदोलन का अमर प्रतीक बनाता है। उन्होंने न केवल ब्रिटिश आर्थिक उत्पीड़न का विरोध किया, बल्कि आम जनता को स्वदेशी वस्त्रों और उत्पादों के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मंच के सह प्रांत मेला सह प्रमुख अजय सिंह ने उस ऐतिहासिक घटना का स्मरण कराया। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश शासन द्वारा भारतीय उद्योगों को कमजोर करने के लिए विदेशी कपड़े भारत लाए जाते थे।

इसी आर्थिक शोषण के खिलाफ बाबू गेनू ने सक्रिय विरोध किया। 12 दिसंबर 1930 को मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में बाबू गेनू ने साहस दिखाते हुए एक लोरी को रोकने का प्रयास किया, जो विदेशी कपड़े बॉम्बे के बंदरगाह से बाजार में बिक्री के लिए ले जा रही थी। उनके इस साहसिक प्रयास के दौरान ब्रिटिश पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी-गोली चलाई और लोरी से कुचल दिए जाने पर बाबू गेनू शहीद हो गए। उनका यह बलिदान स्वदेशी आंदोलन के लिए प्रेरणा का एक अविस्मरणीय स्रोत बन गया। बलिदान दिवस कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र सिंह, प्रांत संपर्क प्रमुख अजय कुमार चौधरी, प्रांत के सह मेला प्रमुख अजय कुमार सिंह सहित काफी संख्या में कार्यकताओं ने शहीद बाबू गेनू को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बोलेरो और ट्रैक्टर के भीषण टक्कर में चार लोग घायल

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। गोमिया थाना क्षेत्र के होसिर मुख्य सड़क स्थित ओएनजीसी बीके 41 प्लांट के समीप शुक्रवार की सुबह एक बोलेरो और ट्रैक्टर के बीच सीधी टक्कर हो गई, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल मौके से हटाकर एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के संबंध में बताया जाता है कि आकाश कंपनी का बोलेरो (डब्ल्यूबी 40 एक्स-6884) ओएनजीसी प्लांट की ओर जा रहा था। इसी दौरान बोकारो नदी से बालू उठाव कर आ रहे ट्रैक्टर से उसकी सीधी टक्कर हो गई, जिसके परिणामस्वरूप ट्रैक्टर पलट गया। बताया गया है कि दुर्घटना के वक्त ट्रैक्टर में सियारी गांव का चालक और एक मजदूर मौजूद थे, जबकि बोलेरो में खुदगड्डा गांव निवासी चालक दिलीप प्रजापति और एक अधिकारी सवार थे। बोलेरो चालक दिलीप प्रजापति को पेट में चोट लगी है और उसका इलाज बोकारो में चल रहा है, जबकि अधिकारी के पैर में चोट आई है और उनका भी उपचार जारी है। इस बीच, घटना के तुरंत बाद ही बालू कारोबारी बालू लदे ट्रॉली से बालू अनलोड कर फरार हो गए। चूंकि ट्रैक्टर के इंजन का चैंबर फट गया था, इसलिए वे उसे नहीं ले जा सके। गोमिया थाना पुलिस के थोड़ी देर बाद पहुंचने पर उन्होंने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

14 से शुरू होगा सांसद खेल महोत्सव, जिले भर के खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह

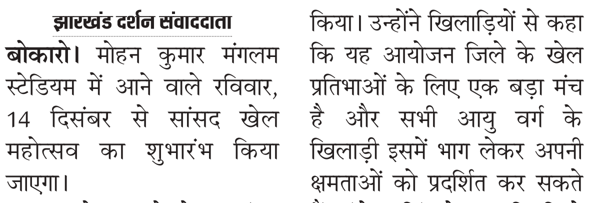

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में आने वाले रविवार, 14 दिसंबर से सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा।

इस महोत्सव को लेकर सांसद प्रतिनिधि एंजेला सिंह तथा विभिन्न खेल संघों द्वारा जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। महोत्सव से पहले शुक्रवार को एंजेला सिंह सेक्टर 3 स्थित बास्केटबॉल मैदान पहुंचीं और वहां अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि यह आयोजन जिले के खेल प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा मंच है और सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी इसमें भाग लेकर अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित कर सकते हैं। एंजेला सिंह ने कहा कि जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में खिलाड़ी इस आयोजन में पहुंचेंगे और यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों में ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाएगी।

अवैध शराब के मिनी फैक्ट्री के सरगना को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा गया

बोकारो। बोकारो में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसते हुए, चीराचास थाना पुलिस ने नंदुआस्थान में अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री चलाने वाले मुख्य सरगना गोपाल सिंह को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया है। आरोपी गोपाल सिंह चास के यदुवंश नगर का निवासी है। इस गिरफ्तारी के संबंध में थाना प्रभारी पुष्प राज ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते दो नवंबर को नंदुआस्थान स्थित एक किराए के मकान में चल रही इस अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री पर पुलिस ने छापेमारी की थी। उस समय छापेमारी में लाखों रुपए की शराब बरामद की गई थी, साथ ही शराब की तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली करीब 13 लग्जरी गाड़ियां भी जब्त की गई थीं।

बोकारो स्टील प्लांट के हॉट स्ट्रिप मिल ने पूरे किए 50 स्वर्णिम वर्ष

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के हृदय स्थल हॉट स्ट्रिप मिल ने 12 दिसंबर 2025 को अपने स्थापना के 50 वर्षों का गौरवपूर्ण और शानदार सफर पूरा कर लिया। देश की औद्योगिक प्रगति में पांच दशकों से निर्णायक भूमिका निभा रही इस मिल की स्वर्ण जयंती के अवसर पर एचएसएम परिसर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बीएसएल के शीर्ष नेतृत्व ने टीम की उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना की। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन और अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) अनूप कुमार दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) पी. के. वर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में संविदा कर्मी भी मौजूद थे। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) पी. के. वर्मा के स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने सभी को इस महान उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। मुख्य अतिथि प्रिय रंजन ने हॉट स्ट्रिप मिल समूह को केक काटकर विशेष बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एचएसएम के 50 वर्षीय गौरवशाली सफर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसकी निरंतर प्रगति, उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता और उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धियों के लिए संपूर्ण एचएसएम टीम की जमकर सराहना की।

श्री रंजन ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले पांच दशकों से हॉट स्ट्रिप मिल, बोकारो स्टील प्लांट की उत्पादन गतिविधियों का एक मजबूत और अत्यंत महत्वपूर्ण आधार स्तंभ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मिल ने न केवल उच्च गुणवत्ता वाले फ्लैट उत्पादों के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई है, बल्कि देश की औद्योगिक एवं अवसंरचनात्मक विकास आवश्यकताओं की पूर्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) अनूप कुमार दत्त ने इस उपलब्धि को समर्पित टीमवर्क, सतत नवाचार, तकनीकी दक्षता और कर्मियों की दृढ़ प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। उन्होंने एचएसएम की पूरी टीम को भविष्य में सुरक्षा, गुणवत्ता, उत्पादकता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति निरंतर संकल्प बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित किया। अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी टीम एचएसएम को स्वर्ण जयंती की हार्दिक बधाई दी और आगामी वर्षों में नई उपलब्धियों एवं सतत प्रगति के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट के हॉट स्ट्रिप मिल का कमिशनिंग 12 दिसंबर 1975 को किया गया था। तब से यह इकाई निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पांच दशकों से देश की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। यह स्वर्ण जयंती न केवल एक मील का पत्थर है, बल्कि भविष्य में और बड़ी उपलब्धियों के लिए एक प्रेरणा भी है।

अदावा जमा निस्तारण हेतु डीएफएस और आरबीआई की ओर से जागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। वित्तीय सेवाएं विभाग, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में अदावा जमा से संबंधित जागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य उन खाताधारकों या उनके परिजनों को सहायता उपलब्ध कराना था जिनके बैंक खातों में वर्षों से बिना दावा की गई राशि लंबित है या जिनका दावा किसी कारणवश निस्तारित नहीं हो पाया है। शिविर का उद्घाटन उपायुक्त कीर्ति श्री ने किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, बैंक ऑफ इंडिया हजारीबाग के आंचलिक प्रबंधक नरेंद्र कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक अहसन अहमद, नाबार्ड के डीडीएम, जेएसएलपीएस प्रतिनिधि तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को बचत और चालू खाते, सावधि जमा, आवर्ती जमा तथा निष्क्रिय पड़े बैंक खातों से संबंधित प्रक्रियाओं की बारिकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आरबीआई के उद्गम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन खोज और दावा पंजीकरण की सरल प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

शिविर में कई अदावा मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि अन्य दावों को शीघ्र कार्रवाई के लिए संबंधित बैंक शाखाओं को भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार जिले के सभी बैंकों में कुल 92,430 खाते अदावा श्रेणी में दर्ज थे, जिनमें लगभग 34.20 करोड़ रुपये की राशि वर्षों से लंबित थी। बैंकिंग संस्थानों के लगातार प्रयासों से अब तक लगभग 3.32 करोड़ रुपये की अदावा राशि वास्तविक लाभुकों को वापस की जा चुकी है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, दिवंगत खाताधारकों के परिजनों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और अदावा जमा से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

अंत में आरबीआई अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे समय-समय पर अपने बैंक खातों की जांच करें और अदावा जमा से संबंधित जानकारी के लिए उद्गम पोर्टल का नियमित उपयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय गणित सेमिनार रांची में वीडियो डॉक्युमेंट्री प्रस्तुति के लिए बेरमो के बीबी विश्वकर्मा पुरस्कृत

बेरमो। जेसीइआरटी सभागार रांची में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय गणित सेमिनार में शुक्रवार को बेरमो के करगली बाजार निवासी राजकीयकृत मध्य विद्यालय जरीडीह बस्ती के सहायक शिक्षक बिनोद बिहारी विश्वकर्मा के बेहतर प्रदर्शन पर सम्मानित कर प्रमाण पत्र दिया गया। यह प्रमाण पत्र जेसीईआरटी रांची के निदेशक शशि रंजन व उप निदेशक बिंध्याचल पांडेय ने दिया। सहायक शिक्षक श्री विश्वकर्मा ने बताया कि 11 व 12 दिसंबर को झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, डयट परिसर, काठीटांड रातू रांची में आयोजित राष्ट्रीय गणित सेमिनार-2025 में भाग लेने का हमें अवसर मिला। जिसमें सीखने के नये आयाम, गणित के साथ विषय पर एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत हमने किया। हमारे वीडियों को जेसीईआरटी के पदाधिकारियों ने देखकर काफी प्रशंसा की और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बताया कि सेमिनार में देश भर के प्रतिभागी शामिल हुए। श्री विश्वकर्मा ने वीडियो डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से गणित शिक्षण में नवाचार, अन्वेषण व शोध की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने गणित में नवाचार पर और ध्यान देने की बात कही।

विस्थापितों को सुविधाएं देना सीसीएल का कर्त्तव्य : कैलाश ठाकुर

बेरमो। हिन्द मजदूर किसान यूनियन के ढोरी क्षेत्रीय अध्यक्ष सह विस्थापित नेता कैलाश ठाकुर ने सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक निलेंदू कुमार सिंह से दरभंगा हाउस रांची में मुलाकात करते हुए विस्थापितों एवं कोयला मजदूरों के संबंध में चर्चा की। श्री ठाकुर ने बताया कि पेप कार्ड और सीएसआर के होनेवाले कार्यों में तेजी लाने की जरुरत है। पेप कार्ड बनाकर स्वास्थय एवं रोजगार से जोड़कर विकसित किया जा सकेगा। सर्दियों में जरुरतमंद लोगों को कंबल सीएसआर के मांध्यम से दिया जा सकता है। महिलाओं के समुह को प्रशिक्षित करते हुए रोजगार तैयार किया जा सकता है। इन विषयों पर श्री सिंह ने कहा कि सीसीएल कंपनी की प्राथमिकता है। जो भी विस्थापित परिवार के लोग हैं उन्हें हर प्रकार की सुविधाएं एवं रोजगार देने के लिए अनेकों योजनाओं के मांध्यम से विभिन्न योजनाएं कंपनी चला रही है। जिसका हर महीने आकलन होता है। कंपनी में सभी विभागों की जिम्मेवारी सुनिश्चित है। सभी को अपने दायित्वों को करना ही होता है। कोयला उत्पादन करना हमारी पहली प्राथमिकता है। लेकिन कंपनी की हर योजनाओं को धरातल में उतारना हमारा दायित्व है, जिसे सभी क्षेत्रों को निर्देशित किया गया है।

चतरा पुलिस ने 3 एकड़ में हो रही अवैध अफीम की खेती नष्ट की

चतरा। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिले में अवैध अफीम की खेती उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुंदा थाना क्षेत्र के भैंसमारा गांव में दो एकड़ तथा राजपुर थाना क्षेत्र के केन्दुआ सहुर गांव में एक एकड़ भूमि पर की जा रही अवैध अफीम की खेती को शुरूआती अवस्था में ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस अब इस अवैध गतिविधि में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर रही है और उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। चतरा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में अवैध अफीम की खेती न करें तथा ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस का कहना है कि अवैध नशीली फसलों का उन्मूलन समाज और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए जिले भर में लगातार अभियान जारी रहेगा।

सीसीएल अंतर क्षेत्रीय नौ दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूनार्मेंट के पांचवें दिन भी हुए दो मैच

बेरमो। बिनोद बिहारी महतो फुटबॉल ग्राउंड करगली में बीएंडके क्षेत्र द्वारा सीसीएल अंतर क्षेत्रीय नौ दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूनामेंट के पांचवें दिन शुक्रवार को सीसीएल बीएंडके व अरगड्डा की टीम बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी जीत दर्ज कर नंबर वन एवं नंबर दो के स्थान पर बनी हुई है। पहले मुकाबले में सीसीएल बीएंडके एरिया की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी एनके एरिया को रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से पराजित कर जीत के सिलसिला को बरकरार रखा।

गिरिडीह में नगर निगम व यातायात पुलिस की सख़्त कार्रवाई, अतिक्रमण के खिलाफ दूसरे दिन भी अभियान जारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर को जाम से निजात दिलाने के उद्देश्य से लगातार दूसरे दिन भी अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। नेताजी चौक, अंबेडकर चौक, टावर चौक से लेकर कालीबाड़ी तक सघन कार्रवाई की गई। इस अभियान का नेतृत्व नगर प्रबंधक विपिन विमल टोप्पो और यातायात इंस्पेक्टर दुग्गन टोपनो कर रहे थे। फोर लेन सड़क के किनारे अवैध रूप से खड़ी गाड़ियों का चालान काटा गया, जबकि कई वाहन चालकों को चेतावनी देकर भविष्य में सड़क किनारे पार्किंग न करने की सख्त हिदायत दी गई।

ठेला लगाकर सड़क किनारे दुकान सजाने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी गई कि दोबारा ऐसा करने पर कार्रवाई तय है। अधिकारियों ने बताया कि फोर लेन बनने के बाद भी दोनों ओर वाहनों के खड़े रहने से आम लोगों को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा था।

वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अब इस अभियान को और तेज किया गया है। नगर प्रबंधक ने कहा कि जल्द ही सड़क किनारे डिमार्केशन कर निर्धारित स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। यातायात इंस्पेक्टर दुग्गन टोपनो ने लोगों से अपील की कि सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े कर यातायात बाधित न करें। अभियान में शिवम कुमार, रवि वर्मा, निशांत वर्मा, अमित राय, प्रशांत कुमार, कपिल मोदी, छोटू रविदास सहित सहायक पुलिस कर्मी शुभम कुमार रामप्रसाद और कई पुलिस जवान शामिल रहे। अधिकारियों ने साफ कहा कि शहर को जाम मुक्त रखने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

तेनुघाट में राष्ट्रीय लोक अदालत आज

तेनुघाट। सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं प्रधान जिला जज सह सत्र न्यायाधीश बोकारो के निदेर्शानुसार 13 दिसंबर को व्यवहार न्यायालय तेनुघाट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल निष्पादन के लिए 3 बेंच का गठन किया गया है। पहले बेंच पर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी एवं अधिवक्ता पांडव कुमार पांडेय, दूसरे बेंच पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय और अधिवक्ता पुष्पा हंस तथा तीसरे बेंच पर एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल एवं अधिवक्ता नीरज कुमार मौजूद रहेंगे। उक्त जानकारी बेरमो अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह व्यवहार न्यायालय तेनुघाट के एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने दी। एसडीजेएम अग्रवाल ने बताया कि यहां आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अब तक कई मामलों का निष्पादन किया गया है।

हंटरगंज में एंटी क्राइम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस का वाहन चेकिंग अभियान

झारखंड दर्शन संवाददाता

हंटरगंज। चतरा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हंटरगंज थाना पुलिस ने शुक्रवार को थाना गेट के समीप एंटी क्राइम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में हुए इस अभियान में दोपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात, डिक्की और आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई। हेलमेट नहीं पहनने वाले चालकों को फटकार लगाई गई और उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। आवश्यक मामलों को चालान के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी को भेजा गया। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा तथा अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से ऐसे वाहन चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के दौरान कई बाइक चालक रास्ता बदलकर जांच से बचने की कोशिश करते भी देखे गए। यह अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाने के पूरे क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में आयोजित किया गया। जांच में एएसआई अजय कुमार महतो तथा थाना पुलिस बल के जवान शामिल थे।

इटखोरी के महाने नदी तट पर फर्जी बंदोबस्ती कर कराए जा रहे निर्माण पर सख्ती

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। इटखोरी प्रखंड के महाने नदी तट पर कथित फर्जी बंदोबस्ती कर अवैध रूप से कराए जा रहे चाहरदीवारी निर्माण के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार किया है। इसी संदर्भ में उपायुक्त कीर्ति श्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें फर्जी तरीके से की गई बंदोबस्ती की जांच कर उसे फॉर-एच के तहत तत्काल रद्द करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अवैध बंदोबस्ती से संबंधित जमाबंदी और रसीद निर्गमन पर भी रोक लगाने का आदेश दिया गया। उपायुक्त ने यह स्पष्ट किया कि महाने नदी तट पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा अगर कोई पदाधिकारी या कर्मचारी इस अनियमितता में शामिल पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि मामले के संज्ञान में आने पर पहले ही एक जांच टीम का गठन किया गया था, और उसके प्रतिवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई हेतु यह निर्णय लिया गया है। बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी राज, चतरा अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, इटखोरी की अंचल अधिकारी सविता सिंह, संबंधित अमीन, राजस्व उप-निरीक्षक तथा कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने कहा कि सरकारी भूमि और नदी तटों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा अवैध कब्जा या अनियमित बंदोबस्ती के किसी भी प्रयास को कड़ाई से रोका जाएगा।

पांच वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, परिवार में छाया मातम

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। पचम्बा थाना क्षेत्र के मोसफडीह में पांच वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मोसफडीह निवासी राजन कुमार वर्मा के पुत्र ऋषि कुमार के रूप में हुई है। बच्चे की मां ममता देवी ने इस मौत को साधारण घटना मानने से इनकार करते हुए पति और ससुराल वालों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कुछ दिन पूर्व पति से विवाद के बाद वह बच्चों को लेकर मायके मधवा चली गई थीं, लेकिन आरोप है कि पति राजन वर्मा बच्चों को जबरन वापस मोसफडीह ले आया। ममता देवी का आरोप है कि उनसे बदला लेने के लिए पति ने यह अमानवीय कदम उठाया। वहीं बच्चे की दादी का दावा है कि ऋषि रात में ठंड लगने की शिकायत कर रहा था, जिसके बाद उन्होंने उसे तेल लगाया और वह सो गया, लेकिन सुबह उठाने पर वह मृत पाया गया। जानकारी मिलते ही पचम्बा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। स्थानीय लोगों ने इस हृदय विदारक घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

एकलव्य विद्यालय कुंदा में लीगल लिटरेसी क्लासेस पर जागरूकता शिविर आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

कुंदा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा के निदेर्शानुसार एकलव्य विद्यालय, कुंदा में लीगल लिटरेसी क्लासेस के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी और कानूनी जागरूकता की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

अधिकार मित्र अमलेश कुमार यादव, संजय चौधरी, किरण देवी, अजित कुमार और मुन्ना दास ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को स्वच्छ और ताजा भोजन ग्रहण करने, बाहर के अस्वच्छ भोजन से बचने तथा स्वच्छता और स्वास्थ्य को जीवन का मूल आधार बनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार महतो, शिक्षक रवि कुमार महतो सहित विद्यालय के अनेक बच्चे उपस्थित थे। जागरूकता शिविर का उद्देश्य बच्चों को कानूनी जानकारी के साथ-साथ स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति सचेत बनाना था, जो कार्यक्रम के दौरान सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

बेरमो | बीएमएस ने गेनू सैद के बलिदान दिवस पर मनाया स्वदेशी दिवस

स्वदेशी आंदोलन के पहले वीर शहीद गेनू सैद को दी गई श्रद्धांजलि

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ, ढोरी क्षेत्र द्वारा शुक्रवार को स्वदेशी आंदोलन के अग्रदूत और प्रथम वीर शहीद गेनू सैद के बलिदान दिवस पर स्वदेशी दिवस बड़े ही सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने गेनू सैद के देशभक्ति, साहस और आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।

मुख्य अतिथि और अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के कार्य समिति सह पेंशन सेल सदस्य रवींद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि भामसं पूरे देश में हर वर्ष 12 दिसंबर को गेनू सैद की शहादत को नमन करते हुए स्वदेशी दिवस मनाता है।

उन्होंने बताया कि पुणे जिले के महानगुले ग्राम में 1 जनवरी 1908 को जन्में गेनू सैद ने महात्मा गांधी के स्वदेशी सत्याग्रह आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार करते हुए उन्होंने विरोध स्वरूप विदेशी कपड़ों की होली जलाई और स्वदेशी को बढ़ावा दिया। मात्र 22 वर्ष की आयु में 12 दिसंबर 1930 को वे स्वदेशी आंदोलन में वीरगति को प्राप्त हुए। वे स्वदेशी आंदोलन में बलिदान देने वाले पहले व्यक्ति माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि गेनू सैद की शिक्षा भले ही चौथी कक्षा तक सीमित थी, लेकिन उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल थी। उनके शिक्षक गोपीनाथ पंत ने उन्हें भारतीय इतिहास और साहित्य से परिचित कराया, जिसमें रामायण, महाभारत और छत्रपति शिवाजी की वीरगाथाएं शामिल थीं।

यही प्रेरणा आगे चलकर उनके बलिदानी स्वभाव का आधार बनी।

कार्यक्रम में वक्ता विनय कुमार सिंह ने कहा कि ढोरी क्षेत्रीय कार्यालय में स्वदेशी दिवस मनाकर संगठन ने इस वीर सपूत के बलिदान को याद किया और स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया।

कहा कि गेनू सैद का त्याग, निष्ठा और देशप्रेम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। वे कम पढ़े-लिखे होने के बावजूद देश के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वाले आदर्श युवा थे।

इस मौके पर बीएमएस के बोकारो जिला संगठन मंत्री संत सिंह, सीसीएल सीकेएस के मंत्री कुलदीप, अध्यक्ष हीरालाल रविदास, निरंजन वर्मा, शाहनवाज खान, राजेश पासवान, बीरेंद्र गुप्ता, फूलचंद किस्कू, अजय सिंह, फूली गोप, मनोज कुमार, भोला राम, कौशलेंद्र, कुंडा सिंह समेत कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम देशभक्ति गीतों और स्वदेशी संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

समाजसेवी स्व. भोला रविदास की पुण्यतिथि पर तीन दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। फुसरो नगर परिषद के वार्ड न. 20 स्थित ढोरी बस्ती भोला नगर में शुक्रवार को नवयुवक संघ द्वारा समाजसेवी स्व० भोला रविदास की 30 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 10 से 15 वर्ष के बच्चों के बीच तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष जगरनाथ राम, मंडल के महामंत्री रमेश स्वर्णकार आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। संघ के लोगों ने बताया की आज बोरा रेस 10 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए, 14 दिसंबर को जलेबी रेस एवं विजेता होने वाले बच्चों को 15 दिसंबर की देर शाम में विजेता, उपविजेता व प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण किया जायेगा। उसी दिन स्व० भोला रविदास की 30 वीं पुण्यतिथि मनाया जायेगा एवं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में भुवनेश्वर रविदास, मथुरा रविदास, बलदेव रविदास, सुंदर रविदास, उमेश रविदास, अशोक कुमार दास, प्रदीप कुमार दास, सोनू कुमार दास, राजन कुमार दास, सुमित कुमार दास, सुभाष कुमार दास, गोलू कुमार दास, धर्मदास कुमार दास, भानु, विशाल, पवन, निक्की, रिंकू रविदास, करण कुमार, सागर कुमार, साहिल कुमार, जानू देवी, यशोदा देवी, कमली देवी, रेशमा, राखी, पायल, किरण, ललित, मुस्कान आदि लगे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, सड़क जाम से मिलेगी बड़ी राहत, व्यापारियों ने किया जमकर विरोध

धनबाद। हीरापुर में वर्षों से बदहाल यातायात व्यवस्था और लगातार बढ़ते अतिक्रमण पर कड़ा कदम उठाते हुए धनबाद नगर निगम ने शुक्रवार को दूसरा बड़ा अभियान चलाया। सुबह होते ही निगम की संयुक्त टीम हीरापुर पार्क मार्केट रोड पर पहुंची और बिना किसी देरी के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई प्रारंभ होते ही व्यापारियों एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों ने विरोध जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति भी बनी रही, लेकिन निगम की टीम पूरी तैयारी के साथ डटी रही और विरोध के बावजूद अभियान को बिना रुकावट जारी रखा। निगम ने पार्क मार्केट ग्राउंड में पहले दिन तीन अवैध दुकानों को ध्वस्त किया था। उसी क्रम में आज सड़क पर फैले अतिक्रमण ठेले, फुटपाथ पर बनी अवैध दुकानें, गलत तरीके से खड़े वाहन और सड़क पर निकाले गए लोहे-टिन के शेड पर बुलडोजर चलाया गया। टीम ने कई ठेलों को जब्त किया और वाहनों को हटवाकर सड़क को सुगम बनाया। निगम के अधिकारियों ने दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो भारी जुमार्ना, सामान की जब्ती और कानूनी कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाएगी। हीरापुर की आम जनता इस अभियान को राहत भरा कदम मान रही है, क्योंकि यह सड़क लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रही थी। वहीं व्यापारियों में नाराजगी और असंतोष का माहौल बना हुआ है। नगर निगम का यह अभियान धनबाद में अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और सबसे कड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जिससे आने वाले दिनों में शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने की उम्मीद है।

ग्रामीण रैयत विस्थापित संघर्ष समिति और प्रबंधन की अहम बैठक संपन्न

तिसरा। झरिया बलियापुर मुख्य सड़क की दयनीय स्थिति और उससे उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर नार्थ तिसरा परियोजना प्रबंधन और ग्रामीण रैयत विस्थापित संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत और अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने सड़क पर बढ़ते भूस्खलन के खतरे, दिनोदिन बिगड़ती आवाजाही की स्थिति, धूल से आम जनता के हो रहे परेशानियों तथा सड़क किनारे रोशनी की समुचित व्यवस्था की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को जोरदार तरीके से उठाया। परियोजना पदाधिकारी संजीव कश्यप ने समिति की सभी चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि मुख्य सड़क पर प्रतिदिन दो बार नियमित जल छिड़काव कराया जाएगा, ताकि धूल की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। साथ ही कुजामा स्थित झरियाझबलियापुर मुख्य सड़क पर चल रहे मरम्मत कार्य को 15 जनवरी 2026 तक हर हाल में पूरा कराने की बात भी कही। बैठक में संघर्ष समिति की ओर से प्रभाष प्रसाद सिंह, कन्हैया लाल सिंह, हराधन मोदक, पशुपतिनाथ देव, बसंत ठाकुर, हीरालाल गोराई, हराधन महतो, नरेश महतो, शैलेन्द्र सिंह, संतोष मोदक, विश्वामित्र महतो, अमृत महतो, श्रीराम गोराई, उमा महतो, कालीपद रवानी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और क्षेत्र की समस्याओं को सामूहिक रूप से प्रबंधन के समक्ष रखा।

बरारी कोलियरी में खुशी की लहर, कपिल राय बने नए शाखा अध्यक्ष, मजदूरों ने स्वागत किया फैसले का

तिसरा। राकोमयु के लोदना क्षेत्रीय सचिव सुनील राय की अनुशंसा पर संघ के महामंत्री ए० के० झा ने कपिल राय को बरारी कोलियरी का नया शाखा अध्यक्ष मनोनीत कर दिया है। कपिल राय की नियुक्ति के बाद बरारी कोलियरी के मजदूरों में उत्साह और खुशी का माहौल बन गया है। मजदूरों ने इसे संगठन की मजबूती और श्रमिक हितों के संरक्षण की दिशा में उठाया गया सकारात्मक कदम बताया है। कपिल राय के शाखा अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई देने वालों की लंबी कतार देखी गई, जिसमें महिपाल सिंह, बीरेंद्र पासी, बीरेंद्र यादव, रमेश रवानी, बसंत भुइयां, अनुराग राय, मुकेश शॉ, राजीव, तेजा बेलदार, शैलेन्द्र सिंह, संतोष मोदक, अनिल सिंह सहित अनेक मजदूर और कार्यकर्ता शामिल रहे।

धनबाद में सैनिक स्कूल खोलने की मांग को लेकर सांसद ने की रक्षा राज्य मंत्री से मुलाकात

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद के विकास को नई गति देने और क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान सांसद महतो ने धनबाद में सैनिक विद्यालय की स्थापना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि धनबाद भले ही कोयला क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है, लेकिन यहां के युवाओं में देशसेवा का जज्बा कूट-कूट कर भरा हुआ है। वर्षों से यहां के युवा सेना, अर्धसैनिक बलों और अन्य रक्षा सेवाओं में शामिल होकर देश की सुरक्षा में योगदान देते आए हैं। उन्होंने रक्षा राज्य मंत्री से आग्रह किया कि धनबाद में सैनिक स्कूल की स्थापना होने से न केवल युवाओं को गुणवत्तापूर्ण सैन्य शिक्षा मिलेगी, बल्कि उनके भीतर अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति की भावना भी और मजबूत होगी। इससे क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और उनकी योग्यता को सही दिशा मिल सकेगी। मुलाकात के दौरान सांसद महतो ने धनबाद संसदीय क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, आवश्यक परियोजनाओं और स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा की, लेकिन सैनिक स्कूल की स्थापना का मुद्दा वार्ता का केंद्र बना रहा। उन्होंने कहा कि धनबाद रणनीतिक रूप से भी एक महत्वपूर्ण जिला है, जहां सैनिक स्कूल जैसी संस्था की स्थापना से जिले के शैक्षणिक और सामाजिक विकास को नई पहचान मिलेगी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सांसद की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और इस संबंध में सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि धनबाद जैसे महत्वपूर्ण जिले के लिए ऐसी पहल निश्चित रूप से युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली होगी।

धनबाद का गौरव अभिषेक कुमार, इंडियन आइडल सीजन 16 में चमकी प्रतिभा

असर्फी हॉस्पिटल के सीईओ ने पिता को किया सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर गर्व के साथ गूंज रहा है। इंडियन आइडल सीजन 16 में टॉप 16 में चयनित होकर धनबाद के युवा गायक अभिषेक कुमार ने अपनी मधुर आवाज से पूरे देश का दिल जीत लिया है। अभिषेक की सफलता के पीछे उनके पिता अंजय साह की अथक मेहनत, संघर्ष और समर्पण की कहानी आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। चाट-गुच्चुप का ठेला लगाकर अपने बेटे के सपनों को पंख देने वाले पिता को आज समाज भी सम्मान की दृष्टि से देख रहा है।।असर्फी हॉस्पिटल लिमिटेड के सीईओ हरेंद्र सिंह से मुलाकात के दौरान अभिषेक के पिता अंजय साह को अंगवस्त्र पहनाकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। हरेंद्र सिंह ने कहा कि एक सामान्य परिवार से उठकर राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाना वास्तव में अभिषेक की कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने इसे धनबाद के लिए गर्व का क्षण बताया और अभिषेक की प्रतिभा को समाज की असली पूंजी करार दिया। सिंह ने धनबाद के लोगों से अपील की कि वे अभिषेक कुमार को अधिक से अधिक वोट दें, ताकि वे इंडियन आइडल में और आगे बढ़कर विजेता बनने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा सकें।

बीआईटी सिंदरी में एम.टेक अंतिम शोध प्रबंध प्रस्तुति सम्पन्न

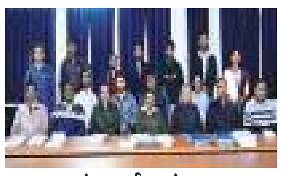

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिंदरी। बीआईटी सिंदरी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सत्र 2023-25 के एम.टेक छात्रों की अंतिम शोध प्रबंध प्रस्तुति गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। विभाग में बाह्य मौखिक परीक्षा के दौरान सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया, जिसे संकाय सदस्यों और बाहरी परीक्षक की ओर से सराहना मिली।

परीक्षा के लिए प्रो० डॉ० एस. के. कश्यप, पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआरझसीआईएमएफआर, बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने छात्रों के शोध की गुणवत्ता, तकनीकी दक्षता तथा शोध कार्यों की औद्योगिक उपयोगिता की विशेष प्रशंसा की। उनके अनुसार, विभाग के युवा शोधार्थी भविष्य में उद्योग और अनुसंधान जगत में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. धनेश्वर महतो के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों प्रो० विजय पांडेय, डॉ० जे० एन० महतो, प्रो० राजन कुमार, डॉ० राजेन कुमार नायक, प्रो० सुनील कुमार, प्रो० एस० के० चौधरी, डॉ० रवि शंकर प्रसाद, डॉ० सोम नाथ साहा, प्रो० प्रभाकर, प्रो० अनिश कुमार, डॉ० ए० के० बर्नवाल और प्रो० संजय ओरांव ने पूरे विवा प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। एम.टेक के सभी छात्रों ने बेहद प्रभावी ढंग से अपने शोध निष्कर्षों को प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति को संतोषजनक और उत्कृष्ट बताते हुए संकाय सदस्यों ने इसे छात्रों के शैक्षणिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया।

झरिया में 17 दिसंबर से शुरू होगा श्री श्याम बाल मंडल का तीन दिवसीय रजत जयंती महोत्सव

झारखंड दर्शन संवाददाता

झरिया। लाल बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर में इस वर्ष श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। श्री श्याम बाल मंडल की ओर से 17 दिसंबर से तीन दिवसीय रजत जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन करने की तैयारी अंतिम चरण में है। तीन दिनों तक झरिया की धरती श्याम प्रभु के भजनों, कीर्तन, दर्शन और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहने वाली है। 17 दिसंबर को महोत्सव का शुभारंभ धनबाद के जोड़ाफाटक स्थित श्री राम मंदिर परिसर से निकलने वाली विशाल और भव्य निशान शोभायात्रा से होगा। झरिया, धनबाद और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा में शामिल होकर श्याम प्रभु के प्रति अपनी आस्था का अद्वितीय प्रदर्शन करेंगे। 18 दिसंबर को महोत्सव के दूसरे दिन 25 वां श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ का आयोजन होगा, जिसमें मेरठ के प्रसिद्ध कथा वाचक अनिल जानी अपने दिव्य स्वर में पाठ का वाचन करेंगे। नृत्य-नाटिका के माध्यम से श्याम लीला के मनोहारी प्रसंगों का सुंदर मंचन भी किया जाएगा।

इसी दिन विविध प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे और भव्य जन्मोत्सव समारोह का आयोजन होगा, जिसमें केक काटकर प्रभु का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। 19 दिसंबर को तीसरे दिन 16 वां सुंदरकांड पाठ आयोजित होगा, जिसका पाठ जयपुर, राजस्थान से पधार रहे महेंद्र स्वामी करेंगे। इस दिन बाला जी महाराज को 108 किलो लड्डू का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा, जो इस महोत्सव का प्रमुख आकर्षण होगा। शाम को होने वाले भजन-कीर्तन में मेरठ के प्रसिद्ध भजन गायक आयुष कंसल और हिसार के युवा गायन कलाकार अभिनव ऐरन अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण में आध्यात्मिक आनंद भर देंगे।

हरिणा कॉलोनी में चोरी, बीसीसीएल की लापरवाही से अधिकारी आवास की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद के बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीसीसीएल हरिणा कोलियरी एरिया-1, ब्लॉक-2 स्थित एक वरिष्ठ अधिकारी के आवास में गुरुवार देर रात चोरी की बड़ी वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने देर रात अधिकारी के घर में घुसकर नकदी, गहने और अन्य कीमती सामान सहित लाखों रुपये का सामान पार कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पीड़ित अधिकारी ने चोरी की जानकारी तुरंत बरोरा थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। शुक्रवार सुबह एरिया -1 और ब्लॉक -2 के दर्जनों अधिकारी एवं कर्मचारी बरोरा थाना पहुंचे और थाना प्रभारी से चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। कर्मचारियों ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि कोलियरी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह लचर है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीसीसीएल प्रबंधन की लापरवाही के कारण आवासीय क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे महीनों से खराब पड़े हैं और सुरक्षा गार्ड भी रात में ठीक से ड्यूटी नहीं करते। इसी कारण अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है और कॉलोनी के अधिकारी व कर्मचारी लगातार असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों का कहना है कि बीसीसीएल के आवासीय इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था रामभरोस चल रही है और यदि कंपनी प्रबंधन ने समय रहते सुरक्षा चाक-चौबंद नहीं की तो ऐसी घटनाएं आगे भी दोहराई जा सकती हैं। चोरी की इस वारदात ने पूरे हरिणा कॉलोनी में दहशत का माहौल बना दिया है और लोग अब अपने घरों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

झरिया में मूलभूत सुविधाओं को लेकर भड़का आक्रोश

ग्रामीणों ने प्रबंधन को दी अंतिम चेतावनी, बड़ा आंदोलन होने की आशंका

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद के झरिया क्षेत्र में पानी, बिजली और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी रोष है। पोथी सेंटर, मुंडा बस्ती, कलाली रोड, हरीपुर सेंटर, नई दिल्ली, ब्राइट कुसुंडा और इंदिरा बस्ती के लोग वर्षों से समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन समाधान न होने की स्थिति में अब आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। लगातार बढ़ती परेशानियों के बीच शुक्रवार को युवा बेरोजगार मंच की पहल पर ग्रामीणों और बस्ता कोला प्रबंधन के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ग्रामीणों ने स्थानीय युवाओं को रोजगार देने, नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल करने, बिजली की समस्या दूर करने और अन्य बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग रखी। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से ये समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं और प्रबंधन द्वारा हर बार सिर्फ आश्वासन देकर मामले को टाल दिया जाता है। बैठक के बाद युवा बेरोजगार मंच के सचिव अभिषेक सिंह उर्फ ढोलक सिंह ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन बार-बार वादाखिलाफी कर रहा है और इस कारण क्षेत्र के लोग अब धैर्य खोते जा रहे हैं।

अभिषेक सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रबंधन इस बार भी अपने वादों को पूरा नहीं करता, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, लेकिन अगर प्रबंधन की ओर से दिए गए आश्वासन पर अमल नहीं हुआ, तो बड़ा जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि विश्वकर्मा प्रोजेक्ट प्रबंधन आपसी भेदभाव पैदा कर लोगों को बांटने की कोशिश कर रहा है, जबकि क्षेत्र में पानी, बिजली और रोजगार जैसी सबसे बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। लगातार बढ़ते असंतोष के बीच क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है और आशंका जताई जा रही है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो झरिया में बड़ा जन आंदोलन खड़ा हो सकता है।

केंदुआडीह गैस रिसाव पर वैज्ञानिक जांच तेज, ड्रोन से हो रहा विस्तृत सर्वेक्षण, हालात गंभीर

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह थाना क्षेत्र में पिछले नौ दिनों से जारी खतरनाक गैस रिसाव ने स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। लगातार बढ़ते गैस के स्तर और इसके स्वास्थ्य पर हो रहे प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए वैज्ञानिक जांच को और तेज कर दिया गया है। गुरुवार को सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई), रांची की विशेष टीम अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक के साथ प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत और सटीक सर्वेक्षण शुरू करने पहुंची। टीम का नेतृत्व भूविज्ञान प्रबंधक भुवनेश कुमार गुप्ता कर रहे हैं। भुवनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि ड्रोन के माध्यम से दो महत्वपूर्ण प्रकार के डेटा एकत्र किए जा रहे हैं। पहला, रिसाव क्षेत्र का तापमान, जो सामान्य परिस्थितियों में 22 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। इसमें किसी भी असामान्य बढ़ोतरी को भू-गर्भीय गतिविधियों या गैस रिसाव का संकेत माना जा रहा है। दूसरा, ड्रोन के जरिए क्षेत्र की आबादी, घरों की संख्या और उनकी भौगोलिक स्थिति का विस्तृत आंकलन किया जा रहा है, ताकि संभावित खतरों वाले इलाकों की सटीक पहचान की जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस सर्वेक्षण को दोबारा भी किया जाएगा ताकि वैज्ञानिक रिपोर्ट पूरी तरह सटीक रहे। रिपोर्ट तैयार होने में 15 से 20 दिनों का समय लग सकता है। वहीं, बीसीसीएल प्रबंधन ने गैस स्तर की दैनिक माप सुनिश्चित करने और इसकी जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं, ताकि स्थानीय लोग भी वास्तविक स्थिति से अवगत रहें। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ० इरफान अंसारी के केंदुआडीह दौरे की संभावना जताई जा रही है। उनके आने से मेडिकल प्रबंधन, स्वास्थ्य जोखिम, राहत कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा में तेजी आएगी। इससे स्थानीय लोगों में राहत और उम्मीद की नई किरण जगी है। नौवें दिन भी गैस का स्तर सामान्य से काफी अधिक बना हुआ है, जिससे प्रशासन और जनता में बेचैनी बढ़ती जा रही है। वैज्ञानिक जांच में तेजी और आधुनिक तकनीकी सहायता से उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही रिसाव के वास्तविक कारणों का पता लगाकर इसे नियंत्रित किया जाएगा। केंदुआडीह के लोग इस गंभीर स्थिति से शीघ्र राहत और पुख्ता सुरक्षा इंतजामों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

शिविर विश्व मानवाधिकार दिवस पर जीवन ज्योति विशेष विद्यालय में आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर

नागरिक अपने कर्तव्यों व सामाजिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकें

अभिभावकों को दी गई महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के विशेष विद्यालय जीवन ज्योति में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डालसा धनबाद के सचिव-सह-अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद विद्यालय की प्राचार्या सुश्री अपर्णा दास ने सभी अभिभावकों एवं अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश द्वारा संविधान प्रदत्त अधिकारों की जानकारी प्रदान किया जाना सभी अभिभावकों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। डॉ० कुमार विमलेन्दु (मुख्य एल.ए.डी.सी.एस., डालसा) ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान ने नागरिकों को अनेक अधिकार प्रदान किए हैं और इनकी जानकारी होना आवश्यक है, ताकि नागरिक अपने कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकें। इसके बाद मुख्य अतिथि श्री मयंक तुषार टोपनो ने दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम, 2016 के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कानून दिव्यांग जनों के सम्मान, अधिकारों और समान अवसरों की गारंटी देता है। इस अधिनियम में दिव्यांगताओं की संख्या 7 से बढ़ाकर 21 कर दी गई है, साथ ही शिक्षा, रोजगार, सुगमता (एक्सेसिबिलिटी), स्वास्थ्य तथा कानूनी संरक्षण के क्षेत्रों में समानता सुनिश्चित की गई है। यह अधिनियम संयुक्त राष्ट्र के दिव्यांगजन अधिकार सम्मेलन के अनुरूप केंद्र एवं राज्य स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन तंत्र स्थापित करता है।

श्री टोपनो ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आम नागरिकों, विशेषकर कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि किसी भी कानूनी समस्या में वे निःसंकोच सहायता लें। उन्होंने जीवन ज्योति विद्यालय द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों के दिव्यांग प्रमाणपत्र, पेंशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं भी न्यायाधीश महोदय के साथ साझा कीं। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के सचिव श्री राजेश परकेरिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा अतिथियों को बच्चों द्वारा बनाए गए आकर्षक बोतल-दीप स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किए। इस अवसर पर डालसा के सचिव-सह-अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो, डॉ० कुमार विमलेन्दु, राजेश परकेरिया, अपर्णा दास, विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

धान अधिप्राप्ति केंद्रों के बीच 4 जी ई-पोस मशीन का वितरण

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर आपूर्ति विभाग द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में धान अधिप्राप्ति केंद्रों (पैक्स) के बीच 4 जी ई-पोस मशीन का वितरण किया गया। खारिज विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति योजना के अंतर्गत जिले के सभी 18 धान अधिप्राप्ति केंद्रों को यह मशीन दिया गया है। नई मशीन की गति अधिक होने के कारण धान अधिप्राप्ति की सभी प्रक्रिया में कम समय लगेगा और भुगतान भी शीघ्र होगा। मौके पर आपूर्ति विभाग के संदीप कुमार, अमित कुमार तथा विजन टेक टेक्निकल के पिंटू कुमार सहित पैक्स के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सुभाषितम्

सन्यास हृदय की एक दशा का नाम है, किसी ऊपरी नियम या वेशभूषा का नहीं। - श्रीमद् भगवदगीता

पोक्सो मामले की बढ़ती लंबितता भारत के समक्ष बढ़ता गंभीर संकट

भारत एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नैतिक मूल्यों वाला देश माना जाता है जहाँ बच्चों को देवतुल्य समझने की परंपरा रही है। किंतु यह अत्यंत पीड़ादायक सत्य है कि आज इसी देश में नाबालिगों के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और उससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन मामलों का निपटारा वर्षों तक अधर में लटका रहता है। पोक्सो यानी लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत तस्वीर पेश करती है। आंकड़े बताते हैं कि देश में पोक्सो के 35 हजार से अधिक मामले वर्षों से लंबित चल रहे हैं और न्याय की प्रक्रिया पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए एक असहनीय इंतजार बन गई है। 2023 तक लंबित मामलों का जो विवरण सामने आया है, वह किसी भी समाज और शासन के लिए चिंता का गंभीर संकेत है। उत्तर प्रदेश में 10,556 मामले लंबित हैं जो देश में सबसे अधिक हैं। महाराष्ट्र 7,962 लंबित मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु में 1,910, मध्यप्रदेश में 1,736, छत्तीसगढ़ में 375 और राजस्थान में 224 मामले अभी भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। बिहार में 1,079, झारखंड में 415, पंजाब में 152, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश दोनों में 101, चंडीगढ़ में 16 और उत्तराखंड में 374 मामलों की लंबितता भी यही सिद्ध करती है कि न्यायिक प्रक्रिया के बोझ ने पीड़ितों के लिए न्याय की राह लंबी और कठिन बना दी है। यह स्थिति बताती है कि देश में पोक्सो कानून का उद्देश्य जितनी तेजी से पूरा होना चाहिए था, उससे बहुत दूर है।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल ने बताया है कि देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं जिनमें से 400 कोर्ट विशेष रूप से पोक्सो मामलों के लिए बनाए गए हैं। इन अदालतों ने अब तक 3.5 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है जो निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन उसके बावजूद हजारों मामले अभी भी अधूरे पड़े हैं। यह दशार्ता है कि केवल अदालतों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। न्याय प्रक्रिया में पुलिस, अभियोजन, मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच, गवाही और साक्ष्य संकलन जैसे कई चरण होते हैं और इनमें होने वाली देरी पोक्सो मामलों की लंबितता को बढ़ाती रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर तीन मिनट में एक बच्चा अपराध का शिकार बनता है और हर आठ मिनट में एक पोक्सो का मामला दर्ज होता है। इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों के भीतर ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है जो सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चेतावनी का इशारा है। 2021 से 2025 के बीच कुल 1,31,692 पोक्सो मामले दर्ज किए गए। वहीं सबसे कम मामले मिजोरम, नागालैंड, लद्दाख और अंडमान निकोबार जैसे क्षेत्रों में सामने आए हैं।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कई मामलों में अपराध की प्रकृति इतनी संवेदनशील होती है कि बच्चे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। उदाहरण के तौर पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया जिसमें कहा गया कि किसी नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ना और उसे पैसे देकर यौन संबंध का प्रस्ताव देना भी पोक्सो एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। यह फैसला यवतमाल जिले की घटना पर आया जिसमें एक 13 वर्षीय बच्ची से आरोपी ने दो बार यौन इरादे से संपर्क किया था। अदालत ने आरोपी को सश्रम कैद की सजा सुनाई। यह फैसला स्पष्ट करता है कि अदालतें कानून की भावना के अनुरूप सख्त दृष्टिकोण अपना रही हैं, लेकिन मामलों की संख्या में निरंतर वृद्धि और उनके निपटारे में देरी स्थिति को गंभीर बनाती जा रही है। लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण पुलिस जांच की धीमी गति, मेडिकल व फोरेंसिक रिपोर्ट में देर, गवाहों का न मिल पाना, पीड़ित परिवारों का दबाव में आ जाना और अदालतों में पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। कई बार परिवार सामाजिक भय के कारण बयान देने से पीछे हट जाते हैं। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती है जहाँ पीड़ितों को न्याय पाने के लिए सामाजिक प्रताड़ना भी सहनी पड़ती है। यह चुनौती केवल कानून और अदालतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक समस्या भी बन चुकी है।

भारत जैसा देश जहाँ माता पिता अपने बच्चों को संस्कारों और नैतिकता की शिक्षा देने पर जोर देते हैं, वहाँ बच्चों के साथ यौन अपराधों की बढ़ती घटनाएँ एक गहरी सामाजिक विडंबना को दर्शाती हैं। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि तेजी से फैलते डिजिटल प्रभाव, अशिक्षा, सामाजिक जागरूकता की कमी, अनियंत्रित ऑनलाइन सामग्री और नकारात्मक सामाजिक प्रभावों के कारण इस प्रकार के अपराध बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर युवा पीढ़ी में पश्चिमी दिखावे और भौतिकवाद की चकाचौंध में पारिवारिक और सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण भी देखा जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि समाज तेजी से आधुनिक तो हो रहा है, लेकिन नैतिकता और चरित्र निर्माण की दिशा में पिछड़ता जा रहा है।

समय आ गया है कि पूरा समाज एकजुट होकर यह संकल्प ले कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। चाहे कानून हो, प्रशासन हो या आम नागरिक, हर व्यक्ति को यह जिम्मेदारी उठानी होगी कि देश की संस्कृति की लाज वही बचा सकता है जो अपने बच्चों की रक्षा कर सके। जब तक पोक्सो के मामलों की लंबितता समाप्त नहीं होती और अपराधों में कमी नहीं आती, तब तक न्याय और सुरक्षा दोनों अधूरे रहेंगे। बच्चों की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा है और यही वह बिंदु है जहाँ भारत को अपनी सांस्कृतिक शक्ति और सामाजिक चेतना को पुनर्जीवित करना होगा।

स्वास्थ्य के अधिकार की लड़ाई

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा और उसकी दिशा तेजी से बदल रही है। चिकित्सा, जो कभी सार्वजनिक दायित्व और कल्याणकारी राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी माना जाता था, अब अधिकाधिक निजी क्षेत्र के हाथों में जाता दिख रहा है। एक ओर, सरकारी स्वास्थ्य ढांचा सीमित बजट, कम मानव संसाधन और कमजोर बुनियादी ढांचे से जूझ रहा है; दूसरी ओर, निजी अस्पतालों और कॉरपोरेट मेडिकल चेन की पहुंच और उसका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों के बीच आम नागरिक, विशेषकर गरीब-ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदाय, स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत और असमान पहुंच के बोझ तले दब रहे हैं।

इसी बदलते परिदृश्य में, यह बहस तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जा सकेगा। यह कानूनी के साथ-साथ राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रश्न भी है। भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है। इसका बड़ा कारण यह है कि राज्य अभी तक ऐसी बाध्यकारी जिम्मेदारी स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है जिसमें हर नागरिक को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है। जब राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं देता, तब स्वाभाविक रूप से रिक्त स्थान निजी क्षेत्र भरता है और यहीं से उत्पन्न होती है अनियंत्रित शुल्क, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ और आम व्यक्ति की आर्थिक तबाही।

निजीकरण के विस्तार का दूसरा पहलू यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन तक सीमित नहीं है; यह स्वास्थ्य नीति, दवाओं की कीमतों, बीमा योजनाओं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। जब स्वास्थ्य एक लाभ आधारित उद्योग में बदल जाता है तब उपचार की प्रकृति, लागत, पहुंच और गुणवत्ता सभी बाजार के नियमों के अधीन हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो हो सकता है पर धरातल पर वह व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाता।

एक और गंभीर समस्या है क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 2010 का कमजोर क्रियान्वयन। जिन राज्यों में यह लागू भी है, वहाँ भी नियमन और पारदर्शिता कमजोर हैं। मरीजों से मनमाना शुल्क, अनावश्यक जाँच की सलाह, महंगे पैकेज और अत्यधिक दरों पर सर्जरी जैसी शिकायतें आम हैं। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब मरीज की ओर से शिकायत या न्याय पाने की व्यवस्था कमजोर और अप्रभावी हो।

इसके साथ ही, भारत में आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर अभी भी कुल स्वास्थ्य व्यय का 40% के आसपास है। यानी मरीजों को अपनी जेब से भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। आयुष्मान भारत जैसी सरकारी बीमा योजनाओं का उद्देश्य भले आर्थिक सुरक्षा देना हो, पर इनके दायरे में आने वाली प्रक्रियाएँ सीमित हैं और निजी अस्पतालों द्वारा इनका उपयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जाता है। बीमा आधारित मॉडल ने स्वास्थ्य खर्च की समस्या को हल नहीं किया है बल्कि कई बार यह निजी क्षेत्र के लिए नया ग्राहक-स्रोत बन गया है।

स्वास्थ्य अधिकार को न्यायिक रूप से लागू करना तभी संभव है जब स्वास्थ्य क्षेत्र का ढांचा मजबूत हो। इसके लिए सबसे पहले जरूरी है कि सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य पर जीडीपी का कम-से-कम 5% खर्च होना चाहिए; जबकि भारत अभी 2% से भी कम खर्च करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किए बिना, विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं की संख्या बढ़ाए बिना, दवाओं और जांचों को सस्ता किए बिना और स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही मजबूत किए बिना, इस अधिकार को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की कोशिशें बेमानी होगी।

दवाओं की ऊँची कीमतें और दवा कंपनियों का प्रभाव, इसमें कोढ़ में खाज जैसी स्थिति पैदा करता है। लगभग 80% दवाएँ अभी भी मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं। जब तक आवश्यक दवाओं पर सख्त मूल्य नियंत्रण नहीं होगा तथा जन औषधि प्रणाली का विस्तार नहीं होगा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार महंगी दवाओं के भार तले दबते रहेंगे।

साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों की स्थितियाँ भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अस्थायी नियुक्तियाँ, कम वेतन, कार्यभार का दबाव- ये सभी कारक चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तभी संभव है जब सरकार मानव संसाधन में उचित निवेश करे।

स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार लंबी अवधि का कार्य है; परंतु इसकी शुरूआत तत्काल बजट बढ़ाने, निजी अस्पतालों को सख्त नियामक दायरे में लाने, दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने से हो सकती है। यह मजबूत स्वस्थ ढांचा की नींव रखेगा।

यह स्वीकार करना चाहिए कि स्वास्थ्य केवल आर्थिक विकास का फल नहीं, मानव गरिमा की बुनियाद है। जब तक इस बुनियाद को समान रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो रहेगा पर जनता के जीवन में नहीं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऊर्जा-संकट से बचने लिए जरूरी है ऊर्जा संरक्षण

गिरीश्वर मिश्र

'ऊर्जा संरक्षण दिवस' (14 दिसंबर) पर विशेष

ऊर्जा के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भौतिक नियम बताता है कि ऊर्जा न पैदा की सकती है न समाप्त; उसका सिर्फ. रूपांतरण ही होता है। मानव जीवन की सारी गतिविधियाँ इस मायावी ऊर्जा पर ही टिकी हुई हैं। ऊर्जा ही अपना रूप बदल-बदल कर हमारी कल्पनाओं को साकार करती है। सामान्यतः अदृश्य-सी रहने वाली ऊर्जा हमारे दृश्य जगत को रचते हुए हर जगह हावी है। ऊर्जा के नए-नए स्रोत खोजे जाते रहे हैं जो आणविक ऊर्जा तक पहुँचे हैं। ईंधन से भोजन बनाने में ही नहीं उसके लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री हम तक पहुचे इसके लिए हर कदम पर जरूरी मशीन, उर्वरक, पानी सबके लिए अलग-अलग तरह से ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। ऐसे ही परिवहन, मौसम से सुरक्षा और वस्तुओं के निर्माण के लिए भी ऊर्जा आवश्यक है।

दरअसल, आधुनिक जीवन शैली, पारिस्थितिकी, प्रदूषण और ऊर्जा के उपयोग के प्रश्न आपस में बुरी तरह से गुँथे हुए हैं। विकास के साथ प्रति व्यक्ति ऊर्जा की माँग बढ़ रही है। समृद्ध देशों में जीवन स्तर को उन्नत रखने के लिए अधिकाधिक ऊर्जा चाहिए, उभरते देशों में कृषि अर्थ व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था की तरफ आगे बढ़ने में भी ऊर्जा चाहिए। परंतु यह भी जरूरी है कि उन 80 प्रतिशत लोगों के साथ मिल कर काम किया जाय जिनके पास केवल एक चौथाई संपत्ति है। ऊर्जा की समस्या वैज्ञानिक, तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कई जटिल समस्याओं का परस्पर गुँथा समूह है।

भारतवर्ष की विशालकाय जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि में तेजी के कारण यहाँ ऊर्जा की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है। आज भारत विश्व में ऊर्जा की खपत की दृष्टि से तीसरे स्थान पर है। परंतु हमारा बुनियादी ढांचा कमजोर पड़ रहा है जिसके चलते बिजली आपूर्ति में बड़ी बाधा पहुँचती है और उसका दुरुपयोग भी होता है। साथ ही देश में ऊर्जा की गरीबी भी बनी हुई है। दुर्बल वर्ग के लोगों को बिजली और अन्य आधुनिक ऊर्जा के संसाधन अभी भी उपलब्ध नहीं हो सके हैं। यह भी गौरतलब है कि जीवाश्म ऊर्जा (फॉसिल फ्यूल) के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव है और वह खतरनाक साबित हो रहा है।

भारत की ऊर्जा मुख्यतया जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, तेल तथा गैस आदि से उपलब्ध होती है। आज देश में बिजली उत्पादन का 70 प्रतिशत कोयले पर टिका है। आयात और घरेलू आपूर्ति में कमी के चलते यह अब बड़ा मंहगा पड़ रहा है। इस पर निर्भरता, ऊर्जा की बढ़ती मांग, अन्य देशों पर निर्भरता, पुराने कि स्म का ढाँचा और नवीकरण की संभावना वाले ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में धीमी गति ने देश के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इनसे ऊर्जा-सुरक्षा, विकास के टिकाऊपन और पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी समस्याएं जन्म ले रही हैं। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में निवेश तो बढ़ा है फिर भी कच्चे तेल और कोयले के आयात के कारण आर्थिक दबाव बहुत ज्यादा बना हुआ है। आज आवश्यकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो और ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय। देश को अपने संसाधनों की खोज बढ़ानी होगी ताकि ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बिजली के ट्रांसमिशन और वितरण के नेटवर्क को अविलंब सुधारना होगा ताकि ऊर्जा चोरी और दुरुपयोग की रोकथाम हो सके।

विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समस्या अगले सौ वर्षों में मानवता की शीर्ष दस समस्याओं में से एक गंभीर समस्या बनेगी। वह मानवता के सम्मुख खड़ी समस्याओं में विकटतम हो रही है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले खाड़ी युद्धों और सद्यः चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में ऊर्जा का प्रश्न भी मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या से ऊर्जा की जरूरतें निरंतर बढ़ रही है। नवीकरणीय ऊर्जा समस्या से निपटने की एक अच्छी युक्ति है। सौर ऊर्जा मानव जाति की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त भी है। इस विशाल ऊर्जा स्रोत का दोहन एक समाधान है। ऊर्जा संरक्षण के प्रश्न पर विचार करते हुए कम खचीर्ले और प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोतों की खोज जारी है। हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा के उपयोग की दिशा में प्रगति हुई है।

ऊर्जा संकट का एक व्यवहारिक पक्ष भी है। इस संकट का समाधान ऊर्जा-संरक्षण के लिए जरूरी अभ्यास की अपेक्षा करता है। आदतों में बदलाव द्वारा ऊर्जा के उपभोग में कमी लाकर ऊर्जा के दुरुपयोग को नियंत्रित और कम किया जा सकता है। इस दृष्टि से विभिन्न कार्यों के लिए कम ऊर्जा की खपत वाली ऊर्जा-सक्षम तकनीकों का अवलंबन भी कारगार साबित होगा। ऐसे कदम उठाने का पर्यावरणीय लाभ भी मिलेगा। ग्रीन हाउस गैस के उत्पादन पर नियंत्रण होगा और दूसरे प्रदूषकों, जो जलवायु-परिवर्तन को तीव्र करते हैं और प्राकृतिक आवास का क्षरण करते हैं उनसे रक्षा भी होगी। इससे घर या व्यापार हर क्षेत्र में खर्चे में कमी आएगी। ऊर्जा संरक्षण के लिए संसाधन-प्रबंधन की सख़्त जरूरत है। हमें वर्तमान ऊर्जा-संसाधनों का विस्तार करना होगा और ऊर्जा-सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। इन सब उपायों से आयातित ऊर्जा पर हमारी निर्भरता घट सकेगी।

वस्तुतः ऊर्जा-संरक्षण का लक्ष्य अपने व्यवहार-बर्ताव में बदलाव तथा विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी के विकास द्वारा पाया जा सकता है। उदाहरण के लिए घर में बिजली का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए। कमरे से बाहर जाते समय ध्यान से स्विच ऑफ कर देने की आदत बिजली बिल में बड़ी बचत ला सकता है। प्राकृतिक प्रकाश का अधिकाधिक उपयोग करना भी प्रभावी उपाय है। ऊर्जा की किफायत वाले एलएडी बल्व लगाने से लगभग 75 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। इसी तरह विभिन्न उपकरणों के उपयोग के तरीकों को भी सुधारना होगा। जब उपकरण को उपयोग में न ला रहे हों तो अनप्लग कर देना, स्वचालित ऑफ होने की व्यवस्था रखना बहुत लाभकर होता है। हीटिंग और कूलिंग के लिए प्रोग्राम वाली थर्मोस्टेट की व्यवस्था महत्वपूर्ण होती है। आज यातायात में भी ऊर्जा की बड़ी खपत होती है। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि कम से कम ड्राइव करें। इसकी जगह पैदल चलना, साइकिल का उपयोग, परिवहन के जन-माध्यम (जैसे- बस, ट्रेन, मेट्रो आदि) का उपयोग बड़ी कारगार पहल हो सकती है। निजी वाहनों का कम से कम उपयोग किया जाना चाहिए। इससे सड़कों पर वाहनों की अतिरिक्त भीड़ जिससे जाम लगता है और प्रदूषण होता है घटेगी। वाहन को अनावश्यक तेज या कम गति से नहीं चलाना चाहिए। इसी दृष्टि से हाइब्रिड, बिजली का वाहन या वह जो कम ईंधन की खपत करता हो आ रहे हैं और लोकप्रिय भी हो रहे हैं।

व्यापार-व्यवसाय का नियमित ऊर्जा आडिट किया जाना चाहिए ताकि ऊर्जा के दुरुपयोग का ठीक से पता चल सके और ऊर्जा-सक्षम उपकरणों का उपयोग सुझाया जा सके। उपकरणों को अपग्रेड करना तथा ऐसी प्रणाली लागू करना जो अपशिष्ट औद्योगिक ऊर्जा का उपयोग कर सके लाभकर सिद्ध होगा। आज जान बूझकर ऊर्जा का कम-से-कम उपयोग करने को प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि खर्च में कमी हो, अपशिष्ट कम पैदा हो, पर्यावरण की रक्षा हो और भविष्य के लिए ऊर्जा-सुरक्षा भी हो सके। कम-से-कम ऊर्जा सेवाओं का लाभ लेना और ऊर्जा का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए हरित अभियांत्रिकी के तौर-तरीके अपनाने होंगे।

ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग एक बहुआयामी प्रश्न है जिसके साथ राजनैतिक मुद्दे, तकनीकी विकास, आर्थिक प्रगति, पर्यावरण के सरोकार महत्वपूर्ण रूप से जुड़े हुए हैं। साथ ही उपभोक्ता व्यवहार जटिल होता है और व्यक्तित्व, सामाजिक मानक, ऊर्जा-संरक्षण के प्रति अभिवृत्ति, आरामदायक जीवन शैली की पसंद, ऊर्जा-सुरक्षा की चेतना, पर्यावरण के प्रति मैत्री आदि पर निर्भर करता है। ऊर्जाक्षम प्रणालियों को अपनाने और विवेकपूर्ण ऊर्जा का उपयोग द्वारा ही ऊर्जा संरक्षण संभव है। उपभोक्ता व्यवहार को बदल कर ही दीर्घकालिक और स्थायी समाधान मिल सकेगा। विवाह समारोह, संगीत, नृत्य, रैली और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम बताते हैं कि हमारी बिगड़ी आदतें ऊर्जा की माँग को बढ़ाती जा रही हैं।

अनावश्यक ऊर्जा उपयोग किसी के हित में नहीं है। ऊर्जा की समस्या सार्वभौमिक है और जैसा स्टॉकहोम घोषणा में कहा गया था पृथ्वी एक है, इस बात को साबित कर रही है। ऊर्जा के मुद्दे आधुनिक समाज में ऊर्जा के वितरण, उपलब्धता और आपूर्ति के साथ उसके टिकाऊपन और स्वच्छ यानी प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोत की तलाश तकनीकी उन्नति के साथ ही हमारे संस्कार और व्यवहार पर भी निर्भर करेगा।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

बाबरी मस्जिद के नाम पर मिलते करोड़ों के चंदे का नैरेटिव

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबर के नाम पर बन रही मस्जिद के लिए अब तक 2.4 करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं। यह रकम केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि देश-विदेश से भी आ रही है। यह तथ्य केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी गंभीर सवाल खड़े करता है। बाबरी मस्जिद का मामला हमेशा संवेदनशील रहा है। अब उसी नाम और प्रतीक के माध्यम से फिर से व्यापक समर्थन जुटाया जा रहा है, यह संकेत देता है कि राजनीतिक इस्लाम अपने उद्देश्य में लगातार सक्रिय है।

जिहाद, राजनीतिक इस्लाम की नींव है। यह सिद्धांत दुनिया को दो हिस्सों में बांटता है- मुस्लिम और गैर-मुस्लिम। इसी आधार पर दारुल-इस्लाम और दारुल-हरब की अवधारणाएँ बनीं, जहाँ मुस्लिमों और गैर-मुस्लिमों के लिए अलग शासन और नियम तय होते हैं। यही दोहरी नैतिकता राजनीतिक इस्लाम की पहचान है।

कुरान, हदीस और सीरा- तीनों में इस दोहरी नैतिकता की बार-बार पुष्टि होती है। मुहम्मद ने कहा था कि 'सारी दुनिया केवल मुसलमानों के लिए है; तुम सुरक्षित रहोगे, अगर इस्लाम स्वीकार कर लो' (सहीह बुखारी, 4:53:392)। इसका मतलब यह नहीं कि केवल आस्था का प्रश्न है बल्कि यह राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण का संदेश है। गैर-मुस्लिम समुदाय की परंपराओं को शिर्क और बुतपरस्ती के रूप में देखा गया और उसे समाप्त करने के लिए जिहाद को आवश्यक बताया गया।

जिहाद केवल हिंसा का नाम नहीं है। यह संघर्ष का व्यापक स्वरूप है। इसका उद्देश्य केवल हथियार उठाना नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे पर धीरे-धीरे नियंत्रण स्थापित करना भी है। उदाहरण के तौर पर- सड़क या सार्वजनिक स्थानों में नमाज, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति, हलाल भोजन की मांग, शादी और पारिवारिक मामलों में धार्मिक दबाव, शरिया आधारित विवाद निपटान की मांग- ये सभी अहिंसक जिहाद के स्वरूप हैं। हिंसक और अहिंसक, सीधे और छल-कपट के माध्यम से जिहाद चलता रहता है।

सहीह बुखारी और कुरान के आंकड़े बताते हैं कि जिहाद का अधिकांश उल्लेख हथियारबंद संघर्ष से जुड़ा है। कुरान का नौवां अध्याय (अल-बारा) और आयतें 9:5, 9:29, 9:41, 9:73, 9:123- सभी स्पष्ट रूप से युद्ध के निर्देश देती हैं। यहां स्पष्ट रूप से दिखता है कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल धर्मांतरण नहीं

बल्कि नियंत्रण और सत्ता स्थापित करना है। इतिहास भी इस तथ्य की पुष्टि करता है। सिंध पर मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से लेकर दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य तक, भारत में जिहाद लगातार दिखाई देता है। बीसवीं सदी में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन और विभाजन की राजनीति में भी यही प्रवृत्ति रही। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं।

आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं है। यह न्यायालयों पर दबाव, सार्वजनिक प्रदर्शन, धार्मिक मांगें, हलाल और शरीयत आधारित कानूनों की मांग, राष्ट्रीय प्रतीकों की अवमानना, शिक्षा और सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव- सभी के माध्यम से भी सक्रिय है। यह एक दीर्घकालिक और सतत प्रक्रिया है जिसे केवल 'धार्मिक आस्था' कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता। इतिहास और ग्रंथ-साक्ष्य से स्पष्ट है कि जिहाद की सफलता तीन स्तंभों पर आधारित रही- दोहरी नैतिकता, समर्पण की मांग और हिंसा या दबाव का निरंतर प्रयोग। मुहम्मद के समय व्यापारी कारवां पर हमले और लूटे गए माल का वितरण, अनुयायियों की संख्या बढ़ाने के लिए रणनीतिक उपाय थे। यह प्रक्रिया समय के साथ विकसित हुई और राजनीतिक इस्लाम की सफलता का आधार बनी।

वर्तमान में भारत में इस मुद्दे पर अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श की कमी है। पाठ्यक्रमों में इस्लामी आक्रमणों, जनसंख्या परिवर्तन और सांस्कृतिक ध्वंस का कोई विस्तृत उल्लेख नहीं होता। इसका परिणाम यह है कि समाज असावधान रहता है और राजनीतिक इस्लाम की प्रक्रिया को समझने में असमर्थ रहता है। इसके अलावा, जब गैर-मुस्लिम समुदाय जिहाद पर चर्चा करने या उसका विश्लेषण करने से डरता है, तब राजनीतिक इस्लाम और अधिक सशक्त होता है। यह 'गलत व्याख्या' या 'अत्यधिक प्रचार' के बहाने इतिहास और सिद्धांत की वास्तविकताओं से आँखें मोड़ने जैसा है।

भारत के संदर्भ में जिहाद केवल धार्मिक गतिविधि नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक और सामाजिक प्रक्रिया का हिस्सा है। बाबरी मस्जिद के नाम पर करोड़ों का चंदा, चाहे स्थानीय हो या अंतरराष्ट्रीय, इसका प्रतीक है। यह दशार्ता है कि धार्मिक प्रतीकों के माध्यम से राजनीतिक संदेश फैलाने की प्रक्रिया अब भी सक्रिय है। समाधान केवल सुरक्षा या कानूनी उपायों में नहीं है। समाज और नीति-निमार्ताओं को राजनीतिक इस्लाम, जिहाद के सिद्धांत, इतिहास और आधुनिक प्रक्रियाओं को समझना होगा। शिक्षण संस्थाओं में इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में इनका समावेश आवश्यक है। वास्तविकता को समझे बिना सुरक्षा और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखना मुश्किल होगा।

अंततः राजनीतिक इस्लाम और जिहाद को हल्के में लेना भारत के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरनाक हो सकता है। यह केवल धार्मिक भावनाओं का प्रश्न नहीं है बल्कि वैचारिक, राजनीतिक और वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। इसलिए, अध्ययन, जागरूकता और सार्वजनिक विमर्श ही इस चुनौती का स्थायी समाधान हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृष : आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मिथुन: विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

कर्क : पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

कन्या : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला : खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा।

धनु : धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

मकर : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वविवेक से कार्य करें।

कुम्भ : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग।

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

संक्षिप्त खबरें

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का 35वां जत्था दीपुगढ़ा से रवाना

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में शुरू किए गए सांसद मनीष जायसवाल के महत्वाकांक्षी सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत 35वाँ जत्था नगर पूर्वी के दीपुगढ़ा वार्ड 5 से श्रद्धा और उत्साह के बीच रवाना हुआ। यात्रियों की विदाई के दौरान क्षेत्र में आस्था का माहौल देखने को मिला, जहाँ स्थानीय लोगों ने पदयात्रा निकालकर तीर्थयात्रियों के प्रति शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। कार्यक्रम में समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह और करण जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों ने यात्रियों का पखारे पाँव कर सम्मान किया और चारधाम यात्रा की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। जिला एवं विधानसभा सांसद प्रतिनिधि सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और पुष्प वर्षा कर यात्रियों को विदा किया। जत्थे में 65 तीर्थयात्री शामिल हैं, जो वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या और विंध्याचल जैसे पवित्र स्थलों के दर्शन के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। सभी यात्रियों ने इस पहल के लिए सांसद मनीष जायसवाल के प्रति आभार जताया और इसे क्षेत्र के बुजुर्गों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया।

डीवीसी सीएसआर कर्मी कौशल कुमार के निधन पर शोकसभा, भावपूर्ण विदाई

विष्णुगढ़। डीवीसी सीएसआर कर्मी कौशल कुमार के असमय निधन पर 12 दिसंबर को मुख्य कार्यालय में शोकसभा आयोजित की गई, जहां अधिकारी और कर्मचारीगण ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रबंधक (असैनिक) गोपाल महतो, प्रबंधक (विद्युत) चंदन कुमार, आर. सोरेन सहित असैनिक विभाग के सभी कर्मियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इधर, सीएसआर कार्यपालक सुनील कुमार, सीएसआर कर्मी टेकलाल महतो, सरयू, दामोदर महतो समेत कई लोग नवाटांड श्मशान घाट पहुंचे और अंत्येष्टि में शामिल हुए। और इस कठिन समय में संस्था उनके परिजनों के साथ खड़ी है। डीजीएम राणा रणजीत सिंह ने कहा कि डीवीसी अपने प्रत्येक कर्मी के परिवार के प्रति पूरी संवेदना व्यक्त करता है। अंत्येष्टि में बासुदेव महतो, टैको चंद महतो, देगलाल महतो, दीपचंद महतो, सुरेश राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

होमगार्ड के बेटे अंकित मिश्र बने प्रखंड कल्याण पदाधिकारी

हजारीबाग । हजारीबाग जिला के कटकमदाग प्रखंड के खपरियावां गांव के होमगार्ड जवान (सेवानिवृत्त) अजीत कुमार मिश्र के पुत्र अंकित कुमार मिश्र ने कड़ी मेहनत के बल पर बड़ी सफलता हासिल की है। उनका चयन जेएसएससी सीजीएल 2023 परीक्षा में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के रूप में हुआ, जिससे परिवार और पूरे इलाके में खुशी की लहर है। अंकित की यात्रा प्रेरणादायक रही है। मई 2023 में उनकी पहली नियुक्ति भारतीय रेलवे में हुई। अंकित के पिता अजीत कुमार मिश्र 31 दिसंबर 2024 को सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने बताया कि सीमित आय के बावजूद उन्होंने बेटे को अच्छी शिक्षा और अनुशासन देने का प्रयास किया। भावुक होकर उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि ईश्वर की कृपा और बेटे की मेहनत का परिणाम है, जिसने पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंकित मिश्र की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को हासिल करने का साहस रखते हैं।

मंदिर की दान पेटी से चोरी करते रंगे हाथ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हजारीबाग। सदर थाना क्षेत्र के कुम्हार टोली नाला पार मंदिर में रखे दान पेटी में चोरी करते रंगे हाथ एक आरोपी को महिलाओं ने पकड़ा। आरोपी की पहचान रामनगर देवी मंडप निवासी आर्यन कुमार वर्मा पिता राजेश वर्मा के रूप में हुई है। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 375/25 दर्ज किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बताया गया है कि गुरुवार को कुम्हार टोली नाला पार मंदिर में चोरी करते स्थानीय महिलाओं ने एक आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद महिलाओं ने आरोपी को पकड़ कर सीधे सदर थाना ले गई। वहां महिलाओं ने आरोपी के विरुद्ध लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कर दिया। इस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया और अनुसंधान में लग गए। जांच पड़ताल में आरोपी पर लगाया गया आप सही पाया गया और दर्ज मामले के आधार पर उसे जेल भेज दिया गया।

एसवीएम पब्लिक स्कूल का चौथा स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ के गोविंदपुर पंचायत स्थित तोरोबार में सरस्वती विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल का चौथा स्थापना दिवस उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुखिया रीता महतो, जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष एवं पिनेकल इग्नाइटेड माइंड्स स्कूल चानो के निदेशक कौलेश्वर महतो, विद्यालय निदेशक प्रदीप कुमार और प्राचार्य पुष्पा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। बच्चों ने परेड, नृत्य, गीत, कविता, खेलकूद और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। मुख्य अतिथियों ने बच्चों को मेडल और शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया। विद्यालय निदेशक प्रदीप कुमार ने कहा कि विद्यालय में अनुभवी शिक्षकों की देखरेख में शिक्षा के साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हजारीबाग में अपराध गोष्ठी का आयोजन

अपराध नियंत्रण पर सख्ती, सभी थाना प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

लंबित कांडों के निष्पादन और अवैध खनन पर सख्त निगरानी का आदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में आयोजित अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारी और पदाधिकारियों को अपराध नियंत्रण को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए। महिला प्रताड़ना, हिंसा तथा अनुसूचित जातिझजनजाति से जुड़े मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय में निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। चोरी, लूट, गृहभेदन और अन्य घटनाओं में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने वर्ष 2025 से पूर्व लंबित सभी कांडों को तुरंत निपटाने और थानों में लंबित जमानतीझगैरजमानती वारंट, इश्तेहार तथा कुर्कीझजब्ती की कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। सिविल कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा और सभी मानकों को पूरा करने का आदेश दिया गया। नशाखोरी से जुड़े गिरोहों, संगठित अपराध, अवैध खनन और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, साथ ही संबंधित अंचल अधिकारी व जिला खनन पदाधिकारी के साथ समन्वय कर अवैध कोयला, बालू और पत्थर उत्खनन पर रोक लगाने को कहा गया। साइबर अपराध के लंबित मामलों में भी तेज कार्रवाई और अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सभी थाना प्रभारी को आम जनता की शिकायतें सुनकर समय पर समाधान करने को कहा गया।

एनटीपीसी टेंडर पर विवाद, अम्बा प्रसाद ने रौशन लाल चौधरी पर लगाया निजी लाभ का आरोप

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी के पतरातू स्थित आवास निर्माण के लिए एनटीपीसी द्वारा 12 लाख रुपये के टेंडर जारी किए जाने पर पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद ने तीखा विरोध जताया। हजारीबाग में प्रेस वार्ता कर उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के लोग खनन कंपनियों से विस्थापन, बेरोजगारी, कटऑफ डेट, दुर्घटनाओं और अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन वर्तमान विधायक इन मुद्दों पर चुप हैं और कंपनी के हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अम्बा प्रसाद ने कहा कि विधायक अपने कार्यकाल में कोई नई योजना नहीं ला सके और पुराने प्रोजेक्ट को नए विकास कार्य बताकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने एनटीपीसी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कंपनी कोयला ढुलाई तक सीमित है और विस्थापितों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक जनता के बीच कम और कंपनी के हितों में अधिक सक्रिय हैं, जबकि जनप्रतिनिधि का दायित्व जनता के हितों की रक्षा करना होता है। अम्बा प्रसाद ने लोगों से जागरूक होने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास, विस्थापितों के अधिकार और युवाओं के भविष्य के लिए जनआंदोलन की जरूरत है।

जीएम ग्रुप ऑफ कॉलेज में भारतीय रिजर्व बैंक का कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम सफल

विद्यार्थियों में बढ़ा बैंकिंग करियर का उत्साह

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के पी.डब्ल्यू.डी. स्थित जीएम ग्रुप ऑफ कॉलेज में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आरबीआई रांची शाखा की प्रबंधक रेशमी प्रिया रहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र विशेषकर आरबीआई में उपलब्ध करियर संभावनाओं के बारे में सरल और विस्तृत जानकारी दी। रेशमी प्रिया ने विद्यार्थियों को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक देश की वित्तीय व्यवस्था की धुरी है, जो मौद्रिक नीति, मुद्रा प्रबंधन, बैंकिंग विनियमन और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करता है। उन्होंने आरबीआई में अधिकारी, सहायक और अन्य पदों पर भर्ती प्रक्रिया, पात्रता और तैयारी के तरीके भी विस्तार से समझाए। कार्यक्रम में मनी वाइज सीएफएल (स्वाधार फिनएक्सेस) के जिला प्रभारी मनोहर मुरारी और सीएफएल इंचार्ज राकेश कुमार भी उपस्थित रहे। दोनों ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता से जुड़ी उपयोगी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के बाद आरबीआई आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों शिया, करण, सिया, स्तुति, प्रेम, सोनू, हिमांशु कुमार और छोटी कुमारी झ को सम्मानित किया गया। सम्मान वितरण कॉलेज के संचालक शंभू कुमार और नर्सिंग एवं पैरामेडिकल विभाग की विभागाध्यक्ष अनिता कुमारी ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम ने छात्रों में बैंकिंग करियर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ नई संभावनाओं को पहचानने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली और सफल रहा।

अन्नदा महाविद्यालय में मेकइंटरन और आईआईएम बैंगलोर ई-सेल की दो दिवसीय वर्कशॉप संपन्न

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय में मेकइंटरन और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बैंगलोर के ई-सेल की संयुक्त पहल पर आयोजित दो दिवसीय सर्टिफिकेशन प्रोग्राम और हैंड्स-ऑन वर्कशॉप सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरूआत 11 दिसंबर को उद्घाटन सत्र के साथ हुई, जिसमें मेकइंटरन और की ओर से आए विषय विशेषज्ञ कृष्ण मोहन पांडेय का स्वागत प्राचार्य डॉ. नीलमणि मुखर्जी और सीसीपीसी समन्वयक डॉ. बिनीता कुमारी ने किया।

दो दिनों तक विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से डेटा एनालिटिक्स के विभिन्न चरणों–डेटा कलेक्शन, डेटा क्लीनिंग, विजुअलाइजेशन और उद्योग में डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया–पर विस्तृत मार्गदर्शन प्राप्त किया। 38 प्रतिभागियों ने वास्तविक डेटा सेट पर काम कर व्यावहारिक कौशल विकसित किए, जो उनके करियर निर्माण में सहायक होंगे। 12 दिसंबर को आयोजित विशेष सत्र के बाद टेस्ट और इंटरव्यू के आधार पर पाँच प्रतिभागियों का चयन किया गया। इनमें इइअ विभाग से समीर अंसारी और प्रिंस कुमार अग्रवाल, विभाग से प्रत्युष शेखर, पॉलिटिकल साइंस विभाग से आर्यन बादल और बायोटेक विभाग से संध्या कुमारी शामिल हैं। ये छात्र आगे होने वाली कार्यशाला में भाग लेने के लिए आईआईएम बैंगलोर जाएँगे।

समापन सत्र में प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों से सीधे तौर पर जोड़ते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। उउढउ समन्वयक डॉ. बिनीता कुमारी ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. बर्नांगो बनर्जी, डॉ. विवेक और अनीकेत कुमार का महत्वपूर्ण सहयोग

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अवैध वसूली का खुलासा

सांसद प्रतिनिधि की शिकायत पर हरकत में आया प्रबंधन

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग । हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों से डिस्चार्ज के समय लिए जा रहे अवैध शुल्क ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकांश वार्डों में मरीजों से मनमाने ढंग से 100 रुपये वसूले जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। दारू प्रखंड के एक पत्रकार के पिता के डिस्चार्ज के दौरान भी उनकी पत्नी से फोन पे के जरिए 100 रुपये लिए जाने की पुष्टि हुई, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। अस्पताल में भर्ती होते समय अनिवार्य आईपीडी स्लिप की कीमत भी नियमों के विपरीत वसूली जा रही है। निर्धारित शुल्क 15 रुपये होने के बावजूद मरीजों से 20 रुपये लिए जाने का आरोप है, जो सरकारी प्रावधानों का उल्लंघन है। लगातार मिल रही शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक डॉ. राजकिशोर को मामले से अवगत कराया। उन्होंने डिस्चार्ज शुल्क और आईपीडी स्लिप दोनों में की जा रही मनमानी पर तत्काल रोक लगाने, पूरे प्रकरण की जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए ठोस कार्रवाई का भरोसा दिया है।

नगर निगम ने सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। शहर को सुचारु, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा शुक्रवार को बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मुख्य सड़कों, बाजार क्षेत्रों, फुटपाथों तथा सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध कब्जों और निमार्णों को हटाया गया। नगर निगम की टीम बुलडोजर विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची और पहले दुकानदारों तथा अतिक्रमणकारियों को सामान हटाने की चेतावनी दी। निर्धारित समय के बाद भी अवैध रूप से रखे गए ठेले, शेड, बढ़े हुए प्लेटफॉर्म, सड़क किनारे फैलाए गए सामान और अस्थाई ढांचे को निगम कर्मियों द्वारा जब्त या ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारीयों ने बताया कि लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के कारण न सिर्फ यातायात प्रभावित होता है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अभियान का उद्देश्य शहर में स्वच्छता, सुगम यातायात व सार्वजनिक स्थानों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ऐसे अभियान समय-समय पर चलाए जाते रहेंगे और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और शहर को व्यवस्थित व सुंदर बनाने में सहयोग दें।

सीमा सुरक्षा बल पेंशनभोगियों के लिए मेरु, हजारीबाग में पेंशन अदालत 20 दिसंबर को

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग स्थित सीमा सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय में 20 दिसंबर को नॉर्थ बंगाल, बिहार और झारखंड क्षेत्र के पेंशनभोगियों व पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य पेंशन और पारिवारिक पेंशन से जुड़ी लंबित शिकायतों का तत्काल और प्रभावी समाधान उपलब्ध कराना है। अदालत सुबह 9.30 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी, जिसमें डीडीओ, पीएओ और विभिन्न बैंकों के अधिकारी मौजूद रहेंगे ताकि समस्याओं का निपटारा मौके पर किया जा सके। अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम के लिए विशेष पेंशन प्रकोष्ठ सक्रिय है और नोडल अधिकारी सुनील कुमार से मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। किसी भी सहायता के लिए इरऋ हेल्प डेस्क नंबर 06546-236776 जारी किया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने सभी पात्र पेंशनभोगियों से पेंशन अदालत का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि उनकी पेंशन से संबंधित समस्याओं का समाधान एक ही मंच पर सुनिश्चित हो सके।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन में रखा हजारीबाग का रिपोर्ट कार्ड

सूचना आयोग, पुलिस सुधार, प्रदूषण, स्वास्थ्य और सड़क सिंचाई को लेकर सरकार से जवाबदेही की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग । हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में राज्य और हजारीबाग से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को मजबूती से उठाया। विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं को सदन में रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस सत्र में व्यवस्था की कई खामियों पर सरकार से जवाब मांगा गया। विधायक ने सूचना आयोग में लंबित नियुक्तियों, पारदर्शिता की कमी और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर कड़ा सवाल उठाया। पुलिस आधुनिकीकरण की धीमी रफ्तार, थानों में तथा रिसेप्शन कक्ष निर्माण की स्थिति और पुलिस बल में नियुक्तियों पर भी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। कटकमसांडी और बानादाग कोल साइडिंग से फैल रहे प्रदूषण से बिरहोर समुदाय पर पड़ रहे प्रभाव, ट्रकों की अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क क्षति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सरकारी अस्पतालों में स्टाफ की कमी, आउटसोर्सिंग कंपनियों की अनियमितताएँ और डढऊ की ऑनलाइन प्रक्रियाओं से हो रही समस्याओं पर सुधार की मांग की गई।

हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में पेयजल परियोजना के दौरान द्वारा सड़कें अधूरी छोड़ने की लापरवाही, मरहेताझपौंता और केसुरा मोड़झसरौनी सहित कई जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, तथा गोंदा डैम सहित पुराने जलाशयों की उपेक्षा से सिंचाई क्षमता घटने पर भी प्रश्न उठाए गए। मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन योजना में बिचौलियों की सक्रियता और लाभार्थियों तक योजना का लाभ न पहुंचने की शिकायतें भी विधायक ने सदन के सामने रखीं। साथ ही सिलवार स्थित 37 करोड़ रुपये की लागत से बने पॉलिटेक्निक भवन के वर्षों से बंद पड़े रहने पर कड़ा विरोध व्यक्त करते हुए इसे बालिका महाविद्यालय के रूप में शुरू करने की मांग की।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनता के अधिकारों और विकास कार्यों की गति बढ़ाने के लिए उनकी लड़ाई सदन और सड़क दोनों पर जारी रहेगी।

चुरचू में बवाल अनाज घोटाला, जॉब कार्ड वसूली और दीदी बाड़ी में घूसखोरी पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के चुरचू प्रखंड मुख्यालय में सुबह से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी रही। ग्रामीण प्रशासन के पास जमा किए गए अनाज के वितरण की उम्मीद में पहुंचे थे, जबकि कई लोग अपनी विभिन्न शिकायतों को लेकर भी एकजुट हुए। प्रखंड मुख्यालय के निकट ग्रामीणों ने पहले जमकर नारेबाजी की और अनाज की कथित कालाबाजारी में आरोपित कृषि पदाधिकारी काशीनाथ गुप्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।ग्रामीणों ने बताया कि जॉब कार्ड निर्गत करने के नाम पर रोजगार सेवक घनश्याम राम द्वारा पूरे क्षेत्र में अवैध रूप से 400 से 500 रुपये तक की वसूली की गई है। इस तरह की कई घटनाएं सामने आने पर ग्रामीणों ने कृषि पदाधिकारी और रोजगार सेवक दोनों के विरुद्ध प्रखंड मुख्यालय परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।नारेबाजी के बाद ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित राम के चेंबर में पहुंचा। जहां उन्होंने एक-एक कर अपनी समस्याओं को सामने रखा। ग्रामीणों ने बताया कि जिस अनाज को ग्रामीणों ने पकड़ा था और जो फिलहाल थाने में रखा गया है, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दीदी बाड़ी योजना, जिसकी स्वीकृति राशि 28,000 रुपये है, उसे स्वीकृत कराने के एवज में रोजगार सेवक द्वारा 8,000 रुपये की मांग की जा रही है। इतना ही नहीं, योजना के जिओ टैगिंग के नाम पर भी 500 रुपये तक वसूली की गई है। इन सभी गंभीर आरोपों को ग्रामीणों ने बीडीओ के समक्ष रखा।प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित राम ने ग्रामीणों को बताया कि कृषि पदाधिकारी काशीनाथ गुप्ता को विभाग द्वारा शो-कॉज नोटिस जारी किया जा चुका है, और आगे की कार्रवाई विभागीय जांच के आधार पर की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जॉब कार्ड पूरी तरह निःशुल्क है और इसके लिए किसी भी ग्रामीण को कोई पैसा नहीं देना चाहिए। साथ ही, दीदी बाड़ी योजना में 8,000 रुपये की कथित मांग और जिओ टैगिंग शुल्क की शिकायत को भी गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 13 दिसंबर 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में संत जेवियर स्कूल बी ने पहला सेमीफाइनल 7 विकेट से जीता

साहिबगंज। सिदो - कान्हू स्टेडियम में जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे अंडर -16 जिला क्रिकेट लीग टूनामेंट के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में संत जेवियर स्कूल बी की टीम ने गुरुवार को माही स्पोर्ट्स येलो को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। माही स्पोर्ट्स येलो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.3 ओवर में 153 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से मयंक ने 38, शिवम ने 15 जबकि अब्राहम शेख ने प्रभावशाली 37 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल के गेंदबाज अमित राज ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए, जबकि हर्ष कुमार ने 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। जवाब में उतरी संत जेवियर की टीम ने 18 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम के बल्लेबाज अमित राज ने 49 रन की बेहतरीन पारी खेली, वहीं आदित्य ज्ञान ने 88 रनों की आतिशी पारी खेलकर जीत सुनिश्चित की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अमित राज को मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्रनाथ तिवारी द्वारा ह्यमैन ऑफ द मैचह्न की ट्रॉफी प्रदान की गई। मैच में अंपायरिंग की जिम्मेदारी श्याम रंजन तिवारी और चंदन यादव ने निभाई जबकि स्कोरिंग अनिकेतन आनंद ने की। टूनामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि दूसरा सेमीफाइनल 12 दिसंबर को संत जेवियर ए और नवोदय विद्यालय की टीमों के बीच खेला जाएगा।

भाजपा की जिला स्तरीय बैठक में सात मंडल अध्यक्षों की घोषणा, संगठन विस्तार का संकल्प

पाकुड़। पाकुड़ में भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश मंत्री सह जिला चुनाव अधिकारी दिलीप वर्मा, प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, जिला चुनाव सह अधिकारी मीरा प्रवीण सिंह एवं अजजा मोर्चा प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास मुख्य रूप से उपस्थित रहे। चुनाव अधिकारी दिलीप वर्मा की देखरेख में सात भाजपा मंडल अध्यक्षों एवं मंडल प्रतिनिधियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया तथा प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा के नेतृत्व में ढोल-नगाड़ों के साथ पदयात्रा करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। प्रदेश मंत्री वर्मा ने कहा कि भाजपा संगठन में कार्यकताओं को सम्मानित करते हुए बड़ी जिम्मेदारियां दी जाती हैं। उन्होंने शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुए चुनाव के लिए जिला एवं प्रदेश कमेटी को बधाई देते हुए कहा कि नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष संगठन को सुदूर क्षेत्रों तक मजबूत करेंगे। घोषित मंडल अध्यक्षों में हिरणपुर से सुकुमार मंडल, बिचामहाल से धनेश्वर साहा, आमड़ापाड़ा से आशीष हेंब्रम, दादपुर से सुशांत घोष, पाकुड़ नगर से सोहन मंडल, गंधायपुर से त्रिलोचन दास तथा इलामी से बापोन सरकार शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रूपेश भगत ने किया तथा अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

आयुष विभाग की पहल, जिले भर में योग प्रशिक्षण से स्वास्थ्य जागरूकता को मिली नई दिशा

पाकुड़। स्वस्थ शरीर को सफल जीवन की आधारशिला मानते हुए आयुष विभाग, पाकुड़ द्वारा पूरे जिले में योग एवं आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आयुर्विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, दैनिक जीवनशैली में सुधार लाने तथा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को पाकुड़, पाकुड़िया, हिरणपुर, महेशपुर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा समेत कुल 25 विभिन्न स्थानों पर योग प्रशिक्षकों ने नागरिकों को योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने योग को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाने के लाभों को विस्तारपूर्वक समझाया। आयुष विभाग के पदाधिकारियों ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और तनाव नियंत्रण में भी अत्यधिक लाभ मिलता है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे प्रतिदिन योग का अभ्यास करें, ताकि एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण हो सके।

जिला योजना कार्यकारिणी समिति की समीक्षा बैठक में डीसी ने दिया निर्देश

समय सीमा में पूरी हों सभी योजनाएं, पारदर्शिता हो सर्वोच्च

संवाददाता

गोड्डा। जिले में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिला योजना कार्यकारिणी समिति एवं अनाबद्ध निधि के तहत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दी गई और पूर्व स्वीकृत योजनाओं की प्रगति को विस्तार से परखा गया।

बैठक के दौरान पंचायत कुशमहरा, ग्राम भैरोचक में मेन रोड से गांव तक पीसीसी सड़क निर्माण, इकराम घर से बिरेंद्र रविदास घर तक नाला निर्माण तथा मेन रोड से कब्रिस्तान होते हुए पोखर तक पीसीसी सड़क निर्माण योजनाओं के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई और इन योजनाओं को समिति की मंजूरी प्रदान की गई।

उपायुक्त ने 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के बीच स्वीकृत योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिया कि योजनाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं।।उपायुक्त ने कहा कि प्राथमिकता वाले विभाग शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क निर्माण, ग्रामीण विकास और अनाबद्ध निधि से जुड़ी योजनाओं में तेजी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यपालक अभियंताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारी और विभागों पर कार्रवाई तय है।

बैठक में जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर, नगर प्रशासक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अरविंद कुमार अग्रवाल सहित सभी कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे और उन्होंने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

तीन क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक सेंटरों में बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन में भारी लापरवाही उजागर

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। नगर निगम आयुक्त रोहित कुमार सिन्हा के निर्देश पर सेनेटरी इंस्पेक्टर, फूड इंस्पेक्टर और सेनेटरी सुपरवाइजर की विशेष टीम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्लीनिक और डायग्नोस्टिक सेंटरों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान डॉ. नेहा प्रिय क्लीनिक, डॉ. मंजरी सिंह क्लीनिक और होप डायग्नोस्टिक सेंटर में बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन के नियमों का खुला उल्लंघन पाया गया। टीम को साक्ष्य मिला कि इन संस्थानों द्वारा उत्पन्न मेडिकल कचरे को सड़क किनारे फेंका जा रहा था, जो नियमों के साथ-साथ जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। जहां कंटेनर उपलब्ध थे, वे सभी खाली पाए गए और उनकी जगह हर तरह का कचरा सामान्य अपशिष्ट, चिकित्सा कचरा और प्रदूषक पदार्थ को बिना किसी छंटाई के सड़क पर फेंका जा रहा था। टीम को मौके से वीडियो और प्रत्यक्ष साक्ष्य भी प्राप्त हुए। नगर निगम ने मामले को गंभीर मानते हुए तीनों संस्थानों को नोटिस जारी कर बायोमेडिकल वेस्ट नियम 2016 तथा नगर निगम अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अर्थदंड लगाया है। निगम ने निर्देश दिया है कि नोटिस मिलते ही निर्धारित जुमार्ना जमा किया जाए और आगे से सभी नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। आयुक्त रोहित कुमार सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि शहर की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसी तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पाकुड़ में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने केक, पेस्ट्री एवं कुकीज दुकानों का किया औचक निरीक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ शहर स्थित केक, पेस्ट्री एवं कुकीज विक्रेताओं की दुकानों का आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी दुकानों में वैध एफएसएसएआई फूड लाइसेंस उपलब्ध पाया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि बेकरी उत्पादों के निर्माण में केवल ताजा एवं उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे पदार्थों का उपयोग करें तथा निर्माण स्थल पर स्वच्छता और हाइजीन का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्य में लगे कर्मियों को एप्रन, ग्लव्स एवं कैप अनिवार्य रूप से पहनने की हिदायत दी गई। साथ ही सभी उत्पादों पर एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, बेस्ट बिफोर एवं एक्सपायरी तिथि स्पष्ट रूप से अंकित होने की बात कही गई। निरीक्षण में जेएफसी, केक बाइट्स एवं केक शॉप में कुकीज और फ्रूट केक के लेबल मानक अनुरूप पाए गए, जबकि डीएफसी केक दुकान में दो बोतल लिक्विड फूड कलर एक्सपायरी पाए गए, जिन्हें नोटिस एवं चेतावनी देने के बाद तुरंत नष्ट कराया गया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कॉलोनियों की प्रगति पर उपायुक्त हेमंत सती सख्त

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्यों का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। जिला मुख्यालय स्थित गोपनीय कार्यालय में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कॉलोनियों से जुड़ी महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अब तक के कार्यों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट पर गहन चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आर एंड आर कॉलोनी से जुड़े कोई भी कार्य अधूरे न रहें तथा सभी गतिविधियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी की जाएं।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने भू-अर्जन की पूरी प्रक्रिया, प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की वर्तमान स्थिति, आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की प्रगति तथा लंबित कागजी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पुनर्वास कार्य अत्यंत संवेदनशील होते हैं और इनमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या देरी अस्वीकार्य है। उन्होंने फील्ड में काम कर रही टीमों को भी सतर्क रहकर कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी विभाग पारदर्शिता के साथ कार्य करें और प्रत्येक चरण का दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि किसी स्तर पर कोई भ्रम या विवाद की स्थिति न उत्पन्न हो। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने अपने-अपने स्तर पर अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की। बैठक के बाद उपायुक्त ने पुनर्वास योजनाओं की समयबद्धता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड विजिट बढ़ाएं और वास्तविक जरूरतों के अनुसार कार्यों को गति प्रदान करें।

युवाओं में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

अनुशासनहीनता प्रमुख कारण : डॉ. शर्मा

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। मेहरमा के एसआरटी कॉलेज धमड़ी के आईक्यूएसी द्वारा ह्ययुवाओं में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एवं निदानह्न विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें संताल परगना कॉलेज के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष एवं मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा मुख्य वक्ता रहे। अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ० शंभु कुमार सिंह ने की। प्राचार्य ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है और यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार यह कार्यक्रम कॉलेज के लिए अत्यंत उपयोगी है।

मुख्य वक्ता डॉ. शर्मा ने कहा कि स्वस्थ, सभ्य एवं विकासोन्मुख जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य का होना अत्यावश्यक है और आज मानसिक समस्याएं घर-घर की चुनौती बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि युवाओं में अनुशासनहीनता एवं चारित्रिक विकार मानसिक रोगों का प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं। सोशल मीडिया और तकनीकी दुष्प्रभाव उन्हें विपथ व्यवहार की ओर ले जा रहा है, जिससे वे तनाव, चिंता, अवसाद और अन्य विकारों का शिकार हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भारत में हर चौथा व्यक्ति किसी न किसी मानसिक रोग से प्रभावित है। रोजगार की चिंता, करियर असुरक्षा, भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आक्रामक व्यवहार और नशे की प्रवृत्ति युवाओं को और अधिक प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाने के साथ समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने में भी मददगार हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ० निमाई चंद्र दास तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर महेश्वर इंदवार ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

गोविंदपुर स्थित विवाह भवन के बंद कमरे से मिला युवक का शव

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। मेहरमा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर स्थित सिंह विवाह भवन में शुक्रवार की सुबह एक बंद कमरे से 40 वर्षीय युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक का नाम विजय कुमार सिंह, उम्र 40 वर्ष, पिता अर्जुन प्रसाद सिंह, निवासी बागेश्वरी, थाना शामपुर, जिला मुंगेर, बिहार बताया गया है। मृतक रेलवे में ग्रुप डी पद पर तैनात था और टाटा नगर में उसकी पोस्टिंग थी। शुक्रवार की सुबह विवाह भवन के संचालक अजय कुमार सिंह ने कमरे का दरवाजा भीतर से बंद देख संशय व्यक्त किया और तत्काल मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी श्री ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद जब कमरे का दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर विजय कुमार सिंह का शव पड़ा मिला। कमरे से सल्फास की गोलियां और शराब की खाली बोतलें बरामद होने पर पुलिस के आत्महत्या की आशंका को बल मिला, हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतक के बड़े भाई संजय कुमार सिंह ने बताया कि विजय 2 दिसंबर को टाटा में अपनी बहन के घर शादी समारोह में शामिल होने गया था। 9 दिसंबर को लौटने के बाद उसने बताया था कि उसका सामान चोरी हो गया है, जिसके बाद वह गोविंदपुर विवाह भवन में रुका हुआ था। मृतक की शादी लगभग 15 वर्ष पूर्व भागलपुर के बहादुरपुर में हुई थी। उसकी 10 वर्षीया एक बेटी तृष्णा कुमारी है। परिजनों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से मृतक न घर जा रहा था और न ही ससुराल, और उसकी वैवाहिक जिंदगी पूरी तरह तनावपूर्ण थी। पत्नी से विवादों के कारण वह बिल्कुल अलग-थलग जीवन जी रहा था। थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है, परंतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे। पुलिस हर बिंदु पर गहन जांच कर रही है। घटना की पुष्टि एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने भी की है, जिससे पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है।

जूनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए चयनित छह प्रतिभाशाली खिलाड़ी

डीसी ने बढ़ाया उत्साह- झारखंड का मान बढ़ाने की अपील

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। जिले के लिए गर्व की बात है कि राज्य स्तरीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छह महिला खिलाड़ियों का चयन जूनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए हुआ है, जिसका आयोजन 16 से 21 दिसंबर 2025 तक पिलानी, राजस्थान में किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों में राशगुली कुमारी, आशा कुमारी, बसंती कुमारी, पूनम कुमारी, सोनाली मरांडी और मोनालिका कुमारी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के चयन के बाद झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव उत्तम राज ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें उम्मीद है कि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

गोड्डा उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में सभी चयनित खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाएं और अपनी प्रतिभा से जिले का नाम देशभर में पहचान दिलाएं। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी डॉ० प्राण महतो, प्रशिक्षक गण और खेल विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता से पूर्व आवश्यक मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। खिलाड़ियों के चयन से पूरे जिले में हर्ष का माहौल है और लोग उम्मीद लगा रहे हैं कि ये प्रतिभाशाली खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी।

गोड्डा में राष्ट्रीय लोक अदालत आज, सात न्यायिक बेंचों का गठन

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। गोड्डा में झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत में क्रिमिनल कंपाउंडेबल मामलों, एनआई एक्ट, एमएसीटी, पारिवारिक विवाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण, सिविल वाद, किराया, राजस्व, बैंक रिकवरी, बिजली-पानी बिल, सेल्स टैक्स, मानदेय, भत्ता, वन अधिनियम, एक्साइज, माप तौल, क्रिमिनल अपील, सर्टिफिकेट सहित विभिन्न मामलों का निस्तारण आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए सात न्यायिक बेंचों का गठन किया गया है।

प्रथम बेंच परिवार न्यायालय परिसर में होगी, जहां पारिवारिक विवाद एवं धारा 125 सीआरपीसी के मामलों की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश अनिल कुमार पांडेय एवं एलएडीसी चीफ संजय कुमार सहाय करेंगे। दूसरी बेंच में एमएसीटी, सिविल अपील, क्रिमिनल अपील, राजस्व व श्रम से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी।

तीसरी बेंच बिजली विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई करेगी, जिसमें जिला जज तृतीय ऋचा श्रीवास्तव एवं डिप्टी चीफ रीतेश कुमार सिंह उपस्थित रहेंगे। चौथी बेंच में सीजेएम एवं विभिन्न सब-जज अदालतों के कंपाउंडेबल मामलों का निस्तारण किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शशि भूषण शर्मा एवं एलएडीसी अजीत कुमार करेंगे। पंचम बेंच में एनआई एक्ट, एक्साइज, फॉरेस्ट एवं माप तौल के मामलों की सुनवाई प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राज कल्याण और पैनल अधिवक्ता मृगेन्द्र कुमार झा करेंगे। छठी बेंच में बैंक रिकवरी, प्री-लिटिगेशन, म्यूटेशन, राजस्व, पानी बिल, होल्डिंग टैक्स तथा भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का निस्तारण सब-जज तृतीय रेमी प्रफुल्ल बा एवं कार्यपालक दंडाधिकारी अभय कुमार झा की उपस्थिति में होगा।

मेहरमा में श्रम विभाग की बैठक

श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक सुविधा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में गुरुवार को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग द्वारा प्रवासी श्रमिकों और झारखंड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता श्रम अधीक्षक बबन सिंह ने की। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों और प्रवासी मजदूरों को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

श्रम अधीक्षक बबन सिंह ने श्रमिकों के पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ, सरकारी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अन्य सुविधाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य सभी श्रमिकों को सुरक्षा, सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उनका आर्थिक और सामाजिक जीवन सुरक्षित एवं बेहतर बन सके। बीडीओ अभिनव कुमार ने पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में रहने वाले प्रवासी एवं असंगठित श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मॉडल डिग्री महाविद्यालय की अव्यवस्था पर झारखंड छात्र मोर्चा का रोष

गढ़वा। गढ़वा के मॉडल डिग्री कॉलेज की दयनीय स्थिति पर झारखंड छात्र मोर्चा के जिलाध्यक्ष निशांत चतुर्वेदी ने गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में फैल रही अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक शिथिलता के कारण छात्र छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे छात्रों को पढ़ाई, पंजीकरण, परीक्षा और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं के दौरान लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। निशांत चतुर्वेदी ने कहा कि स्थिति यह है कि छात्रों को डिबरी जलाकर पूरे शहर में कॉलेज के कर्मियों को ढूंढना पड़ता है, परंतु कॉलेज प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। उन्होंने पूर्व और वर्तमान प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें कॉलेज के संचालन से ज्यादा वित्तीय भुगतान में रुचि रहती है, जबकि छात्र कितनी परेशानी में हैं, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि कई छात्र नेताओं के प्रयासों और हेमंत सरकार की इच्छाशक्ति के बावजूद विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में लाने के प्रयासों को विफल कर रहा है। मॉडल डिग्री कॉलेज की स्थापना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन आज यहां पुस्तकालय संसाधनों की कमी, उपयोग न हो सकने वाली कक्षाएं, समय पर पढ़ाई का अभाव, शिक्षकों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही जैसी समस्याएं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।

अभाविप झारखंड प्रांत के 26 वें प्रदेश अधिवेशन हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

गढ़वा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के झारखंड प्रांत का 26 वां प्रदेश अधिवेशन आगामी 26, 27 और 28 दिसंबर 2025 को गढ़वा में आयोजित होगा। इसके सफल आयोजन की तैयारी के तहत राम लला मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इस भूमि पूजन का विधिवत संचालन अभाविप के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ० सत्यदेव पांडेय ने किया। कार्यक्रम में संयुक्त बिहार के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ० केके मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि राम लला मंदिर जैसे पवित्र स्थान पर अधिवेशन का शुभारंभ होना इस बात का प्रतीक है कि अभाविप केवल शैक्षिक और संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जड़ों से भी गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन युवाओं के मन, विचार और ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देगा और समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि गढ़वा में अधिवेशन आयोजित होना पूरे जिले के लिए गौरव की बात है और इससे स्थानीय युवाओं को नेतृत्व और संगठनात्मक कार्यों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। भूमि पूजन के बाद अधिवेशन स्थल की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश संगठन मंत्री नीलेश कटारे, डॉ० उमेश सहाय, विजय केसरी, अलखनाथ पांडेय, मुकेश निरंजन सिंह, डॉ० पतंजलि केसरी, राजन श्रीवास्तव, विकास स्वदेशी, बालमुकुंद दुबे, मंजुल शुक्ल, मुन्ना यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए संत मरियम स्कूल के रौनक और युवराज

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ी रौनक कुमार और युवराज कुमार का चयन नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए हुआ है, जिससे विद्यालय में खुशी की लहर है। विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने दोनों खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और उनकी तैयारी की जानकारी ली। इस अवसर पर खिलाड़ियों के अभिभावक तथा शारीरिक शिक्षक सुमित बर्मन उपस्थित रहे। सुमित बर्मन ने बताया कि 14 से 18 दिसंबर तक पश्चिम बंगाल के दत्त पुलिया में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप में झारखंड के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पलामू जिले से रौनक और युवराज के अलावा नेहा कुमारी, पूजा कुमारी, सोनी कुमारी, सानवी प्रिया और जिज्ञासा गुप्ता का भी चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि सॉफ्टबॉल में तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है और यदि खिलाड़ी अनुशासन और नियमित अभ्यास बनाए रखें तो एशियाई खेलों तक पहुंचना भी संभव है। सभी खिलाड़ी कोच दीपक तिवारी के नेतृत्व में शक्ति पुंज एक्सप्रेस से दत्त पुलिया के लिए रवाना हुए।

अवैध अफीम की खेती पर संयुक्त कार्रवाई, वन विभाग और थाना पुलिस का अभियान

मेदिनीनगर। मनातू थाना क्षेत्र के ग्राम अपटी के जंगली इलाके में वन विभाग और मनातू थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध अफीम की खेती नष्ट करने के लिए विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान ड्रोन कैमरे की मदद से वन भूमि पर की जा रही अवैध खेती की सटीक लोकेशन चिन्हित की गई। लोकेशन मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और लगभग पांच एकड़ में फैली अवैध अफीम की फसल को ट्रैक्टर से जुतवाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस अवैध खेती में संलिप्त लोगों की पहचान की प्रक्रिया चल रही है। संदिग्ध व्यक्तियों के नाम और पते की पुष्टि के बाद वन वाद अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग और पुलिस ने स्पष्ट कहा है कि ऐसे अवैध कार्यों के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

अनाथ बच्चों को 18 वर्ष तक वित्तीय सहायता देने की मांग

पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कल्पना सोरेन को सौंपा मांग पत्र

राज्य में 45 हजार अनाथ बच्चों की स्थिति गंभीर

झारखंड दर्शन संवाददाता

गढ़वा। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने राज्य में अनाथ बच्चों की दयनीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें 18 वर्ष की आयु तक निरंतर वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने की मांग उठाई है। इसके लिए उन्होंने गांडेय विधायक एवं विधानसभा की महिला एवं बाल विकास समिति की अध्यक्ष कल्पना सोरेन को एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा है, जिसमें वर्तमान योजनाओं की कमियों और समाधान के प्रस्ताव को प्रमुखता से उल्लेखित किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत अनाथ बच्चों के लिए स्पॉन्सरशिप स्कीम का लाभ पूरे राज्य के बच्चों तक नहीं पहुंच पा रहा है। झारखंड में लगभग 45 हजार अनाथ बच्चे हैं, लेकिन इनमें से केवल 8 हजार बच्चे ही योजना से लाभान्वित हो पा रहे हैं। गढ़वा जिले का हाल भी चिंताजनक है। यहां करीब 900 अनाथ बच्चों में से मात्र 65 बच्चों को ही सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चार हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि सिर्फ तीन साल के लिए दी जाती है, परंतु समय पर पुनर्मूल्यांकन न हो पाने की वजह से अधिकतर बच्चों की यह सहायता अचानक बंद हो जाती है। गढ़वा जिले में यह संख्या 85 से घटकर 65 हो जाना इसी समस्या का स्पष्ट उदाहरण है। मांग पत्र में यह प्रस्ताव रखा गया है कि यदि झारखंड सरकार इस योजना को अपने राज्य निधि से लागू करे, तो अनाथ बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक तथा बालिकाओं को विवाह अथवा 21 वर्ष की आयु तक नियमित रूप से चार हजार रुपये प्रतिमाह दिए जा सकते हैं। इसके लिए राज्य को प्रति माह लगभग 12 से 15 करोड़ और वार्षिक करीब 180 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अनाथ बच्चे सबसे जरूरतमंद और वॉइसलेस सेक्शन में आते हैं, जिनके संरक्षण की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने आग्रह किया कि झारखंड सरकार अपने सर्वजन योजना में इस स्पॉन्सरशिप स्कीम को शामिल कर राज्य के सभी अनाथ बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य प्रदान करे।

चैनपुर बाजार के दुकानदारों और ग्रामीणों ने नगर निगम से अलाव की व्यवस्था की मांग की

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। कड़ाके की ठंड की शुरूआत के बाद चैनपुर मुख्य बाजार में स्थानीय दुकानदारों, ग्रामीणों और दैनिक कामगारों ने नगर निगम से अविलंब अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मेदिनीनगर शहर में कई स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कर दी गई है, लेकिन चैनपुर जैसे घनी आबादी वाले और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में आज तक एक भी अलाव उपलब्ध नहीं कराया गया। दुकानदारों और राहगीरों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नगर निगम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने चैनपुर की अनदेखी की है। सब्जी विक्रेता, ठेला पटरी दुकानदार, टेंपू चालक, मजदूर और गरीब लोग सर्द हवाओं के बीच ठिठुरते हुए काम करने को मजबूर हैं। कई लोग ठंड की चपेट में आकर बीमार भी पड़ रहे हैं, परंतु अभी तक किसी जनप्रतिनिधि ने इस दिशा में संवेदनशीलता नहीं दिखाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि चैनपुर क्षेत्र में अलाव और कंबल वितरण की आवश्यकता अत्यंत जरूरी है और निगम को इस ओर तुरंत कदम उठाना चाहिए। लोगों ने कहा कि जब नगर निगम मेदिनीनगर में अलाव जला रहा है, तो चैनपुर के लोगों को भी समान सुविधा मिलनी चाहिए। मौके पर अमन मालाकार, अमित सोनी, विवेक गुप्ता, पंकज कमलापुरी और कई अन्य दुकानदार एवं ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने ठंड से बचाव के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

स्व. ठकुराई अजेंद्र नारायण सिंह की प्रतिमा का भव्य अनावरण, गांव में उमड़ा जनसैलाब

झारखंड दर्शन संवाददाता

सतबरवा। सतबरवा प्रखंड के रांकी खुर्द मंगरबांध में 12 दिसंबर का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब जननायक, संघर्ष के पुरोधा और जन आंदोलनों की पहचान रहे स्व० ठकुराई अजेंद्र नारायण सिंह की दिव्य प्रतिमा का अनावरण पूरे विधि-विधान और वैदिक रीति से किया गया। समाजसेवी प्रदीप सिंह और उनके परिजनों ने मंत्रोच्चार के बीच प्रतिमा की पूजा-अर्चना करते हुए समाज में सेवा, त्याग और संघर्ष की पहचान बने इस महान व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूजा उपरांत उपस्थित सैकड़ों लोगों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त की। प्रतिमा स्थल को आकर्षक तोरण द्वार, सजीव सजावट और मनमोहक प्रकाश व्यवस्था से सजाया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। समाजसेवी प्रदीप सिंह ने बताया कि स्वर्गीय ठकुराई अजेंद्र नारायण सिंह का जन्म 12 दिसंबर 1957 को राज चैनपुर परिवार में हुआ था।

राज परंपरा से जुड़े होने के बावजूद उनका स्वभाव विलक्षण रूप से सरल, सहज, विनम्र और जन सरोकारों के प्रति समर्पित था। रांकी खुर्द उनका मुख्य कर्मक्षेत्र था, जहां से उन्होंने न सिर्फ अपने क्षेत्र बल्कि पूरे राज्य में लोक विश्वास, नेतृत्व और जनसेवा की अमिट छाप छोड़ी। औरंगा बांध विरोध आंदोलन में उन्होंने ऐतिहासिक योगदान दिया, जहां उन्होंने 22 गांवों को डूब क्षेत्र में जाने से बचाने के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर संघर्ष नेतृत्व किया। इस आंदोलन में उनके सहयोगी स्वर्गीय निर्मल सिंह चेरो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर डटकर संघर्षरत रहे। उनका यह संघर्ष राष्ट्रीय स्तर पर भी जुड़ा, जहां उन्होंने बाबा आमटे, सुंदरलाल बहुगुणा जैसे राष्ट्रीय पर्यावरणविदों और समाज सुधारकों के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण और जन अधिकारों की लड़ाई लड़ी। इन उच्च कोटि के महान विभूतियों के साथ उनके जुड़ाव ने उन्हें राष्ट्रीय चेतना के मानचित्र पर विशिष्ट पहचान प्रदान की। कार्यक्रम में परिजनों, ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकताओं तथा दूर-दराज से आए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरा वातावरण श्रद्धा और सम्मान से परिपूर्ण हो गया।

रेड बुल ने पलामू कप के सेमीफाइनल में लगाई छलांग, राइजिंग स्टार पर दर्ज की धमाकेदार जीत

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु स्व० शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप अपने चरम रोमांच पर पहुंच चुका है। टूर्नामेंट के छठे दिन खेले गए महत्वपूर्ण मुकाबले में रेड बुल की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राइजिंग स्टार को प्रभावी रूप से परास्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच की शुरूआत राइजिंग स्टार द्वारा टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के निर्णय से हुई। टीम ने निर्धारित ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य रखा, जो देखने में मजबूत लग रहा था लेकिन रेड बुल के बल्लेबाजों के सामने यह स्कोर टिक नहीं पाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेड बुल टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई और धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 9 ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस यादगार जीत के नायक बने समीर अंसारी, जिनकी 12 गेंदों में 37 रनों की विस्फोटक पारी ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया और विपक्ष की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार झामुमो युवा नेता प्रवीण तिवारी ने प्रदान किया। आयोजक सन्नी शुक्ला और आशुतोष विनायक ने कहा कि इस वर्ष का पलामू कप बेहद प्रतिस्पर्धी और रोमांचक हो चुका है। उन्होंने बताया कि आयोजकों का उद्देश्य खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर जैसी सुविधाएं और माहौल प्रदान करना है, ताकि पलामू के उभरते खिलाड़ी आगे चलकर रणजी और राष्ट्रीय टीमों में अपनी जगह बना सकें। मैदान पर अपनी प्रभावशाली कमेंट्री से दर्शकों को बांधे रखने वाले आशुतोष लक्की पूरे मैच के आकर्षण का केंद्र बने रहे। स्कोरर दौलत यादव ने बताया कि टूनामेंट के सभी मैचों का लाइव स्कोर ह्यक्रिक हीरोजह्न पर उपलब्ध है। टूनामेंट में अब शनिवार का मुकाबला और भी दिलचस्प होने जा रहा है, जिसमें पलामू पुलिस और बारालोटा इलेवन आमने-सामने होंगे।

ब्लूमिंग बड्स ग्लोबल स्कूल में दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

350 बच्चों का हुआ विस्तृत परीक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। टंडवा रोड स्थित ब्लूमिंग बड्स ग्लोबल स्कूल में आयोजित दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर गुरुवार को सफलतापूर्वक समाप्त हो गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष शिविर में आरबीएसके टीम के चिकित्सकों डॉ० तौहीद अहमद एवं डॉ० अनीश अख्तर ने नेतृत्व किया। दोनों दिनों में नर्सरी से लेकर कक्षा छः तक के लगभग 350 बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में बच्चों के शारीरिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मापदंडों की बारीकी से जांच की गई, जिसमें आंख, कान, दांत, ऊंचाई, वजन, पोषण स्तर, मानसिक विकास और सामान्य स्वास्थ्य की स्थिति का मूल्यांकन शामिल था। डॉक्टरों ने बच्चों को साफ-सफाई, स्वस्थ दिनचर्या और पौष्टिक भोजन के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। विद्यालय के निदेशक अरुंजय कुमार और प्राचार्य रंजन शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के शिविर छात्रों के समग्र विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से न केवल बच्चों की स्वास्थ्य समस्याओं का समय पर पता चलता है, स्वास्थ्य आवश्यकताओं को समझने में भी मदद मिलती है। शिविर को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक गुप्ता सिंह, जूली, अमन, राधा, शैली, प्रिया, प्रियंका, सिम्मी, हेमा, सुप्रिया, सरिता और संगीता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं स्वास्थ्य कर्मियों के रूप में एएनएम संगीता कुमारी, अजीत रवि और ने पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ अपनी भूमिका निभाई।

आइए खुशियां बांटें अभियान की गर्माहट पहुंची दो वंचित बस्तियों में, बच्चों और बुजुर्गों के चेहरे खिले

झारखंड दर्शन संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार की पहल पर चल रहे आइए खुशियां बांटे अभियान का 13 वां दिन भावनात्मक और मानवीय संवेदनाओं से भरा रहा, जब प्रशासनिक टीम डंडा गांव के मुसहर टोला और मरहटिया के उरांव टोला जैसी दो अत्यंत वंचित बस्तियों में पहुंची। दोनों समुदायों के निवासियों के बीच गर्म वस्त्र वितरित किए गए। डंडा मुसहर टोला में स्वयं एसडीएम संजय कुमार मौजूद रहे, जबकि मरहटिया के उरांव टोला में गढ़वा अंचल अधिकारी सफी आलम ने वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व किया। प्रशासन और समाजसेवियों की टीम पहले किए गए सर्वे के आधार पर चिन्हित परिवारों तक पहुंचीं और उन्हें स्वेटर, जैकेट, शॉल, टोपी, मोजे सहित आवश्यक ऊनी कपड़े प्रदान किए। बच्चों के चेहरों पर आई खुशी और बुजुर्गों के चेहरे पर मिली राहत इस बात की गवाही दे रही थी कि अभियान वास्तव में अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है। उरांव टोला मुख्यतः जनजातीय परिवारों की बस्ती है, जबकि डंडा का मुसहर टोला महादलित समाज की सबसे कमजोर आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। इन दोनों क्षेत्रों में ठंड से निपटने के लिए गर्म कपड़ों की अत्यधिक आवश्यकता थी, जिसे प्रशासन, स्वयंसेवी नागरिकों और दानदाताओं के सहयोग से पूरा किया गया। एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि अभियान का उद्देश्य है कि सर्दी से कोई भी परिवार परेशान न हो और हर जरूरतमंद तक सहायता समय पर पहुंचे। उन्होंने समाज के लोगों से इस मानवीय अभियान से जुड़ने की अपील की। वितरण कार्यक्रम में कंचन प्रसाद, अनिल कुमार, अखिलेश कुमार, नीरज पांडे, प्रिंस कुमार, राजकुमार समेत कई स्थानीय लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हार्ट सर्जरी के दौरान डॉ. संतोष कुमार का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

हरिहरगंज। हरिहर उदार्ना गांव निवासी और टंडवा स्थित आर्यन क्लीनिक के संचालक डॉ० संतोष कुमार का दिल्ली में हार्ट सर्जरी के दौरान निधन हो गया। वे मात्र पांच दिन पहले ऑपरेशन कराने दिल्ली गए थे, जहां ऑपरेशन के दौरान अचानक उनकी हालत बिगड़ गई और डॉक्टरों के भरसक प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन की खबर उदार्ना पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। माताझ्रपिता, पत्नी गुड़िया देवी और परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए। स्थानीय लोगों और मरीजों के बीच भी गहरा शोक है, क्योंकि डॉ० संतोष कुमार एक सरल स्वभाव वाले और सेवाभावी चिकित्सक के रूप में जाने जाते थे। उनका अंतिम संस्कार उदार्ना गांव के समीप श्मशान घाट पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। दाह संस्कार में उनके पिता देवनंदन मेहता, पूर्व प्रमुख अखिलेश मेहता, पिंटू मेहता, डॉ० अनुज वर्मा, डॉ० सुनील वर्मा, डॉ० अरुण वर्मा, कमलेश मेहता, विमलेश मेहता और वीरेंद्र मेहता सहित कई लोग शामिल हुए।

विरोध फोर्थ ग्रेड बहाली में गड़बड़ी के विरोध में सड़क पर उमड़ा जनसैलाब

भीम आर्मी ने संभाला मोर्चा, छात्रों ने कहा, भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में फोर्थ ग्रेड बहाली प्रक्रिया में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों, प्रशासनिक अपारदर्शिता और अनियमितताओं के खिलाफ बड़ा जनविरोध देखने को मिला, जब सैकड़ों छात्रों ने सड़कों पर उतरकर जिला प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस विरोध रैली को भीम आर्मी भारत एकता मिशन का पूर्ण समर्थन मिला, जिसके जिला अध्यक्ष चंदू राम समेत संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता छात्रों के साथ मजबूती से खड़े दिखे। रैली में शामिल छात्रों ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन द्वारा बहाली प्रक्रिया में गंभीर स्तर पर हेराफेरी की जा रही है, जिससे योग्य अभ्यर्थियों के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। भीम आर्मी के नेतृत्व ने कहा कि बहाली प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्टता का घोर अभाव है। कुछ अधिकारी इस नियुक्ति प्रक्रिया को अवसर बनाकर अनुचित गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य है। विरोध प्रदर्शन में आजाद समाज पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अजय सिंह चेरो और प्रदेश प्रवक्ता राम कुमार रवि ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि पूरी बहाली प्रक्रिया की व्यापक जांच कर दोषियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और परीक्षा-आधारित नहीं बनाया गया, तो भीम आर्मी और छात्र मिलकर बड़े और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस रैली में भीम आर्मी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता, डॉ० अंबेडकर छात्रावास के छात्र और जिलेभर से आए अनेक छात्र-छात्राएं शामिल होकर एकजुटता और संघर्ष का संदेश दिया।

बैरिया चौक में नवनिर्मित यातायात पुलिस चेक पोस्ट का भव्य उद्घाटन, पुलिसकर्मियों में खुशी की लहर

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के अत्यधिक व्यस्त बैरिया चौक पर नवनिर्मित यातायात पुलिस चेक पोस्ट का उद्घाटन गुरुवार को गरिमामयी माहौल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा और पुलिस अधीक्षक रिश्मा रमेशन ने लाल फीता काटकर नए चेक पोस्ट को जनता को समर्पित किया। उद्घाटन के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों में खास उत्साह देखने को मिला, क्योंकि यह चेक पोस्ट लंबे समय से पुलिसकर्मियों की आवश्यकता और मांग रहा था। शहर के प्रमुख यातायात केंद्र पर निर्मित यह आधुनिक पिकेट पुलिसकर्मियों के लिए सुरक्षित और सुदृढ़ कार्यस्थल साबित होगा। आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि पुराना पिकेट अत्यंत जर्जर स्थिति में था, जिससे ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नए पिकेट के निर्माण से अब यातायात व्यवस्था और बेहतर ढंग से संचालित हो सकेगी तथा जवानों को कार्य के बीच विश्राम और सुरक्षा दोनों मिलेंगे। पुलिस अधीक्षक रिश्मा रमेशन ने कहा कि यातायात व्यवस्था शहर की धड़कन होती है और इसकी सुचारू संचालन में पुलिस जवानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नया पिकेट उन जवानों के लिए बड़ी राहत है जो दिन-रात सड़क पर अपनी ड्यूटी निभाते हुए शहर को सुरक्षित और अनुशासित रखते हैं। इस अवसर पर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, डीएसपी राजीव रंजन, ट्रैफिक प्रभारी सतेंद्र दुबे, टीओपीझ्र1 प्रभारी इंद्रदेव पासवान सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, स्थानीय दुकानदार और नागरिक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और प्रशंसा का वातावरण छाया रहा।

संक्षिप्त खबरें

डफी के पांच विकेट से वेस्टइंडीज धराशायी, न्यूजीलैंड ने दर्ज की डब्ल्यूटीसी चक्र की अपनी पहली जीत

वेलिंगटन। वेलिंगटन टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराकर 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज जैकब डफी ने दूसरी पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए, जिसके चलते वेस्टइंडीज मात्र 128 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड को मिले 56 रनों के लक्ष्य को टीम ने चाय से पहले ही हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। वेस्टइंडीज इस चक्र में सात में से छह मैच हार चुकी है और अब भी जीत से दूर है। तीसरे दिन शुक्रवार की सुबह ब्रैंडन किंग (22) के रन-आउट से शुरू हुए विकेट पतन ने जल्द ही वेस्टइंडीज टीम को बैकफुट पर ला दिया। शाई होप उसी ओवर में आसान कैच दे बैठे, जबकि कप्तान रोस्टन चेज भी डफी की उछाल लेती गेंद का शिकार बने। कवेम हॉज (35) और जस्टिन ग्रीव्स (25) ने थोड़ी कोशिश जरूर की, लेकिन 31वें ओवर में हॉज का पुल शॉट सबस्टिट्यूट विल यंग ने बेहतरीन कैच में बदल दिया। 88/6 के बाद जीत की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी। डफी और रे ने मिलकर बाकी काम निपटा दिया। डफी ने 5-38 के आंकड़े के साथ पारी खत्म की।

आईओसी ने रूसी युवा टीमों और खिलाड़ियों की वापसी का दिया सुझाव

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को रूस और बेलारूस को वैश्विक खेलों में पुनः शामिल करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों को सलाह दी कि वे इन देशों की युवा टीमों और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्रगान के साथ प्रतिस्पर्धा की अनुमति दें। आईओसी ने अपने बयान में कहा, खिलाड़ियों को दुनिया भर में खेल तक पहुंच और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर प्रतिस्पर्धा करने का मूल अधिकार है। यह संदेश रूस और इजराइल दोनों में स्वागत योग्य माना जा रहा है, जहां हाल के समय में खिलाड़ियों को भेदभाव का सामना करना पड़ा है। यह अपडेटेड रणनीति ओलंपिक समिट में तय की गई, जिसकी अध्यक्षता आईओसी प्रमुख किर्स्टी कोवेंट्री ने की। आईओसी ने स्पष्ट किया कि इन सिफारिशों को लागू करने में समय लग सकता है और प्रत्येक खेल संगठन अपने स्तर पर यह तय करेगा कि युवा इवेंट की परिभाषा क्या होगी। आईओसी ने यह भी दोहराया कि रूस को अभी भी किसी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी नहीं दी जानी चाहिए, हालांकि खिलाड़ियों की भागीदारी पर नरमी बढ़ाई जा रही है। यह सिफारिश विशेष रूप से डकार 2026 यूथ ओलंपिक गेम्स पर भी लागू होने की बात कही गई है। वर्तमान में रूस की ओलंपिक समिति निलंबित है और वह अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के साथ भाग नहीं ले सकती। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से रूस की टीमें फुटबॉल, एथलेटिक्स सहित कई खेलों से बाहर हैं। कुछ रूसी और बेलारूसी खिलाड़ी सर्दियों के खेलों में न्यूट्रल स्टेटस के साथ वापसी शुरू कर चुके हैं। पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक में भी कुछ रूसी और बेलारूसी खिलाड़ी बिना झंडे-गान के न्यूट्रल के रूप में खेले थे, जबकि टीम इवेंट में इन देशों पर प्रतिबंध जारी रहा। 2023 में जब यूरोपीय फुटबॉल संघ (यूएफा) ने रूसी अंडर-17 टीमों की वापसी की कोशिश की थी, तब 12 से अधिक सदस्य देशों के बहिष्कार के कारण उसे नीति वापस लेनी पड़ी थी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025: नितीश रेड्डी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ ली हैट्रिक

पुणे। आंध्र के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में मध्य प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक ली। नितीश ने एमपी की पारी के तीसरे ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट चटकाए। उन्होंने सबसे पहले गवली को बोल्ड किया, फिर भाटिया को कैच आउट कराया और तीसरी गेंद पर पाटीदार का स्टंप उखाड़ कर उन्हें चलता किया। उनकी इस घातक गेंदबाजी से मध्य प्रदेश की टीम 113 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 14 रन पर 3 विकेट खो दिए। हालांकि इसके बाद ऋषभ चौहान (47) और राहुल बाथम (35) ने मध्यप्रदेश को 4 विकेट से जीत दिला दी।

आईजीयू एजीएम के बाद अध्यक्ष ने कहा- नॉर्थ-ईस्ट में गोल्फ का विकास अगली प्राथमिकता

एजीएम में 15 स्टेट गोल्फ एसोसिएशन ने हिस्सा लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का बड़ा एजेंडा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में गोल्फ को बढ़ावा देना और उसका विकास करना है। यह घोषणा आईजीयू के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन की 65वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद यहां इंडिया हबिटैट सेंटर में की।

एजीएम में 15 जुड़े हुए स्टेट गोल्फ एसोसिएशन असम, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, मेघालय, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, राजस्थान, मिजोरम, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश ने भागीदारी की।

मीटिंग का एजेंडा गवर्निंग काउंसिल की एनुअल रिपोर्ट को अपनाने, पिछली एजीएम के मिनट्स को कन्फर्म करने, फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के ऑडिटेड स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट्स को मंजूरी देने, ऑडिटर की नियुक्ति करने और उनकी सैलरी तय करने के साथ-साथ चेयर की अनुमति से किसी भी अन्य प्रासंगिक विषय पर चर्चा करने पर केंद्रित था।

बृजिंदर सिंह ने कहा, हमारी एजीएम बहुत अच्छी रही। हमारे पास नॉर्थ-ईस्ट से हमारे डेलीगेट्स आए थे, जो पहले गैर-मौजूद थे और लंबे समय से

मेनस्ट्रीम गोल्फ का हिस्सा नहीं थे। हम उन्हें साथ पाकर बहुत उत्साहित थे। जहां तक गोल्फ की बात है, यह एक संभावनाओं से भरा स्पोर्ट्स है। हमने उनसे वादा किया है कि हम वहां गोल्फ ले जाएंगे और गोल्फ को डेवलप करेंगे और यह पक्का करेंगे कि वहां के ग्रासरूट लेवल के खिलाड़ियों और बच्चों को उत्कृष्ट श्रेणी की सुविधा मिले। असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा राज्यों को सेवन सिस्टर्स कहा जाता है। यहां इस इलाके की खूबसूरत जगहों पर ब्रिटिश जमाने के बहुत सारे कोर्स हैं। उन्होंने कहा, यह भारत के सबसे खूबसूरत हिस्सों में से एक है, लेकिन गोल्फ के मामले में यह सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाने वाला हिस्सा भी है। हम अपने कोच और सामान वहां ले जाएंगे ताकि यह पक्का हो सके कि आने वाले समय में नॉर्थ-ईस्ट से कम से कम एक चैंपियन जरूर आए। जहां तक आईजीयू की बात है, हम बहुत सारे प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं। हम एसजीएएस को भारत के सभी हिस्सों में गोल्फ ले जाने के लिए पूरी फाइनेंशियल मदद दे रहे हैं। हम ब्रिटिश जमाने के कोर्स के बारे में बहुत सुन रहे हैं और हमारी टीम वहां जाएगी और एक नया डायमेंशन भी खोजेगी और उस राज्य के टूरिज्म को बढ़ावा देगी।

एजीएम में शामिल होने वाले प्रमुख सदस्यों में आईजीयू प्रेसिडेंट बृजिंदर सिंह, ऑनरेरी सेक्रेटरी शशांक संधू, ऑनरेरी ट्रेजरर संजीव रतन और डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल (रिटायर्ड) विभूति भूषण शामिल थे। इसके अलावा, गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हरपुनीत सिंह संधू, मानव जैनी, सिमरजीत सिंह, वंदना अग्रवाल, वीरेन घुम्मन, समीर सिन्हा और मानव दास भी एजीएम में उपस्थित रहे। गवर्निंग काउंसिल मेंबर और आईजीयू के नॉर्थ-ईस्ट रीजन के चेयरमैन नागेश सिंह ने मीटिंग में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

मीटिंग के दौरान, उपस्थित सदस्यों ने स्वर्गीय प्रकाश भंडारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक मिनट का मौन रखा। प्रकाश भंडारी 2004-05 में आईजीयू प्रेसिडेंट थे और भारतीय गोल्फ के विकास में उनका योगदान अमूल्य माना जाता है।

2024-25 सीजन के दौरान, इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने गोल्फ के विकास और प्रतियोगिताओं के विस्तार में महत्वपूर्ण कदम उठाए। इस सीजन में आईजीयू ने 32 घरेलू टूनार्मेंट और 48 फीडर इवेंट्स आयोजित किए, साथ ही भारतीय टीमों को पेरिस ओलंपिक 2024 समेत 15 अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट्स में भाग लेने भेजा।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी का तूफानी शतक

भारत ने यूएई के खिलाफ बनाए 433 रन

एजेंसी

दुबई। पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2025 की शुआत भारतीय टीम के तूफानी प्रदर्शन के साथ हुई, जहां मात्र 14 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए 95 गेंदों पर 171 रन ठोक दिए। उनके इस विस्फोटक शतक की बदौलत भारत ने शुक्रवार को आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में खेले गए ग्रुप-ए मुकाबले में यूएई के खिलाफ 50 ओवर में 6 विकेट पर 433 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यूएई के कप्तान यायिन राई ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था।

हालांकि, भारत की शुरूआत खराब रही और कप्तान आयुष म्हात्रे सिर्फ 4 रन बनाकर तीसरे ओवर में आउट हो गए। इसके बाद सूर्यवंशी को एरॉन जारुर्ज का साथ मिला और दोनों ने मिलकर यूएई गेंदबाजों की जमकर खबर ली। शुरूआती संभलकर खेलने के बाद सूर्यवंशी ने गियर बदला और आक्रामक मोड में जाते हुए मात्र 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने पारी के दौरान 9 चौके और 14 छक्के जड़ते हुए यूएई के गेंदबाजों पर कहर बरपाया। सूर्यवंशी ने अंडर-19 एशिया कप में एक पारी में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। यह रिकॉर्ड इससे पहले अफगानिस्तान के दरविश रसूली (10 छक्के, 2017) के नाम था। सूर्यवंशी ने

56 गेंदों में शतक, 84 गेंदों में 150 रन पूरे किए और अंत में 95 गेंदों में 171 रन बनाकर रन आउट हुए। यह पारी युवा वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पहला रिकॉर्ड 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ अंबाती रायुडू (177) के नाम है। भारत की पारी में एरॉन जॉर्ज (69), विहान मल्होत्रा (69), वेदांत त्रिवेदी (38), अभियज्ञान कुंडु (32) और कनिष्क चौहान (28) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने यूएई को जीत के लिए 434 रन का विशाल लक्ष्य दिया है।

विनेश फोगाट ने वापस लिया संन्यास का फैसला

करीब एक साल बाद फिर से मैट पर लौटने का फैसला लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास से बाहर आने का बड़ा फैसला किया है। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल मुकाबले से पहले वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण डिसक्वॉलिफाई होने के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन अब वह दोबारा लौट रही हैं और 2028 लॉस एंजेलिस (एलए) ओलंपिक में हिस्सा लेंगी। पेरिस ओलंपिक में विनेश का स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले सुबह के वजन परीक्षण में 100 ग्राम अधिक वजन पाया गया था, जिसके चलते उन्हें फाइनल से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने इस फैसले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में चुनौती भी दी, लेकिन नतीजा नहीं बदला। इसके ठीक बाद 8 अगस्त 2024 को उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

करीब एक साल बाद विनेश ने शुक्रवार को फिर से

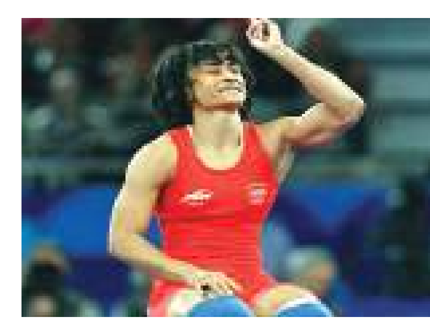

मैट पर लौटने का फैसला लिया। इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा, लोग पूछते रहे कि क्या पेरिस मेरी आखिरी लड़ाई थी। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से और अपनी महत्वाकांक्षाओं से थोड़ी दूरी चाहिए थी। कई सालों बाद मैंने खुद को आराम करने दिया।

उन्होंने आगे लिखा,मैंने अपनी यात्रा के भार को समझने के लिए वक्त लिया–उतार-चढ़ाव, त्याग, और वो पहलू जो दुनिया ने नहीं देखे। इसी चिंतन में मुझे सच्चाई मिली–मैं अभी भी इस खेल से प्यार करती हूं। मैं अब भी प्रतियोगिता करना चाहती हूं।

पुणे ग्रैंड टूर 2026: भारत की पहली यूसीआई 2.2 रेस ने आकर्षित किए चार महाद्वीप, नजर अब पुणे पर

यूके, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देश होंगे शामिल

एजेंसी

पुणे। भारत पहली बार यूनियन साइक्लिस्ते इंटरनेशनेल (यूसीआई) 2.2 श्रेणी की बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 (कॉन्टिनेंटल टीम्स मेन्स एलीट रोड साइक्लिंग रेस) की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह आयोजन न केवल भारतीय खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है, बल्कि भारत को वैश्विक साइक्लिंग मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दिलाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा।

19 से 23 जनवरी तक होने वाली यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग सीजन की औपचारिक शुरूआत करेगी। पहले ही संस्करण में चार महाद्वीपों से 28 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने भागीदारी में रुचि दिखाई है, जिनमें यूरोप, एशिया, ओशिनिया और अमेरिका के

शीर्ष साइक्लिंग राष्ट्र शामिल हैं।

भारत इंडिया ए और इंडिया बी नाम से दो राष्ट्रीय टीमों को मैदान में उतारेगा, जबकि कुल 4 राष्ट्रीय टीमों और 24 कॉन्टिनेंटल टीमों की उपस्थिति इस आयोजन को विश्वस्तरीय बनाएगी। इस ऐतिहासिक पहल का श्रेय पुणे जिला प्रशासन को जाता है, जिसे महाराष्ट्र सरकार से निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

चार चरणों की यह बहु-दिवसीय रेस कुल 437 किमी की दूरी तय करेगी, जो पुणे की आधुनिक शहरी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और सह्याद्री की प्राकृतिक भव्यता का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करेगी। इस आयोजन का उद्देश्य साइक्लिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुणे के पर्यटन, पर्यावरणीय जागरूकता और बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करना है।

पुणे ज़िलाधिकारी एवं पुणे ग्रैंड टूर के प्रभारी अधिकारी जितेंद्र डूडी ने कहा,पहले वर्ष में ही वैश्विक स्तर से मिले अद्भुत प्रतिसाद ने हमें अत्यधिक गौरवान्वित किया है। यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे अग्रणी साइक्लिंग राष्ट्रों ने न केवल रुचि दिखाई है, बल्कि कई टीमों ने अपनी सहभागिता भी पक्की कर दी है।

फेडरर की शानदार वापसी, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के उद्घाटन समारोह में दिखेगा जलवा

संवाददाता

मेलबर्न। स्विट्जरलैंड के टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर जनवरी 2026 में एक बार फिर अपने हैप्पी स्लैमकी ओर लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि फेडरर टूर्नामेंट के आधिकारिक उद्घाटन के लिए होने वाले बैटल ऑफ द वर्ल्ड नंबर 12 इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे।

रिटायरमेंट के बाद पहली बार वे 2022 के बाद रॉड लेवर एरीना में नजर आएंगे। मेलबर्न पार्क में पहली बार आयोजित किया जा रहा यह विशेष ओपनिंग सेरेमनी 18 जनवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से एक दिन पहले होगी। इसमें फेडरर को विशेष सम्मान भी दिया जाएगा। फेडरर छह बार नॉर्मन ब्रूक्स ट्रॉफी जीत चुके हैं और उनके नाम कुल 20 ग्रैंड स्लैम खिताब दर्ज हैं।

इस खास मुकाबले में फेडरर के साथ चार बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आंद्रे अगासी, ऑस्ट्रेलिया के पैट राफ्टर और लेटन हेविट भी कोर्ट पर उतरेंगे। फेडरर ने कहा,काफी समय पहले मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन को हैप्पी स्लैम कहा था, और आज भी इस नाम को याद करके मुस्कान आ जाती है। मैंने रॉड लेवर एरीना पर कई तरह की भावनाएं महसूस की हैं–छह बार नॉर्मन उठाने की खुशी, खुद रॉड लेवर के सामने खेलने का सम्मान, दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संघर्ष और ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों का अपार प्यार।

व्यापार

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

निवेशकों ने कमाए 3.61 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज (शुक्रवार) लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज (शुक्रवार) के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख भी बन गया। शुक्रवार दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे शेयर बाजार की चाल में दोबारा तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। जानकारों का कहना है कि ग्लोबल बाजारों के मजबूत संकेतों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत से मार्केट में आज पॉजिटिव सेंटीमेंट बन गए। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी मार्केट सेंटीमेंट्स को पॉजिटिव सपोर्ट मिला। भारतीय बाजार के लिहाज से देखें, तो इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (वीआईएक्स) 2.5

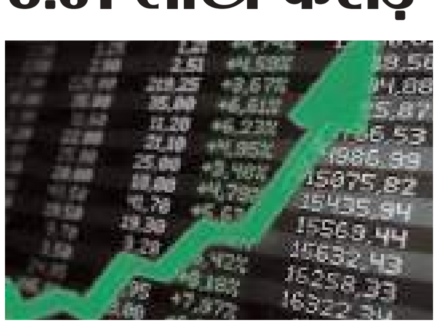

प्रतिशत तक गिर गया।

आज के कारोबार के दौरान मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी के मेटल इंडेक्स ने 2.63 प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके अलावा निफ्टी का रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग इंडेक्स में भी 1 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती का रुख नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए थे। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा, जिसके करण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,901 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,591.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 48,823.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,703.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,085.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 164.47 अंक यानी 0.68 प्रतिशत उछल कर 24,294.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है।

नए शिखर पर पहुंची चांदी

संवाददाता

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में तेजी का रुख जारी है। पिछले दो दिनों में ही इस चमकीली धातु की कीमत में 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है, जिसकी वजह से इस चमकीली धातु के भाव नए शिखर पर पहुंच गए हैं। आज की इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 2,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 2,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 2,00,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,01,200 रुपये प्रति

किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,01,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,01,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,09,100 रुपये के स्तर पर पहुंची हुई है।

कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी के भाव में अभी और भी मजबूती आने की संभावना बनी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बिगड़ी, वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत और बिगड़ गई। किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। खालिदा का इलाज राजधानी ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। बीएनपी नेत्री खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। 23 नवंबर से इस अस्पताल में भर्ती 80 वर्षीय खालिदा जिया को इस वक्त इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। इलेक्टिव वेंटिलेटर सपोर्ट का मतलब है कि योजनाबद्ध तरीके से या सर्जरी से पहले मरीज को सांस लेने वाली मशीन (वेंटिलेटर) का सहारा देना। जब डॉक्टर को पता होता है कि एनेस्थीसिया या ऑपरेशन के कारण मरीज खुद से सांस नहीं ले पाएगा। इलेक्टिव एक योजनाबद्ध और पूर्व तय चिकित्सा प्रक्रिया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रात से खालिदा जिया की हालत कुछ ज्यादा गंभीर है। उनका सावधानी से इलाज चल रहा है। उनके उच्च इलाज के लिए गठित मेडिकल बोर्ड कहा कि उनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया है। उन्हें नियमित डायलिसिस की जरूरत है। मेडिकल बोर्ड की ओर से प्रो. डॉ. शहाबुद्दीन तालुकदार ने गुरुवार देररात स्थिति का विश्लेषण करते हुए बयान जारी किया है। इसमें लोगों से जिया के बारे में अफवाह न फैलाने की अपील की गई है।

लोकसभा में शिवराज पाटिल व संसद हमले में शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज 10वां दिन है। लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे के बाद पुनः शुरू हो गई, पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल हैं। इससे पहले आज सुबह लोकसभा अध्यक्ष और अन्य नेताओं ने पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल और 13 दिसंबर 2001 के संसद हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया था। इससे पहले, विपक्षी पार्टी कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज संसद भवन के एनेक्सी एक्सटेंशन बिल्डिंग में कांग्रेस के लोकसभा सांसदों की रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की। इस बैठक में पार्टी के सांसदों ने विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। आज संसद में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्रीक्षण के मुद्दे पर जोरदार बहस होने की संभावना है, जो पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है।

शिवराज पाटिल को राज्यसभा में दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर राज्यसभा में सदस्यों ने शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री के उपस्थित नहीं रहने के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। दरअसल, शुक्रवार को राज्यसभा में जब सभापति सीपी राधाकृष्णन जरूरी कागज सदन में रखवा रहे थे, तब विपक्षी सदस्यों ने तत्काल स्थगन की मांग करते हुए इस स्थिति को सदन का अपमान बताया। सभापति राधाकृष्णन ने आपत्ति स्वीकार करते हुए कहा कि वे इस मामले को सरकार के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं प्रक्रिया समझता हूं। मैंने मंत्री से अनुरोध किया है। मंत्रिमंडल के किसी एक मंत्री को आना चाहिए।' इसके बाद कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित किया गया। पूर्वाह्न 11:15 बजे जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कैबिनेट मंत्रियों की अनुपस्थिति पर खेद जताया। उन्होंने बताया कि वे लोकसभा में पूर्व लोकसभा स्पीकर और पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि देने गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि सदन के नेता जेपी नड्डा लोकसभा में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए मौजूद थे।

जापान में 6.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान में आज रिक्टर स्केल पर दर्ज किए गए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद देश के उत्तर-पूर्व में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। भूकंप जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तर में आओमोरी प्रांत के पूर्वी तट से 20 किलोमीटर की गहराई पर स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार सुबह 11:44 बजे आया। जापान टुडे अखबार की रिपोर्ट में जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी गई। एजेंसी ने कहा कि होक्काइडो, आओमोरी, इवाते और मियागी प्रांतों के प्रशांत तट पर एक मीटर तक की सुनामी आ सकती है। इससे पहले इस सप्ताह की शुरूआत में सोमवार को 7.5 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। होन्शू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रांत आओमोरी के तट पर आए इस भूकंप में कम से कम 34 लोग घायल हो गए थे। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि सोमवार के भूकंप के बाद टोक्यो के ठीक पूर्व में चिबा से लेकर होक्काइडो तक जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर 8 तीव्रता के भूकंप और संभावित सुनामी आने का खतरा भी थोड़ा बढ़ गया है। एजेंसी ने इलाके की 182 नगर पालिकाओं के निवासियों से आने वाले हफ्ते में सावधान रहने का आग्रह किया है।

इंडिगो संकटः डीजीसीए ने 4 उड़ान संचालन निरीक्षकों को पदमुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के संकट के 11वें दिन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को चार उड़ान संचालन निरीक्षकों (एफओआई) को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया। इसके बाद ये सभी अधिकारी अपने मूल कंपनियों में वापस लौट जाएंगे।

डीजीसीए द्वारा हटाए गए एफओआई में ऋषभ राज चटर्जी (संविदा सहायक मुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक), सीमा झामनानी (वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक), अनिल कुमार पोखरियाल और प्रियम कौशिक (दोनों संविदा उड़ान संचालन निरीक्षक) शामिल हैं। आदेश में इन निरीक्षकों के सरकारी ई-मेल और ई-ऑफिस खातों को तत्काल निष्क्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं।

उड़ान संचालन निरीक्षक देश में हवाई सुरक्षा ढांचे के अहम हिस्सा होते हैं और विमान कंपनियों का निरीक्षण, पायलट परीक्षाएं तथा कॉकपिट में अचानक जांच जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन करते हैं। ये अधिकारी इंडिगो के ऑपरेशनल चेक, सेफ्टी ओवरसाइट और नियमों के क्रियान्वयन की सीधी निगरानी कर रहे थे।

इस बीच, इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन डीजीसीए के सामने पेश होंगे। गुरुवार को उनसे करीब दो घंटे तक ऑपरेशंस, क्रू मैनेजमेंट, रिफंड और मुआवजे से जुड़े सवालों पर पूछताछ की गई थी।

उल्लेखनीय है कि इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को बेंगलुरु हवाईअड्डे से इंडिगो की 54 उड़ानें रद्द हुईं, जिनमें 31 आगमन और 23 प्रस्थान उड़ानें शामिल थीं। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली और बेंगलुरु में 200 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं। लगातार उड़ानें रद्द होने से हजारों यात्री प्रभावित हुए हैं। केंद्र सरकार पहले ही कंपनी को यात्रियों के रिफंड में तेजी लाने और टिकटों के बढ़ते दाम पर नियंत्रण रखने के निर्देश दे चुकी है।

मणिपुर के सेनापति जिले में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने की अपील

आदिवासी समुदाय के लिए विकास के अवसरों को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी

सेनापति (मणिपुर)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर के सेनापति जिले में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के आदिवासी समुदायों के लिए विकास के अवसरों को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताते हुए लोगों से शांति, समझ और पुनर्मिलन के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मणिपुर के आदिवासी समुदायों के लिए सम्मान, सुरक्षा और विकास के अवसर सुनिश्चित करना और उन्हें देश की प्रगति में अधिक से अधिक भागीदार बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस दौरान मणिपुर के आदिवासी क्षेत्रों में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई

परियोजनाओं की नींव रखी। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने इन इलाकों में सड़कों, पुलों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास में भारी निवेश किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रधानमंत्री जनजातीय कल्याण मिशन (पीएम जनमन) के तहत आदिवासी समुदायों के लिए विभिन्न योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य आदिवासी समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। राज्य की ताकत उसकी विविधता में है, जिसमें उसकी संस्कृति, भाषाएं और परंपराएं शामिल हैं।

उन्होंने राज्य के विभिन्न समुदायों से शांति और समृद्धि की दिशा में एकजुट होकर काम करने की अपील की। राष्ट्रपति ने मणिपुर के लोगों के लिए शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी बताया।

इस मौके पर उन्होंने राजधानी इम्फाल के नुपी लाल स्मारक परिसर में राज्य की वीर बलिदानी महिलाओं को श्रद्धांजलि भी दी। यह स्मारक उन महिलाओं की वीरता और बलिदान को याद करने के लिए बनाया गया है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन और सामंती ताकतों के खिलाफ संघर्ष किया।

राहुल गांधी ने संसद में प्रदूषण के मुद्दे पर व्यापक चर्चा की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में शुक्रवार को देश के बड़े शहरों में प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से इस पर संसद में व्यापक चर्चा कराकर अगले 5 से 10 साल में चरणबद्ध तरीके प्रदूषण से निपटने के लिए विस्तृत खाका पेश करने की मांग की।

राहुल गांधी ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि हमारे देश के अधिकांश बड़े शहरों के लोग अब जहरीली हवा की मोटी चादर में जी रहे हैं। इससे करोड़ों बच्चों के फेफड़े खराब हो रहे हैं, उनका भविष्य खतरे में है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं, बुजुर्गों को सांस लेने में समस्या हो रही है। यह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की सहमति है। यह कोई वैचारिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह मुद्दा हमारे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि इस सदन में मौजूद हर व्यक्ति इस बात से सहमत है कि यह हमारे लोगों के लिए बहुत खतरनाक है। हम इससे समझौता कर रहे हैं। यह बहुत जरूरी है कि सरकार हमारे शहरों में प्रदूषण को खत्म करने के लिए योजना बनाए। हम ऐसी योजना बनाने में सरकार की मदद करने के लिए एकमत हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि सदन में इस विषय पर चर्चा के बाद प्रधानमंत्री को हर शहर के लिए एक योजना पेश करनी चाहिए, जिसमें अगले 5 से 10 सालों में चरणबद्ध तरीके से प्रदूषण से निपटने के लिए कार्य किया जाएगा। यह देश के लोगों के लिए बहुत जरूरी है।

अमित शाह व मोहन भागवत ने अंडमान-निकोबार में किया वीर सावरकर की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी

श्री विजयपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर की प्रतिमा का अनावरण किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज दोपहर करीब 2:30 बजे दक्षिण अंडमान के श्री विजयपुरम में क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी विचारक वीर सावरकर की प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह के दौरान सरसंघचालक डॉ. भागवत ने प्रतिमा के मूर्तिकार अनिल सुतार को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में

उपस्थित लोगों मौजूद रहे।

इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट साझा किया- स्वातंत्र्यवीर सावरकर उन बिरले क्रांतिकारियों में थे, जिन्होंने स्वाधीनता संग्राम को भौतिक और वैचारिक रूप से समानांतर आगे बढ़ाया। मातृभूमि की स्मृति में उनके द्वारा लिखित अमर गीत सागरा प्राण तलमलला के 115 साल पूरे होने पर श्री विजयपुरम (अंडमान और निकोबार) में आयोजित समारोह में शामिल होकर उनकी स्मृति को नमन करने के लिए उत्सुक हूं।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सरकार ने वीर सावरकर को काला पानी की सजा के तहत साल 1911 में पोर्ट ब्लेयर (जिसे अब श्री विजयपुरम के नाम से जाना जाता है) की सेलुलर जेल में कैद किया था।

सीएम रेखा गुप्ता ने सिख दंगा पीड़ित 36 परिवारों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में 1984 के सिख दंगों से प्रभावित 36 परिवारों के परिजनों को मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। यह केवल नौकरी देने का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि उन परिवारों के लंबे इंतजार और संघर्ष को सम्मान देने की एक ठोस पहल है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 1984 सिख दंगा हमारे इतिहास का एक अत्यंत दर्दनाक अध्याय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पीड़ित परिवारों को न्याय और

सम्मान दिलाने के निरंतर प्रयास किए गए हैं। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार प्रभावित परिवारों को सम्मानजनक आजीविका और सुरक्षित भविष्य देने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर लाल किले पर आयोजित समागम हमारे लिए सेवा और कर्तव्य का अवसर था। आज उसी सेवा के लिए परिवारों से मिला स्नेह और सम्मान मेरे लिए अत्यंत भावुक क्षण रहा। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले 19 परिवारों को नियुक्ति पत्र दिए गए थे और आज 36 और परिवारों को नौकरी प्रदान की गई है। ये नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार उनके साथ खड़ी है और उन्हें सम्मान के साथ आगे बढ़ने का हर अवसर उपलब्ध करा रही है।

शिवराज पाटिल के निधन पर अमित शाह, गडकरी व अन्य ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित तमाम नेताओं शोक व्यक्त किया। इन नेताओं ने एक्स पर पाटिल के लंबी अवधि के सार्वजनिक जीवन को, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और सांसद के रूप में उनके योगदान को याद किया और उनके परिवार, शुभचिंतकों एवं अनुयायियों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल चाकूरकर के निधन से दुखी हूं। दशकों तक सार्वजनिक कार्यों में उनका गहरा अनुभव और समर्पण था। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक संवेदना है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पाटिल के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। लोकसभा अध्यक्ष पद सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्री पदों पर रहते हुए उन्होंने प्रशासनिक कौशल और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पूर्व गृहमंत्री, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के निधन से गहरा दुःख है। वे देश और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति समर्पित थे। उन्होंने उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल का जाना पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके जनसेवा के प्रति समर्पण और राष्ट्र के लिए योगदान हमेशा याद किए जाएंगे।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पाटिल एक सक्षम प्रशासक थे, जिन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष, लोकसभा उपाध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री के रूप में दशकों तक सेवा की। वह कांग्रेस पार्टी के स्तंभ थे और पार्टी के साथ-साथ जनता में भी बेहद सम्मानित थे। उन्होंने उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने रक्षा मंत्रालय समेत कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली और दशकों तक जनता की सेवा की। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें।

बस्तर ओलंपिक अमित शाह आज बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में होंगे शामिल

बस्तर में नक्सल विरोधी अभियान की करेंगे समीक्षा

एजेंसी

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होने पहुंच रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री के बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होने के साथ ही वे बस्तर में नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा भी करेंगे। बस्तर जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह के बस्तर प्रवास को लेकर बस्तर जिला प्रशासन भी अपने स्तर पर तैयारियों में जुटा हुआ है। उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर को ही राज्य में विष्णुदेव साय सरकार के दो साल पूरे हो रहे

हैं। पिछले वर्ष भी 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन हुआ और इस वर्ष भी 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक का समापन होगा। इसी दिन नक्सलवाद के खात्मा करने की समय-सीमा तय की गई थी। अब बस्तर के लिए 13 दिसंबर में कुछ बड़ा होने का संयोग बन रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2024 में भी 13 दिसंबर को बस्तर ओलंपिक के समापन कार्यक्रम के मंच से केंद्रीय गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक बस्तर सहित देश से नक्सलवाद का खात्मा करने की समय-सीमा तय की थी। इसके बाद से बस्तर में मिशन 2026 के तहत बड़े पैमाने पर नक्सल विरोधी अभियन चलाये गये, जिनमें जवानों को कई बड़ी कामयाबी भी मिली। पिछले दिनों आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में हुई मुठभेड़ में ढेर हुए दुर्दांत नक्सली हिड़मा के बाद बदली हुई परिस्थितियों में बस्तर के हालातों को वे करीब से आंकलन करेंगे।

मालूम हो कि पिछले वर्ष 13 दिसंबर के दिन ही बस्तर ओलंपिक के मंच से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर सहित पूरे देश से नक्सलवाद का सफाया करने 31 मार्च 2026 की समय सीमा तय की थी। मंच से उन्होंने पिछले वर्ष 2024 में कहा था कि 31 मार्च 2026 तक बस्तर सहित पूरे देश से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। नक्सलवाद का सफाये की तय समय सीमा के तहत पुलिस व सुरक्षाबलों ने मिशन 2026 के तहत ऑपरेशन चलाए। इसका नतीजा ये निकला कि कई बड़े नक्सली कैडरों को जवानों ने ढेर कर दिया। वहीं बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित

बस्तर जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार अमित शाह का 13 दिसंबर 2025 को बस्तर जिला प्रवास कार्यक्रम निर्धारित है। बस्तर जिला प्रवास दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री, की सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण जगदलपुर शहर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक के लिए नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

छत्तीसगढ़ में कई बड़े बदलाव ला सकता है अमित शाह का दौरा

गौरतलब है कि 13 दिसंबर को ही राज्य में विष्णुदेव साय सरकार के दो साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में दो सालों के कार्यकाल में राज्य सरकार के कार्यक्रमों में भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हो सकते हैं। ऐसे भी कयास लगाई जा रहे हैं कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह दौरा छत्तीसगढ़ में कई बड़े बदलाव भी लेकर आएगा। इन बदलावों को लेकर अब तक न तो सरकार की तरफ से और न ही प्रशासन की तरफ से कोई जानकारी दी गई है, लेकिन माना जा रहा है इस बार शाह का दौरा छत्तीसगढ़ में अप्रत्याशित बदलाव लेकर आ सकता है।

कफ सिरप मामले में यूपी के कई जिलों में ईडी का छापा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अवैध कफ सिरप बिक्री मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर और सहारनपुर सहित कई अन्य ठिकानों पर छापा मारा है। इसके अलावा गुजरात और झारखंड सहित कई राज्यों में 25 से अधिक ठिकानों पर भी ईडी ने छापा मारा है। ईडी मनी लॉड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही है।

लखनऊ में ईडी ने सिपाही आलोक सिंह की कोठी पर छापा मारा है। खबर लिखे जाने तक ईडी के अधिकारी दस्तावेजों के अलावा पूरी कोठी में छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार ईडी की टीमों ने वाराणसी में खोजवा, बादशाहबाग, प्रहलाद घाट, पड़ाव सहित मामले में फरार शुभम के ठिकानों पर छापमेरी की है।

जानकारी के अनुसार पूरे मामला उजागर होने पर मुख्य आरोपित शुभम जायसवाल दुबई भाग गया। उसके पिता भोला प्रसाद समेत 32 लोग इस मामले में गिरफ्त में हैं। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। यूपी के लखनऊ, वाराणसी, सहारनपुर और जौनपुर समेत कई जिलों में ईडी की कार्रवाई चल रही है। इनके अलावा झारखंड के रांची और गुजरात के अहमदाबाद में बनाए गए ठिकानों पर छापेमारी हुई है। टीम को शक है कि इन्हीं ठिकानों पर अवैध कफ सिरप का भंडारण और बिक्री के लिए आसपास के शहरों और कस्बों में सप्लाई की गई।

भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें वर्कलोड की अधिकता रिश्तों में मीलों की दूरियां बढ़ा रहा है। बढ़ती महंगाई और आपके भौतिकवादी विचार ने आज रिश्तों के बीच दूरियां कायम कर दिया है।

ये तेरा मेरा रिश्ता

आज जीवन पद्धति ने इंसान को व्यस्त कर दिया है, जिससे वो अपने किसी रिश्ते को सही से समय नहीं दे पा रहा है। आज के वैवाहिक जीवन में कपल्स शौक, जरूरत और उन्नति के लिए जॉब को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में उनको एक दूसरे के साथ रहने के लिए बहुत ही कम समय निकल पाता है। इतने कम समय में वे अपने घरेलू कामों में ही लगे रहते हैं और एक-दूसरे के लिए बहुत ही कम समय दे पाते हैं, कई बार तो ऐसा भी होता है कि ऑफिस का वर्कलोड ये अपने घर तक ले आते हैं। ये काम ऑफिस में तो इनके प्रतिद्वंदी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिला देता है, लेकिन अपने साथी से दूरियां बढ़ा देता है। ऐसी दशा में रिश्तों की शुरुआत में ही दूरियां आने लगती हैं और बहुत ही थोड़े समय में टेंशन उनके बीच आ जाती है। आजकल कपल्स मैरिड लाइफ को ज्यादा महत्व नहीं देते। ये अपने साथी को थोड़ा बहुत समय देते हैं, तो मात्र शारिरिक सुख के लिए, लेकिन ये उनका स्वार्थ होता है, प्यार नहीं।

आपका साथ है उसका विश्वास

आपका साथी हमेशा आपका साथ मांगता है, क्योंकि आपका साथ ही उसमें आत्म विश्वास भरता है, और ये आत्म विश्वास जहां रिश्तों में सम्मान लाता है, वहीं हर कदम पर आपके साथ भी रहता है। रिश्तों को जुड़े चाहे कितना भी समय हो चुका हो, उनमें रोमांस हमेशा बने रहना चाहिए। यदि आपको लग रहा कि कुछ बदलाव आ रहा है और स्थितियां पहले कि तरह नहीं है, तो आपको इस तुरंत सोचने की जरूरत है। रिश्तों को बनाने में सालों लगते हैं और टूटने में एक पल भी नहीं लगता। कई बार हम अपनी दिनचर्या में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने आस-पास हो रहे परिवर्तनों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। रिश्ते में कड़वाहट आ जाए या दूरियों के बाढ़ में ये तलाक या दो बेडरूम तक पहुंच जाए, इसके पहले ही हमें कुछ संकेत मिलने लगते हैं। यह अलग बात है कि हम लापरवाही के चलते इन पर ध्यान नहीं दे पाते। यदि आप अपने रिश्तों को टूटने से बचाना चाहते हैं तो उन संकेतों को समझने की कोशिश करें, जिनसे दूरियां बढ़ने का पता चलता है। ये संकेत आपके रिश्ते को बचाने का एक जरिया हो सकता है। इसमें काफी हद तक आपकी समझदारी आपकी हेल्प करती है।

जब साथी कर रहा नजरअंदाज

आप ये जान लीजिए कि समाज हो या आपका घर, कहीं भी अचानक कुछ नहीं होता, चीजें धीरे-धीरे बदलती हैं। इसमें आपको थोड़ा समझदारी और संयम से काम लेना चाहिए। आपकी समझदारी ही आपके परिवार को इस आग की चपेट से निजात दिला सकती है। आपके व्यस्त जीवन के कारण ही आपका दांपत्य जीवन इस कंडीशन में आ गया है, ऐसे में आपकी सार्थक सोच ही आपके घर को फिर से हरा- भरा कर सकता है। सबसे पहले तो आपको अपने पिछले कार्यों को एक बार सोचना चाहिए। आखिर ऐसी दशा कहा से बन गयी और जल्दी अपने में सुधार ला दें, इसके साथ यदि आप अपने साथी को सॉरी बोल दे तो ज्यादा बेहतर है। इसके अलावा आप अपने साथी के शारिरिक संकेतों को समझने की कोशिश करिए। क्या आपका साथी पहले की तरह आप पर ध्यान नहीं दे रहा और आपकी बातों में रुचि नहीं ले रहे हैं? आपके करीब आने पर आपका साथी असहज महसूस करता है। बेडरूम में आपको अनदेखा कर रहा है। बच्चों के मसले के अलावा और कोई विषय बातचीत का नहीं रह गया है। ये सब आप व्यक्त करना चाहें या नहीं लेकिन आपके शारीरिक संकेत बहुत कुछ कह देते हैं।

कोई और आ जाए जीवन में

ऐसे में आप दोनो पति-पत्नी के बीच प्रेम और लगाव की कमी भी रिश्तों में दूरियों के बढ़ने में अहम रोल निभाती है। अगर पहले जैसे प्यार की गरमाहट अब कहीं ढूंढने से भी नजर नहीं आ रही तो समझिए कि यह खतरे का संकेत है। यह ठीक है विवाह के शुरुआती दिनों के बाद रोमांस का खुमार धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं होता कि प्रेम बिलकुल नजर ही न आए। लेकिन आप दोनों चाहे तो आपका वैवाहिक जीवन फिर से भर सकता है।

आपसी अंडर स्टैंडिंग को बढ़ाएं

व्यवहार में बदलाव आपके बीच दूरियां बढ़ने का तीसरा संकेत है। क्या आपके साथी का अब आपकी बातों पर ध्यान नहीं जाता। गंभीर बातों को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। आपकी बातों का जवाब झुंझलाकर देते हैं। बेवजह गुस्सा करना इत्यादि। यदि ये सारे लक्षण उनके व्यवहार में नजर आ रहे हैं तो आप समझ लें कि ये खतरे की घंटी है। ऐसे में आप अपने साथी से प्यार से बात करें, आखिर वो क्यों आपसे रूठा हुआ है। यदि आपको कोई जवाब नहीं मिले तो आप गुस्सा होने की बजाय सही समय का इंतजार करें और बात करने का कोई भी मौका न गंवाएं।

जब वो रहने लगे चुप-चुप

साथी का मौन सबसे खतरनाक व्यवहार होता है, इसका आपके व्यक्तित्व पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यदि आपका साथी आपके साथ अंतरंग पल नहीं बिताना चाहता तो समझें कि दूरियां बढ़ रही हैं। बेहद कठिनाई से बाहर जाने के बने कार्यक्रम में देखते हैं कि वहां केवल आप दोनों ही नहीं, कुछ और भी परिचित हैं, जिनके बारे में आपको पता भी नहीं था।

ठंडा ठंडा कूल कूल

गर्मियों में आपका दिल करता होगा कि कुछ ठंडा हो जाए। तो आपको आज हम उस डिश से रूबरू कराने जा रहे हैं जो आपको ही नहीं आपके बच्चों का भी प्रिय है। रात के अंधेरे में या आपके कहीं चले जाने पर फ्रिज से करके वो गायब करते हैं मम्मी हमने नहीं खाया। जी हां, हम बात कर रहे हैं आप और सभी बच्चों का चहेता स्वादिष्ट आइसक्रीम के बारे में।

रोज आइसक्रीम

सामग्री : दूध (फुल क्रीम)- 1/2 लीटर, चीनी- 7 टेबल स्पून, कॉर्नफ्लोर- 3 टेबल स्पून, फ्रेश क्रीम- 3/4 कप, रोज एसेंस- 3-4 बूंद, गुलाबी रंग- 2-3 बूंद और पिस्ता- सजाने के लिए।

विधि : दूध को गर्म कर उसमें कॉर्नफ्लोर और चीनी मिलाकर 7-8 मिनट तक धीमी आंच पर उबाले। गैस बंद कर इसे ठंडा होने के लिए रख दें। फिर ब्लैंडर से झागदार होने तक फेंटे और एयर टाइट कंटेनर में जमने के लिए फ्रिज में रख दें। जब आइसक्रीम आधी जम जाए, तो इसे निकाल कर फिर से ब्लैंडर से फेंटे। फिर इसमें रोज एसेंस और गुलाबी रंग मिलाएं और अच्छी तरह फेंट कर फ्रिज में जमा दें। सर्व करते समय स्कूपर से स्कूप निकालें और पिस्ते से सजाएं।

चॉकलेट चिप्स आइसक्रीम

सामग्री : ताजी क्रीम 400 ग्राम, दूध 2 लीटर, 1 कप दानेदार शक्कर, 2 चम्मच वनीला एसेंस, कॉर्न फ्लोर 3 चम्मच, बादाम एसेंस की कुछ बूंदे, 3 चम्मच सिकी बादाम कतरन, मनपसंद चॉकलेट चिप्स 6 चम्मच, पिसी हुई चीनी 3 टी स्पून।

विधि : थोड़ा ठंडा दूध अलग रख लीजिए, शेष दूध में दानेदार शक्कर मिलाइए और पांच मिनट तक उबालिए। अलग रखे दूध में कॉर्न फ्लोर मिलाकर उबले दूध में डालिए, कुछ मिनट उबालने के बाद ठंडा कीजिए। अब वेनीला और बादाम एसेंस डालिए। पिसी हुई शक्कर के साथ क्रीम को हल्के से फेंटिए। अब इसे आइसक्रीम के मिश्रण में डालिए और अच्छी तरह मिलाइए। बादाम की कतरी और चॉकलेट चिप्स डालिए। आइसक्रीम चर्नर में चर्न करने के बाद एक घंटे के लिए फ्रीजर में जमने के लिए रख दीजिए। तैयार चॉकलेट चिप्स आइसक्रीम सर्व करें।

मैंगो विद आइसक्रीम

सामग्री : 2 आम, 5 स्कूप वनीला आइसक्रीम, 1 गिलास दूध, स्वादानुसार चीनी, 1/4 टी स्पून पिसी इलायची, 2 टी स्पून बादाम, पिस्ता और काजू के टुकड़े।

विधि : आम धोकर छिलका उतार लें। फिर छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्सी में ब्लेंड करें। अब इसमें स्वादानुसार चीनी और 1 गिलास दूध डालकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें। ठंडा होने पर आम मिश्रण को ग्लास में डालें। आइसक्रीम को फेंटकर झाग बनाते हुए ग्लास में डालें। ऊपर से मेवे डालकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

आम की आइसक्रीम

सामग्री : आम - 1 कि. ग्राम, दूध - 1 लीटर, क्रीम - 200 ग्राम, चीनी - 150 ग्राम।

विधि : सबसे पहले तो आप दूध को किसी भारी तले के बर्तन में डाल कर गरम करने रखिए और आधा रहने तक उबालिए। आम धोइए, छीलिए, दो फांके अलग रख दीजिए और बची आम की फांके और चीनी को पीस कर प्यूरी बना लीजिए। दूध को ठंडा कीजिए, आम की इस प्यूरी और क्रीम को ठंडे दूध में मिला कर फैंटिए। मिश्रण को किसी एयरटाइट कन्टेनर में डालिए और अच्छी तरह ढक्कन लगाकर 2 घंटे के लिये फ्रीजर में रख दीजिए। ध्यान रखिए कि कन्टेनर एयरटाइट ही हो। 1 घंटे बाद फ्रीजर से निकालिए और फिर से इस जमी हुई आइस क्रीम को अच्छी तरह फैंटिए ताकि आइस क्रीम के अन्दर क्रिस्टल न रहे। अलग रखी हुई आम की दो फांकों के छोटे छोटे टुकड़े करके इसी मिश्रण में मिला दीजिए। आम की आइसक्रीम खाते समय ये टुकड़े बहुत अच्छे लगेंगे। आइसक्रीम को फिर से 2 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दीजिए। आम की आइसक्रीम जमकर तैयार है। आइसक्रीम को कन्टेनर को फ्रीजर से निकालिए। ठंडी ठंडी आम की आइसक्रीम परोसिए और खाइए।

वनीला आइसक्रीम

सामग्री : 2-1/2 कप फुल क्रीम दूध, 1 टी स्पून कस्टर्ड पाउडर, 3/4 कप चीनी, 2 टी स्पून वनीला एसेंस, 400 मिली. क्रीम। सजाने के लिए आप थोड़ी चेरी या मेवे का प्रयोग कर सकती हैं।

विधि : आधा कप दूध में चीनी व कस्टर्ड मिलाएं। बचे हुए दूध को गर्म करें और जब वह उबलने लगे तो उसमें कस्टर्ड मिक्सचर मिलाएं और लगातार चलाते हुए दोबारा उबालें। जब यह उबल जाए तो आंच धीमी करके आधे मिनट तक पकाएं। फिर आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए छोड़ दें। जब मिश्रण रूम टेंपरेचर पर आ जाए तो उसमें वनीला एसेंस व क्रीम मिलाएं और एक टाइट ढक्कन वाले कंटेनर में डाल दें। इसे फ्रीजर में तब तक रखें जब तक अच्छी तरह जम न जाए फिर उसे ब्लेंडर में फेंटें और दोबारा उसी कंटेनर में डालकर फ्रीजर में रखें। कंटेनर के ढक्कन को कसकर बंद करें ताकि उसमें क्रिस्टल न बनने पाए। जब वह लगभग जम जाए तो एक बार और ब्लेंड कर लें और दोबारा फ्रीजर में रख दें। आप आखिरी बार ब्लेंड करने के बाद दो घंटों के लिए कूलिंग को नॉरमल पर एडजस्ट कर सकती हैं। आप चाहें तो इसे आइसक्रीम मशीन में भी जमा सकती हैं। इसे मेवे या चेरी से सजाकर पेश करें।

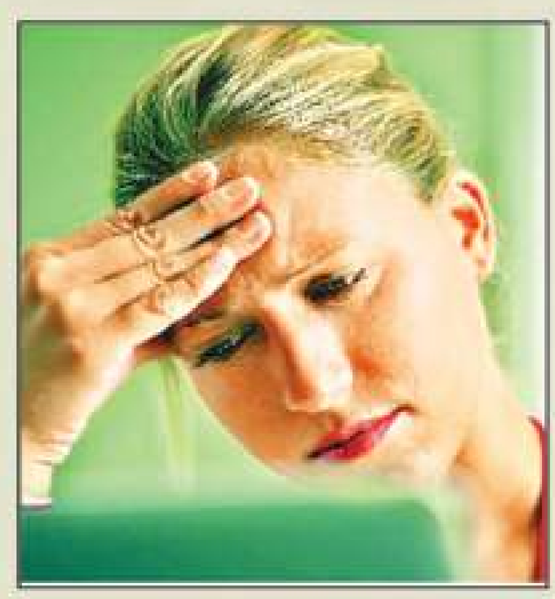

जब रहे तनाव

जिंदगी एक खूबसूरत एहसास है। इसे संजीदगी से जीएं, तो इसका अपना ही मजा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें काम का प्रेशर, जिंदगी को जहन्नुम बनाते जा रहे हैं। महंगाई की मार ने आज जहां दामपत्य जीवन को प्रभावित किया है वहीं महिलाओं को भी घर से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है। हर कंपनी आज अधिकाधिक मुनाफे के लिए अपने कर्मचारियों का भरपूर शोषण करती है। घर की जिम्मेदारी, बच्चों का ख्याल, परिवार का पोषण इनके साथ में आफिस की टेंशन, ये जहां आपकी निजी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं आपके शरीर को भी अस्वस्थ कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार प्रेशर में काम करने से आपको हृदय रोग जैसी घातक बीमारी भी हो सकती है। क्या आपको पता है कि तनाव आपको जहां सही से काम करने से रोकता है वहीं इससे अवसाद होने की भी पूरी संभावना होती है। ऐसे में आपकी थोड़ी सी समझदारी ही आपको तनाव से मुक्ति दे सकती है। तनाव के हालात में काम करने से महिलाओं में हृदय रोग की आशंका पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि काम का तनाव पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को अधिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आपको अपना काम करते समय धैर्य की आवश्यकता होती है। आपका धैर्य ही आपको कठिन से कठिन परिस्थिति में जीने की राह का निर्माण करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (*पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741